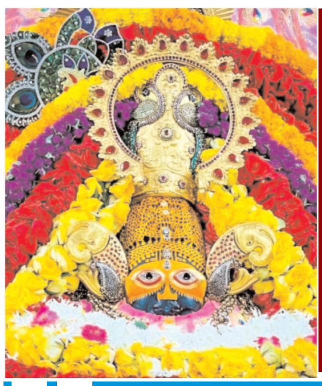

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:251। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (रविवार) 03 मई 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

बरगी क्रूज हादसा

सर्च अभियान का दायरा बढ़ा

तीन मासूम बच्चों समेत 4 लोग अब भी लापता

एजेंसी

जबलपुर । मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में बरगी डैम क्रूज हादसे के बाद से चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन को शनिवार को और तेज कर दिया गया। यह हादसा गुरुवार शाम को हुआ था। हादसे के वक्त क्रूज में 41 लोग सवार थे। अब तक मिली जानकारी के अनुसार इस घटना में 9 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 4 लोग अभी लापता हैं। लापता लोगों में तीन बच्चे और एक वयस्क शामिल हैं। प्रशासन और रेस्क्यू टीमें लगातार उन्हें ढूंढने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है।

पुलिस और प्रशासन के मुताबिक, हादसे के तुरंत बाद 28 लोगों को सुरक्षित पानी से बाहर निकाल लिया गया था। ये सभी लोग अब सुरक्षित हैं और उनसे पूछताछ की जा रही है ताकि घटना के आखिरी पलों की जानकारी मिल सके। वहीं, बाकी लोगों की तलाश अभी जारी है।

हादसे के बाद से ही सेना के गोताखोर, आपदा राहत दल और स्थानीय प्रशासन की टीमें लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हुई हैं। नदी के बहाव और जलाशय की गहराई को देखते हुए सर्च ऑपरेशन को काफी चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। इसके बावजूद टीमों ने सर्च एरिया को बढ़ाकर लगभग 5 किलोमीटर डाउनस्ट्रीम तक फैला दिया है, ताकि कोई भी सुराग छूट न जाए।

मप्र के जबलपुर बरगी डैम क्रूज हादसे में लापरवाही आयी सामने

हादसे में कई तरह की लापरवाही भी सामने आयी है। जिसके बाद प्रशासन ने मामले को लेकर जांच के आदेश दिए हैं और कई कर्मियों पर कार्रवाई की गई है। सामने आए वीडियो में लापरवाही की तस्वीर साफ नजर आ रही है। मौसम विभाग के ऑरेंज अलर्ट के बावजूद यात्रियों को बिना लाइफ जैकेट के ही क्रूज पर चढ़ा दिया गया था। हादसे से बचे रोशन आनंद ने बताया कि किसी भी यात्री को पहले से लाइफ जैकेट नहीं दी गई थी। जब क्रूज डगमगाने लगा, तो लोग घबराकर इधर-उधर भागने लगे। करीब आधे घंटे तक अफरा-तफरी रही। बाद में यात्रियों ने खुद कैबिन में रखी सील पैक लाइफ जैकेट निकालीं और पहनने की कोशिश की।

अधिकारियों का कहना है कि सभी शव मिलने के बाद मामले में आगे की जांच शुरू की जाएगी और एफआईआर दर्ज की जाएगी। जांच में यह देखा जाएगा कि नाव में सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं, क्षमता से ज्यादा लोग तो सवार नहीं थे और क्या लाइफ जैकेट जैसी जरूरी सुरक्षा व्यवस्था मौजूद थी या नहीं।

रेस्क्यू ऑपरेशन में दो घंटे की देरी

हादसे के समय राहत कार्य में भी गंभीर लापरवाही सामने आई। शाम 6 बजे क्रूज आंधी के कारण पलट गया। 6:15 बजे सूचना मिलने के बाद 6:40 बजे टीम रवाना हुई, लेकिन वाहन स्टार्ट नहीं हो पाया। इसके बाद संसाधनों को दूसरे वाहन में शिफ्ट किया गया। दूसरा दल शाम 7 बजे रवाना हुआ, जिससे बचाव कार्य में दो घंटे से ज्यादा की देरी हो गई।

47 लोग सवार, लेकिन सिर्फ 29 के टिकट

जबलपुर में नर्मदा नदी पर बने बरगी डैम में यह क्रूज पर्यटकों से भरा हुआ था। इस पर करीब 47 लोग सवार थे, जबकि टिकट केवल 29 यात्रियों के ही जारी किए गए थे। हादसा किनारे से लगभग 300 मीटर दूर हुआ। उस समय हवा की रफ्तार करीब 74 किलोमीटर प्रति घंटा थी। बरगी सिटी सीएसपी अंजुल मिश्रा के मुताबिक एसडीआरएफ की टीम ने कई लोगों को बचाया, लेकिन तेज हवा, अंधेरा और खराब मौसम के कारण राहत कार्य में दिक्कतें आईं।

संदीप पाठक पर दो एफआईआर दर्ज

भाजपा ने भगवंत मान पर बदले की कार्रवाई का लगाया आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक के खिलाफ पंजाब में दो एफआईआर दर्ज की गई है। भाजपा ने भगवंत सरकार पर निशाना साधते हुए इसे बदले की भावना से की गई कार्रवाई बताया। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने शनिवार को मीडिया से बातचीत में पंजाब की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि पंजाब पुलिस ने राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक के आवास पर छापेमारी की कोशिश की, जबकि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पहले से ही खराब बनी हुई है। आम आदमी पार्टी की सरकार में पुलिस अपराध पर नियंत्रण करने के बजाय इस तरह की कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि भगवंत मान सरकार के प्रति लोगों के मन में गुस्सा है। इसी हताशा, निराशा और गुस्से के

चलते बदले की भावना से कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल से जवाब मांगते हुए 'नई राजनीति' के दावों पर भी सवाल खड़े किए।

स्पिरिट एयरलाइंस 34 साल बाद हुई बंद

सभी उड़ानें रद्द, 17 हजार नौकरियों पर संकट

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट और तेल की बढ़ती कीमतों के बीच अत्यंत कम लागत वाली अमेरिकी एयरलाइंस कंपनी स्पिरिट एयरलाइन ने 34 साल बाद अपने परिचालन को तुरंत प्रभाव से बंद करने का ऐलान किया है। कंपनी ने अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं और ग्राहक सेवा को बंद कर दिया गया है। एयरलाइन के इस कदम से 17 हजार लोगों की नौकरियां जाने का खतरा है।

स्पिरिट एयरलाइंस ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि उसकी सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं क्योंकि व्हाइट हाउस से संभावित बेलआउट न मिल पाने के बाद उसने अपने ऑपरेशन्स को व्यवस्थित तरीके से बंद करना शुरू कर दिया है, जो तत्काल प्रभाव से लागू है। एयरलाइन ने कहा स्पिरिट की सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। स्पिरिट एविएशन होल्डिंग्स, इंक, जो स्पिरिट एयरलाइंस की मूल कंपनी है, उसने 500 मिलियन डॉलर की बचाव डील हासिल करने में नाकाम रहने के बाद अपना कामकाज बंद कर दिया है। दरअसल, बढ़ती ईंधन कीमतों और ईरान युद्ध के असर से कंपनी पहले ही वित्तीय संकट और दिवालियापन से जूझ रही थी। इस बंदी से करीब 17 हजार कर्मचारियों की नौकरियों पर असर पड़ सकता है और विमानन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा घटने की

आशंका है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार स्पिरिट एयरलाइंस ने आज खेद के साथ घोषणा की है कि कंपनी ने अपने परिचालन को व्यवस्थित रूप से बंद करना शुरू कर दिया है, जो तत्काल प्रभाव से लागू है। जिससे टिकटों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है और यात्रियों को परेशानी का भी सामना करना पड़ रहा है। इसके नतीजे दिखने लगे हैं, हवाई किराया बढ़ रहा है और दूसरी एयरलाइंस इस बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए आगे आ रही हैं।

एग्जिट पोल 'कॉपी-पेस्ट' हैं, इन पर भरोसा नहीं कर सकते : भूपेश बघेल

एजेंसी

गुवाहाटी। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने असम विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल पर सवाल उठाते हुए उन्हें अविश्वसनीय बताया है। उन्होंने कहा कि ऐसे पूर्वानुमान अक्सर सही साबित नहीं होते। गुवाहाटी में आयोजित विपक्षी दलों के एक भोज कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री ने बताया। मतगणना से पहले पार्टी की तैयारियों को लेकर कांग्रेस उम्मीदवारों और नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जा रही है। इस बैठक में डीके शिवकुमार और राज्य नेतृत्व भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि यह कि ये आंकड़े पहले की तरह ही 'कॉपी-पेस्ट' हैं और इन पर भरोसा

बैठक आगामी 4 मई को होने वाली मतगणना से पहले रणनीति तय करने के उद्देश्य से की जा रही है। एग्जिट पोल में भाजपा-नीत एनडीए को बढ़त दिखाए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भूपेश बघेल ने कहा नहीं किया जा सकता। पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में पुनर्मतदान के मुद्दे पर बघेल ने कहा कि विपक्षी दल शुरू से ही सतर्क रहे, जिसके कारण किसी भी तरह की कथित अनियमितताओं को रोका जा सका।

मई की संभावित गर्मी से घबराने की जरूरत नहीं: जितेंद्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह ने मई महीने में संभावित गर्मी और लू को लेकर जनता से घबराने की बजाय सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। मौसम पूर्वानुमान को सही ढंग से समझकर और दिन-प्रतिदिन की सरल सावधानियों से प्रभाव को कम किया जा सकता है। डॉ. सिंह ने शनिवार को अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के अनुसार देश के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक तापमान और हीटवेव की स्थिति बन सकती है,

लेकिन यह पूरे देश में समान रूप से प्रभावी नहीं होगी। समय पर तैयारी और आईएमडी द्वारा समय-समय पर जारी सलाहों का पालन करके इसे प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है। डॉ. सिंह ने लोगों को सलाह दी कि वे पर्याप्त पानी पिएं, दोपहर की धूप से बचें और बच्चों, बुजुर्गों एवं बाहरी काम करने वालों का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग के नियमित अपडेट पर नजर रखना जरूरी है।

कांकेर में आईईडी ब्लास्ट; डीआरजी के तीन जवानों का बलिदान

एजेंसी

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में नक्सल ऑपरेशन के दौरान बड़ा हादसा हुआ है। शनिवार को आईईडी निष्क्रिय करने के दौरान जोरदार विस्फोट हुआ, जिसमें डीआरजी के तीन जवान बलिदान हो गये। वहीं एक जवान गंभीर रूप से घायल है, जिसे अस्पताल भेजा गया है, जहां पर इलाज जारी है।

डीआरजी टीम प्रदेश के कांकेर-नारायणपुर सीमा क्षेत्र में नक्सलियों के छिपाए गए डंप की तलाश में निकली थी। इस दौरान आईईडी को हटाने की कोशिश में अचानक ब्लास्ट हो गया, जिससे तीन जवान वीरगति को प्राप्त हो गए। कांकेर एसपी निखिल राखेचा ने घटना की पुष्टि की है। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में सर्च अभियान तेज कर दिया है। पूरे इलाके को घेर लिया है ताकि अन्य संभावित को खोजकर निष्क्रिय किया जा सके। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में नक्सलियों की संभावित गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए सतर्कता बढ़ा दी गई है।

ये जवान हुए बलिदान

इंस्पेक्टर सुखराम वट्टी
कॉन्स्टेबल कृष्णा कोमरा
कॉन्स्टेबल संजय गढपाले

यह जवान घायल

कॉन्स्टेबल परमानंद कोमरा

कैसे हुआ हादसा

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टिलिंगम के अनुसार, पिछले कुछ महीनों में आत्मसमर्पित माओवादी कैडरों की ओर से दी गई जानकारी और अन्य इनपुट के आधार पर माओवादियों के पूर्व में छिपाकर रखे गए सैकड़ों आईईडी बस्तर रेंज में पुलिस एवं सुरक्षा बलों की तरफ से बरामद कर निष्क्रिय किए गए थे, लेकिन आज की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में जब कांकेर जिला पुलिस दल आईईडी को निष्क्रिय कर रहा था, तभी वह आकस्मिक रूप से विस्फोट हो गया, जिसके कारण तीन पुलिस बल के सदस्य वीरगति को प्राप्त हो गये। वहीं एक जवान गंभीर रूप से घायल है। आगे की जानकारी अलग से जी जायेगी।

अब तक 2,922 नाविक सुरक्षित वापस लाए गए

खाड़ी क्षेत्र में भारतीय ध्वज वाले जहाज पूरी तरह सुरक्षित

एजेंसी

नई दिल्ली । सरकार ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि अब तक 2,922 से अधिक भारतीय नाविकों (सीफेयरर्स) को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है, जिनमें पिछले 24 घंटों में 30 लोग खाड़ी क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों से लाए गए हैं। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, भारतीय मिशनों और समुद्री क्षेत्र से जुड़े अन्य पक्षों के साथ मिलकर नाविकों की सुरक्षा और समुद्री गतिविधियों को सुचारु बनाए रखने के लिए लगातार काम कर रहा है। मंत्रालय ने कहा, 'क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और पिछले 24 घंटों में किसी भी भारतीय ध्वज वाले जहाज से जुड़ी कोई घटना सामने नहीं आई है। डीजी शिपिंग कंट्रोल रूम ने अब तक 8,335 कॉल्स और 17,838 से अधिक ईमेल संभाले हैं। पिछले

24 घंटों में 67 कॉल और 144 ईमेल प्राप्त हुए।' बयान में आगे कहा गया है कि देश भर के बंदरगाहों पर कामकाज सामान्य रूप से चल रहा है और कहीं भी जाम (कंजेशन) की स्थिति नहीं है। विदेश मंत्रालय भी खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र की स्थिति पर नजर बनाए हुए है और वहां रह रहे भारतीयों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रयास कर रहा है। सरकार ने बताया कि समय-समय पर नई एडवाइजरी

- **अब तक तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने 2,490 भारतीय नागरिकों को ईरान से जमीनी रास्तों के जरिए सुरक्षित बाहर निकाला है।**

जारी की जा रही हैं, जिनमें स्थानीय नियम, यात्रा और उड़ानों की जानकारी, कांसुलर सेवाएं और अन्य सुविधाओं के बारे में बताया जाता है। भारतीय दूतावास वहां रह रहे भारतीयों और संगठनों से लगातार संपर्क में हैं और उनकी समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। उड़ानों की स्थिति धीरे-धीरे बेहतर हो रही है और खाड़ी क्षेत्र से भारत के लिए अतिरिक्त उड़ानें भी चलाई जा रही हैं। यूएई में सुरक्षा और संचालन के आधार पर सीमित कमर्शियल फ्लाइट्स चल रही हैं। सऊदी अरब और ओमान से भी भारत के लिए नियमित उड़ानें जारी हैं। सरकार ने बताया कि इराक का हवाई क्षेत्र सीमित उड़ानों के साथ खुला है, जिससे लोग भारत आ सकते हैं। ईरान का हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से खुला है, जहां कार्गो और चार्टर्ड उड़ानें चल रही हैं। भारतीय नागरिकों को ईरान की यात्रा से बचने की सलाह दी गई है और जो लोग वहां हैं, उन्हें भारतीय दूतावास की मदद से जमीनी रास्तों से वापस आने के लिए कहा गया है।

महानगर मेट्रो महा-एक्सक्लूसिव

पर्दे के पीछे बैठे सफेदपोश आकाओं के इशारे पर काम कर रहा है एक 'सिंडिकेट'

जैन समाज में वर्चस्व की खतरनाक साजिश: 'हनीट्रैप', 'सुपारी' और उभरते संघों को खत्म करने का खौफनाक खेल!

भगवान महावीर के शांतिप्रिय समाज को अंदर से खोखला करने की रची जा रही है बड़ी साजिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद/सूरत। अहिंसा, त्याग और तपस्या... भगवान महावीर के इन्हीं सिद्धांतों पर जैन समाज की नींव टिकी है। लेकिन आज इसी पवित्र नींव को कुछ स्वार्थी तत्वों की दीमक चाट रही है। महानगर मेट्रो की इन्वेस्टिगेशन डेस्क के हाथ कुछ ऐसे चौंकाने वाले तथ्य और समाज के भीतर चल रही सुगबुगाहट की जानकारी लगी है, जो न सिर्फ हैरान करने वाली है, बल्कि पूरे जैन समाज के अस्तित्व के लिए एक 'खतरे की घंटी' है।

क्या वर्चस्व की अंधी दौड़ में समाज के ही कुछ लोग अपनों की पीठ में छुरा घोंप रहे हैं? क्या तेजी से उभरते और लोकप्रियता हासिल करते नए संघों को कुचलने के लिए 'गंदी राजनीति' का सहारा लिया जा रहा है?

साजिश का 'सिंडिकेट' और चर्चा में आए नाम

समाज के प्रबुद्ध वर्गों और अंदरूनी सूत्रों के बीच इन दिनों एक खास 'सिंडिकेट' या यूं कहें कि एक 'गिरोह' की कार्यप्रणाली को लेकर भारी आक्रोश है।

इस पूरी साजिश के केंद्र में कथित तौर पर कुछ नाम बार-बार गूंज रहे हैं– जगत पारेख, विक्रम बाफना, कल्पेश सिंघवी और हार्दिक हुडिया। आरोप बेहद संगीन और खौफनाक हैं। कहा जा रहा है कि इन लोगों को मोहरा बनाकर पर्दे के पीछे बैठे कुछ रसूखदार लोग समाज को बांटने और उभरते संघों को नेस्तनाबूद करने की 'सुपारी' दे रहे हैं।

क्या है इस 'गिरोह' का डर्टी गेमप्लान?

महानगर मेट्रो की पड़ताल में उन कथित हथकंडों की जानकारी सामने आई है, जिनका इस्तेमाल समाज के ही लोगों को गिराने के लिए किया जा रहा है:

हनीट्रैप का जाल: संघों के प्रमुख और प्रतिष्ठित चेहरों को फंसाने और ब्लैकमेल करने के लिए हनीट्रैप जैसी घिनौनी साजिशों का इस्तेमाल।

जिनालयों को निशाना: आस्था के केंद्रों (जिनालयों) को लेकर विवाद पैदा करना और उन्हें खंडित करने की कथित साजिश।

चरित्र हननः जो संघ तेजी से प्रगति कर रहे हैं, उनकी लोकप्रियता से बौखलाकर सोशल मीडिया और अफवाहों के जरिए उनकी छवि धूमिल करना।

फूट डालो और राज करो: सभी संप्रदाय भगवान महावीर के भक्त होने के बावजूद, उनके बीच वैचारिक और प्रशासनिक मतभेद पैदा करना।

अस्तित्व पर मंडराता खतरा: अल्पसंख्यक से 'लुप्त' होने की ओर?

स्थापना के समय जो जैन समाज एक विशाल वटवृक्ष की तरह था, आज वह सिमट कर अल्पसंख्यक श्रेणी में आ गया है। जनसांख्यिकी के लिहाज से जैन समाज वैसे ही सिकुड़ रहा है। ऐसे में अगर यह वर्चस्व की लड़ाई और आपसी खींचतान इसी तरह चलती रही, तो समाज को बाहर के किसी दुश्मन की जरूरत नहीं पड़ेगी।

समाज के वरिष्ठ चिंतकों का दर्द छलक कर सामने आ रहा है– 'अगर जगत पारेख जैसे कथित गिरोहों और उनके आकाओं का सामाजिक बहिष्कार कर उन्हें रोका नहीं गया, तो जैन समाज का नामोनिशान मिटने के कगार पर पहुंच जाएगा।'

महानगर मेट्रो का अल्टीमेटम: अब नहीं बचेगा कोई नकाबपोश!

यह सिर्फ एक खबर नहीं, बल्कि सोए हुए समाज को जगाने का शंखनाद है।

सामने दिख रहे चेहरे तो सिर्फ मोहरे हैं। असली सवाल यह है कि इनके पीछे की फंडिंग और दिमाग किसका है? वो कौन से लोग हैं जो जैन समाज की एकता से डरते हैं और उसे दीमक की तरह खा रहे हैं?

महानगर मेट्रो का स्पष्ट संकल्प:

हम इस मामले को यहीं नहीं छोड़ेंगे। हमारी इन्वेस्टिगेशन टीम इस पूरे 'सिंडिकेट' की जड़ों तक पहुंच चुकी है। आने वाले अंकों में हम सबूतों, तथ्यों और उन चेहरों के साथ सामने आएंगे, जो पर्दे के पीछे से जैन समाज की पीठ में खंजर घोंप रहे हैं।

सच सामने आएगा...

और यह पर्दाफाश बेहद जोरदार होगा!

मौत के मुंह में भी 'मां' बनी ढाल, बच्चे को सीने से लगाकर बचाई जिंदगी

नाव पलटने की दर्दनाक घटना में मां के साहस और ममता की मिसाल—मानवता को झकझोर देने वाला दृश्य

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बरगी डैम। मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित बरगी डैम में हुआ हालिया नाव हादसा सिर्फ एक प्रशासनिक लापरवाही या प्राकृतिक आपदा का मामला नहीं है। यह घटना मानवीय संवेदनाओं, खौफ और सबसे बढ़कर—एक मां के अकल्पनीय साहस की एक ऐसी दास्तां बन गई है, जिसने पूरे देश की आत्मा को झकझोर कर रख दिया है। हादसे के बाद से जो दृश्य और कहानियां छनकर सामने आ रही हैं, वे साबित करती हैं कि मौत जब सामने खड़ी हो, तब भी एक मां का आंचल दुनिया का सबसे मजबूत सुरक्षा कवच होता है।हादसे का वह खौफनाक मंजरप्रत्यक्षदर्शियों और बचाव दल के अनुसार, जब नाव पलटी, तो चंद सेकंड के भीतर ही चीख-पुकार मच गई। गहरा पानी, बेकाबू लहरें और अपनी जान बचाने की जद्दोजहद। जहां एक तरफ हर इंसान अपनी जिंदगी के लिए हाथ-पैर मार रहा था, वहीं एक

कोना ऐसा था जहां खुद को बचाने की नहीं, बल्कि एक 'नन्ही जान' को बचाने की जंग लड़ी जा रही थी। 'पानी का बहाव तेज था और दहशत का माहौल था। लेकिन उस मां की आंखों में अपनी मौत का खौफ नहीं, बल्कि अपने बच्चे को बचाने की जिद थी।' - एक प्रत्यक्षदर्शीलहरों के बीच 'मां' नाम का ढालजब रेस्क्यू टीम ने हालातों का जायजा लिया, तो एक ऐसा दृश्य सामने आया जिसने पत्थर दिल इंसानों की भी आंखें नम कर दीं। डूबते हुए और मौत को करीब देखते हुए भी, उस मां ने अपने मासूम बच्चे को खुद से अलग नहीं होने दिया।अटूट पकड़: पानी के दबाव और दम घुटने के बावजूद, मां ने अपने दोनों हाथों से बच्चे को सीने से इस कदर चिपकाए रखा कि लहरें भी उस पकड़ को ढीला नहीं कर सकीं।अंतिम सांस तक संघर्ष: जब तक उस महिला के शरीर में जान रही होगी, उसका हर एक प्रयास खुद को ऊपर रखने का नहीं, बल्कि बच्चे के सिर को पानी के स्तर से ऊपर रखने का रहा होगा।मातृत्व की विजय: अंततः प्रकृति के कहर ने भले ही मां की सांसें छीन लीं (या उन्हें गंभीर संकट में डाल दिया), लेकिन उसका बच्चा सुरक्षित बच गया। मौत भी उस आंचल को भेद नहीं पाई।विश्लेषणात्मक पहलू: हादसों की पुनरावृत्ति और प्रशासनिक विफलताइस घटना ने हमें रुलाया जरूर है, लेकिन यह कई गंभीर सवाल भी खड़े करती है, जिनका विश्लेषण किया जाना बेहद जरूरी है:विफलता के मुख्य बिंदुविस्तृत विश्लेषणक्षमता से अधिक भार अक्सर पर्यटन स्थलों पर नाविक चंद रुपयों के लालच में नावों में क्षमता से अधिक लोगों को बैठा लेते हैं। क्या बरगी डैम में भी यही हुआ?जीवन रक्षक उपकरणों की कमीहादसे के समय क्या यात्रियों के पास 'लाइफ जैकेट' उपलब्ध थे? यदि हां, तो क्या उन्हें पहनने के निर्देश दिए गए थे?प्रशासनिक निगरानी का अभावडैम जैसे गहरे और खतरनाक जल क्षेत्रों में क्या वाटर पुलिस या रेस्क्यू टीम की गश्त नियमित रूप से हो रही थी?मौसम और चेतावनीक्या नाव को पानी में उतारने से पहले हवा के दबाव और मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखा गया था ?

विज्ञान और मनोविज्ञान दोनों ही यह मानते हैं कि संकट के समय इंसानी दिमाग 'फाइट या फ्लाइट' मोड में चला जाता है। व्यक्ति सबसे पहले खुद को बचाने की सोचता है। लेकिन मातृत्व इस वैज्ञानिक नियम को भी झुठला देता है। यह दुनिया को हमेशा याद दिलाती रहेगी कि ईश्वर हर जगह नहीं पहुंच सकता था, इसलिए उसने 'मां' को बनाया। मौत के मुंह से भी जीवन खींच लाने वाली उस मां के अमर त्याग को यह देश कभी भुला नहीं पाएगा।

साबरकांठा में सम्मान की मिसाल: एएसआई को भावभीनी विदाई, एसपी ने रिटायर कमांडो को अपनी कुर्सी पर बैठाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। जिला पुलिस में एक अनोखा और भावुक पल देखने को मिला, जब एक एएसआई (Assistant Sub Inspector) को उनके सेवानिवृत्ति अवसर पर पूरे सम्मान के साथ विदाई दी गई। इस मौके को और खास बना दिया जिला पुलिस अधीक्षक पार्थराज सिंह गोहिल के अनोखे कदम ने।

विदाई समारोह के दौरान एसपी पार्थराज सिंह गोहिल ने न सिर्फ रिटायर हो रहे अधिकारी का सम्मान किया, बल्कि उन्हें अपनी कुर्सी पर बैठाकर उनके वर्षों की सेवा को सलाम किया। यह दृश्य वहां मौजूद हर पुलिसकर्मी और अधिकारी के लिए बेहद प्रेरणादायक और भावुक कर देने वाला रहा।

सम्मान और संवेदना का संगम: पुलिस विभाग में आमतौर पर अनुशासन और सख्ती की छवि देखने को मिलती है, लेकिन इस अवसर पर मानवीय संवेदनाओं का एक अलग ही रूप सामने आया। एसपी का यह कदम यह दर्शाता है कि विभाग अपने कर्मियों की सेवा और समर्पण को कितनी अहमियत देता है।

सेवा को सलाम: रिटायर हो रहे एएसआई ने अपने कार्यकाल के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके सहयोगियों ने भी उनके अनुभव, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की।

समापन: इस सम्मानजनक विदाई ने यह संदेश दिया कि वर्दी में बिताए गए साल केवल नौकरी नहीं, बल्कि समाज सेवा का एक महत्वपूर्ण अध्याय होते हैं – और ऐसे कर्मियों को विदाई भी उसी गरिमा के साथ दी जानी चाहिए।

अहमदाबाद में चाय की लारी बनी शराब का अड्डा! PCB की रेड में 627 बोतलें बरामद, आरोपी फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वटवा। अहमदाबाद में अवैध शराब कारोबार का चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां चाय की एक साधारण लारी को शराब के गुप्त ठिकाने में बदल दिया गया था।

वटवा क्षेत्र में पुलिस की PCB टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापा मारकर GIDC फेज-2 में स्थित एक बंद चाय की लारी से भारी मात्रा में शराब का जखीरा बरामद किया है क्या मिला छापे में पुलिस कार्रवाई के दौरान मौके से कुल 627 बोतल अवैध शराब बरामद की गई, जिसकी बाजार कीमत लगभग 2.55 लाख रुपये बताई जा रही है।

मुख्य आरोपी फरार: इस पूरे मामले में वटवा का रहने वाला उग्रसेन उर्फ अजय राजपूत मुख्य आरोपी बताया जा रहा है, जो फिलहाल फरार है।

पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

चाय की लारी के पीछे छिपा खेल: जांच में सामने आया है कि बंद पड़ी चाय की लारी को शराब के स्टोरेज और सप्लाई के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था, ताकि किसी को शक न हो।

प्रशासन अलर्ट: इस घटना के बाद पुलिस और प्रशासन सतर्क हो गया है। अधिकारियों का कहना है कि अवैध शराब के खिलाफ अभियान और तेज किया जाएगा और इस तरह के छिपे अड्डों पर लगातार नजर रखी जाएगी।

समापन:

अहमदाबाद में इस तरह का खुलासा यह दिखाता है कि अवैध धंधेबाज अब नए-नए तरीके अपनाकर कानून को चुनौती दे रहे हैं, लेकिन पुलिस की पैनी नजर से बच पाना आसान नहीं है।

बना अनुमति कार्यक्रम घोषित करने पर सख्ती: डीसीएफ ने मांगी सार्वजनिक माफी, नोटिस जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रशासन ने बिना अनुमति कार्यक्रम आयोजित करने के मामले में कड़ा रुख अपनाया है। गीर पूर्व वन विभाग के डीसीएफ विकास यादव ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि विभाग ने इस तरह के किसी भी कार्यक्रम की अनुमति न तो दी है और न ही दी जा सकती है। डीसीएफ के अनुसार, ज?क्रांति ट्रस्ट के मनसुख सुवागिया द्वारा पूर्व अनुमति के बिना कार्यक्रम की घोषणा करना नियमों का गंभीर उल्लंघन है। इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने संबंधित व्यक्ति को नोटिस जारी कर दिया है।

डीसीएफ विकास यादव का सख्त बयान:

हमने किसी भी प्रकार की अनुमति नहीं दी है। बिना अनुमति कार्यक्रम घोषित करना गलत है। संबंधित व्यक्ति से तुरंत स्पष्टीकरण मांगा गया है और उसे यह कार्यक्रम रद्द करने की सार्वजनिक माफी सोशल मीडिया पर जारी करनी होगी। '

सूत्रों के अनुसार, प्रशासन अब इस मामले में आगे की कार्रवाई भी कर सकता है यदि जवाब संतोषजनक नहीं मिला।

प्रशासन का संदेश साफ:

बिना अनुमति किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम की घोषणा या आयोजन अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई तय है।

समापन: इस कार्रवाई से यह साफ हो गया है कि प्रशासन अब किसी भी तरह की लापरवाही या नियमों की अनदेखी को हल्के में लेने के मूड में नहीं है।

आंखें सबकी एक जैसी, नजरिया अलग—यही फर्क इंसान को इंसान से अलग बनाता है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

'हर इंसान की आंखें एक जैसी होती हैं, लेकिन हर किसी का दृष्टिकोण एक जैसा नहीं होता '—यह पंक्ति केवल एक विचार नहीं, बल्कि आज के समाज की गहरी सच्चाई है। हम सभी एक ही दुनिया को देखते हैं, एक ही घटनाओं के साक्षी बनते हैं, लेकिन उन्हें समझने, महसूस करने और प्रतिक्रिया देने का तरीका हर व्यक्ति का अलग होता है। यही फर्क किसी को संवेदनशील बनाता है, तो किसी को कठोर; कोई समस्या में अवसर देखता है, तो कोई अवसर में भी समस्या खोज लेता है। आज के दौर में, जहां सूचनाओं की भरमार है और हर व्यक्ति अपनी राय को 'सही'

साबित करने में लगा है, वहां दृष्टिकोण का यह अंतर और भी स्पष्ट हो गया है। सोशल मीडिया ने हर किसी को एक मंच दिया है, लेकिन इसके साथ ही यह भी साबित किया है कि सच्चाई एक नहीं, बल्कि कई रूपों में देखी और समझी जाती है। असल सवाल यह नहीं है कि कौन सही है और कौन गलत, बल्कि यह है कि हम दूसरों के नजरिए को समझने की कितनी कोशिश करते हैं। क्या हम अपने विचारों के दायरे से बाहर निकलकर दूसरे की सोच को स्वीकार करने की क्षमता रखते हैं? समाज में बढ़ती कटुता, रिश्तों में दरार और विचारों में टकराव का एक बड़ा कारण यही है कि हम केवल अपनी आंखों से देखी हुई दुनिया को ही अंतिम सत्य मान लेते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि हर व्यक्ति का अनुभव, उसकी परवरिश, परिस्थितियां और सोच—इन सबका मेल उसके दृष्टिकोण को आकार देता है। जरूरत इस बात की है कि हम केवल देखने तक सीमित न रहें, बल्कि समझने की कोशिश करें। जब हम दूसरों के नजरिए को भी उतनी ही अहमियत देंगे, तभी एक संतुलित और स्वस्थ समाज का निर्माण संभव होगा। **समापन:** आंखें हमें दुनिया दिखाती हैं, लेकिन नजरिया हमें इंसान बनाता है। फर्क नजर में नहीं, नजरिए में है—और यही फर्क तय करता है कि हम समाज को जोड़ेंगे या तोड़ेंगे।

रोज़गार के लिए खड़े ठेले 'अवैध', लेकिन चुनावी रैलियों के लिए पूरा शहर जाम—किसके लिए है कानून?

गरीब का ठेला हटाओ, नेताओं की रैली सजाओ? – सड़क पर दोहरे मापदंड का सच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर की सड़कों पर एक कड़वी हकीकत बार-बार सामने आती है—जब गरीब अपना पेट पालने के लिए ठेला लगाता है, तो उसे 'अतिक्रमण' बताकर हटा दिया जाता है। लेकिन जब चुनावी मौसम आता है, तो वही सड़कें बड़े-बड़े जुलूसों और रैलियों के लिए घंटों बंद कर दी जाती हैं।

कानून का असली चेहरा या दोहरा मापदंड?

नगर निगम और प्रशासन अक्सर यह तर्क देते हैं कि सड़कें सार्वजनिक हैं और यातायात बाधित नहीं होना चाहिए। लेकिन सवाल यह है कि जब राजनीतिक रैलियों के कारण पूरा शहर थम जाता है, तब यही नियम कहां चले जाते हैं?

गरीब की रोज़ी बनाम राजनीति की ताकत:

एक रेहड़ी-पटरी वाला दिनभर मेहनत करके मुश्किल से दो वक्त की रोटी कमाता है। उसके लिए सड़क सिर्फ जगह नहीं, बल्कि जीवन का सहारा है। वहीं, राजनीतिक रैलियां शक्ति प्रदर्शन का माध्यम बनती जा रही हैं, जहां आम जनता की असुविधा को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

चुनावी मौसम में 'छूट', बाकी समय में 'सख्ती':

विश्लेषण साफ बताता है कि नियमों का पालन परिस्थितियों के हिसाब से बदलता नजर आता है। चुनाव के दौरान प्रशासनिक सख्ती ढीली पड़ जाती है, जबकि आम दिनों में गरीबों पर कार्रवाई तेज हो जाती है।

समाज पर असर: इस दोहरे रवैये से समाज में असंतोष बढ़ता है। गरीब तबका खुद को उपेक्षित महसूस करता है और उसके मन में व्यवस्था के प्रति अविश्वास गहराता है।

जिम्मेदारी किसकी?

यह सिर्फ प्रशासन या राजनीति का सवाल नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की जवाबदेही है। क्या हम ऐसा मॉडल नहीं बना सकते, जहां गरीबों की रोज़ी-रोटी भी सुरक्षित रहे और शहर का ट्रैफिक भी प्रभावित न हो?

समापन:

अगर व्यवस्था सिर्फ ताकतवरों के लिए झुके और कमजोरों पर सख्त हो, तो यह न्याय नहीं, बल्कि असंतुलन है।

याद रखना होगा—गरीब की आह अक्सर खामोश होती है, लेकिन उसका असर बहुत गहरा होता है।

'दल-बदल से सत्ता तक!' बीजेपी में 'बाहरी चेहरों' का उदय वफादारों में बेचैनी ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भारतीय राजनीति में एक दिलचस्प और बहस छेड़ने वाला ट्रेंड तेजी से उभर रहा है। सवाल उठ रहा है—क्या भारतीय जनता पार्टी अब अपने ही कैडर से ज्यादा 'दूसरे दलों' से आए नेताओं पर भरोसा कर रही है? पिछले कुछ वर्षों में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं, जहां दूसरे दलों से आए नेताओं को न सिर्फ पार्टी में जगह मिली, बल्कि सीधे सत्ता की सबसे ऊंची कुर्सी—मुख्यमंत्री पद—तक पहुंचा दिया गया।

कांग्रेस से बीजेपी तक, और सीधे CM की कुर्सी:

HimantaBiswa Sarma—2015 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए और 2021 में असम के मुख्यमंत्री बने।

Pema Khandu पहले कांग्रेस में CM, फिर 2016 में पाला बदला और भाजपा ने दोबारा सत्ता सौंपी।

Manik Saha कांग्रेस से आए और 2022 में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बनाए गए।

N.BirenSingh कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए और 2017 में मुख्यमंत्री पद तक पहुंचे।

दूसरे दलों से आए नेताओं का भी 'राजयोग'

Samrat Choudhary JDU से भाजपा में आए और बिहार में अहम पद मिला।

* Arjun Munda—JMM से भाजपा में आकर झारखंड के मुख्यमंत्री बने।

राजनीतिक संदेश क्या है?

इन उदाहरणों ने पार्टी के अंदर और बाहर दोनों जगह एक बहस छेड़ दी है। सवाल उठ रहे हैं कि क्या वर्षों से पार्टी के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं की तुलना में 'बाहरी' नेताओं को ज्यादा प्राथमिकता दी जा रही है? कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा 'विनिंग एबिलिटी' यानी जीतने की क्षमता को प्राथमिकता दे रही है, चाहे नेता किसी भी पृष्ठभूमि से क्यों न आया हो। वहीं, आलोचकों का कहना है कि इससे पार्टी के मूल कैडर में असंतोष पैदा हो सकता है।

नई अटकलें और राजनीतिक चर्चा:

हाल ही में आम आदमी पार्टी के नेता Raghav Chadha को लेकर भी सियासी गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म है। हालांकि इस तरह की चर्चाओं की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन राजनीतिक बयानबाजी ने माहौल जरूर गरमा दिया है।

युगनायक थे भंडारी श्री पदमचंद्र म.सा. धर्मसभा में भावपूर्ण स्मरण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। (प्रदीप जैन) श्रमण शिरोमणि आचार्य श्री हितेशचंद्र सूरीश्वर जी म.सा. के सान्निध्य में आयोजित धर्मसभा में राष्ट्रसंत, उत्तर भारतीय प्रवर्तक परम पूज्य दादा गुरुदेव भंडारी श्री पदमचंद्र म.सा. के दिव्य जीवन और योगदान का भावपूर्ण स्मरण किया गया। मात्र 17 वर्ष की आयु में दीक्षा ग्रहण कर उन्होंने तप, त्याग, ज्ञान, ध्यान और सेवा के माध्यम से जन-जन के हृदय में श्रद्धा का केंद्र स्थापित किया। श्रमण संघ के प्रथम आचार्य श्री आत्माराम म.सा. के प्रिय शिष्य रहे भंडारी जी महाराज को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 'भंडारी' की उपाधि प्रदान की गई, जो आगे चलकर उनकी पहचान बनी।

108 मुमुक्षुओं को दीक्षा, जिनशासन की प्रभावना

उनके आशीर्वाद से असंख्य श्रद्धालुओं के जीवन में सुख-शांति का संचार हुआ तथा उनकी प्रेरणा से 108 मुमुक्षु आत्माओं ने जैन दीक्षा ग्रहण कर जिनशासन की प्रभावना की। इनमें आचार्य सम्राट तपसूर्य डॉ. श्री शिव मुनि म.सा. का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

गुणी संतों का स्मरण पुण्य जागृत करता है

धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य विश्वरत्न सागर जी महाराज ने कहा कि गुणी संतों के गुणों का स्मरण करना पुण्य जागृत करने वाला होता है और जीवन को दिशा प्रदान करता है। आचार्य श्री हितेशचंद्र सूरीश्वर जी म.सा. ने भंडारी पदमचंद्र जी महाराज के व्यक्तित्व का वर्णन करते हुए उप प्रवर्तक श्री पंकज मुनि जी महाराज को 'दक्षिण भारत धर्म प्रभावक' तथा श्री वरुण मुनि जी महाराज को 'शासन सूर्य' की पदवी से अलंकृत किया। शिक्षा, चिकित्सा व समाजसेवा में योगदान उन्होंने बताया कि गुरुदेव की प्रेरणा से प्रवर्तक श्री अमर मुनि जी म.सा. ने जैनागम प्रकाशन का ऐतिहासिक कार्य किया तथा उनके मार्गदर्शन में देशभर में शिक्षा, चिकित्सा और समाजसेवा से जुड़ी अनेक संस्थाओं की स्थापना हुई, जो आज भी मानव सेवा में समर्पित हैं।

कार्यक्रम में भक्ति व सामाजिक सेवा का समावेश

कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ। संघ के महामंत्री श्री रमेश भंडारी ने स्वागत उद्बोधन दिया, जबकि महासती श्री रश्मि जी एवं महासती श्री विजया जी सुमन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अभिग्रहधारी श्री राजेश मुनि जी महाराज ने गुरु गुणगान प्रस्तुत किया तथा आदर्श ज्योति बहु मंडल द्वारा स्वागत गीत एवं श्री रोहन जैन द्वारा गुरु भक्ति गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री रुपेश मुनि जी महाराज एवं प्रकाश भटेवरा ने किया। इस अवसर पर अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे तथा अंत में मानव सेवा के उद्देश्य से अस्पताल को एक दंत चिकित्सा मशीन भेंट की गई।

अहमदाबाद में रिश्तों का संकट! ढाई साल में 20 हजार से ज्यादा केस—युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक 'तलाक' का ट्रेंड

फैमिली कोर्ट के आंकड़े बने चेतावनी—6 महीने में टूट रहे रिश्ते, 80 साल की उम्र में भी 'ग्रे डिवोर्स' के मामले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भारतीय संस्कृति में विवाह को सात जन्मों का पवित्र बंधन माना जाता है, लेकिन बदलती जीवनशैली और आधुनिक सोच के दौर में यह बंधन अब कमजोर पड़ता नजर आ रहा है। अहमदाबाद की फैमिली कोर्ट से सामने आए आंकड़े समाज के लिए किसी 'लालबत्ती' से कम नहीं हैं।

ढाई साल में 20 हजार से ज्यादा केस:

वर्ष 2024 से मार्च 2026 के बीच शहर की फैमिली कोर्ट में तलाक के 10,200 और भरण-पोषण व घरेलू हिंसा के 10,300 मामले दर्ज हुए हैं। यानी हर साल औसतन 8 से 10 हजार दंपति अपने रिश्तों को बचाने के बजाय अदालत की चौखट तक पहुंच रहे हैं।

युवा दंपतियों पर सबसे ज्यादा असर: सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन मामलों में बड़ी संख्या 20 से 30 वर्ष के युवा दंपतियों की है। शादी के एक-दो साल के भीतर ही विवाद शुरू हो जाते हैं और कई रिश्ते तो 6 महीने के अंदर ही टूटने की कगार पर पहुंच जाते हैं।

सोशल मीडिया और 'इंस्टेंट रिलेशन' का असर:

विशेषज्ञों का मानना है कि आज के दौर में सोशल मीडिया पर पनपने वाले आभासी रिश्ते और आकर्षण के चलते युवा जल्दबाजी में शादी का फैसला ले लेते हैं। लेकिन जब वास्तविक जीवन की जिम्मेदारियां सामने आती हैं, तो रिश्तों में दरार आना शुरू हो जाता है।

सहनशक्ति में कमी, 'ईगो' बना बड़ा कारण: रिश्तों में बढ़ते 'स्व' की भावना और सहनशीलता की कमी भी विवादों की बड़ी वजह बन रही है। छोटी-छोटी बातों पर टकराव इतना बढ़ जाता है कि मामला सीधे कोर्ट तक पहुंच जाता है।

अब बुजुर्ग भी ले रहे 'ग्रे डिवोर्स': चौंकाने वाली बात यह है कि सिर्फ युवा ही नहीं, बल्कि 12-15 साल से साथ रह रहे दंपति और 50 से 80 वर्ष की उम्र के बुजुर्ग भी अब 'ग्रे डिवोर्स' की राह अपना रहे हैं। यहां तक कि 80 साल की उम्र में भी स्वतंत्रता की चाह में तलाक के लिए कोर्ट पहुंचने के मामले सामने आ रहे हैं, जिसने समाज और न्याय व्यवस्था दोनों को हैरान कर दिया है।

समापन: अहमदाबाद में बढ़ते तलाक के ये आंकड़े केवल कानूनी मामले नहीं, बल्कि बदलते सामाजिक ढांचे और रिश्तों में आती दरार का संकेत हैं। सवाल यह है कि क्या आधुनिकता की दौड़ में हम रिश्तों की बुनियाद को कमजोर कर रहे हैं?

आप से बीजेपी में गए सांसद पर शिकंजा ? संदीप पाठक पर दो FIR, गिरफ्तारी की आशंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पंजाब। राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है, जहां आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए राज्यसभा सांसद Sandeep Pathak पर कानूनी शिकंजा कसता नजर आ रहा है।

सूत्रों के अनुसार, संदीप पाठक के खिलाफ पंजाब के दो अलग-अलग जिलों में दो FIR दर्ज की गई हैं। इन मामलों में महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार और भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं, जिनमें कुछ धाराएं गैर-जमानती भी बताई जा रही हैं। पंजाब पुलिस की एक टीम जांच के सिलसिले में नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर पहुंची थी, लेकिन अधिकारियों के पहुंचने से पहले ही संदीप पाठक वहां से निकल चुके थे। इसके बाद से उनकी गिरफ्तारी को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

राजनीतिक रंग लेने लगा मामला: इस पूरे घटनाक्रम को लेकर सियासत भी गरमा गई है। विपक्ष इसे राजनीतिक दबाव और कार्रवाई से जोड़कर देख रहा है, जबकि आधिकारिक तौर पर पुलिस इसे कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा बता रही है।

पहले भी हुई थी बड़ी कार्रवाई: इससे पहले पंजाब से राज्यसभा सांसद Rajinder Gupta से जुड़ी ट्राइडेंट ग्रुप की फैक्ट्री पर पंजाब प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड ने अचानक छापेमारी की थी। इस दौरान प्लांट और जरूरी दस्तावेजों की गहन जांच की गई थी। यह कार्रवाई भी बिना किसी पूर्व सूचना के हुई थी, जिसे लेकर राजनीतिक हलकों में कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई थीं।

समापन:संदीप पाठक पर दर्ज FIR और संभावित गिरफ्तारी की खबर ने राजनीतिक माहौल को गरमा दिया है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि यह मामला कानूनी दायरे में सुलझेगा या फिर सियासी संघर्ष का बड़ा मुद्दा बनेगा।

गुजरात में ट्यूशन माफिया के खिलाफ मुहिम तेज–शिक्षा शुद्धि अभियान से जुड़ने की अपील

महानगर मेट्रो ब्यूरो

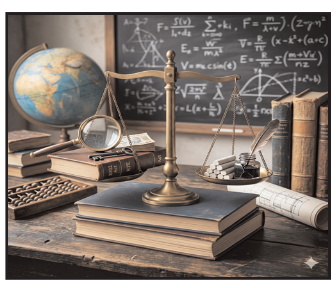

गुजरात। में शिक्षा व्यवस्था को लेकर एक बड़ा जन-जागरूकता अभियान शुरू किया गया है, जिसमें आम जनता से भ्रष्टाचार और अवैध गतिविधियों के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की जा रही है।,EG और FAA द्वारा चलाए जा रहे 'गुजरात शिक्षा शुद्धि अभियान' के तहत लोगों से अपील की गई है कि वे इस मुहिम से जुड़कर शिक्षा क्षेत्र में फैल रहे भ्रष्टाचार को खत्म करने में सहयोग करें। **ट्यूशन कराना है गैरकानूनी:** स्पष्ट रूप से बताया गया है कि ट्यूशन अधिनियम 2002 और RTE एक्ट के तहत कोई भी स्कूल शिक्षक निजी ट्यूशन नहीं कर सकता। इसके बावजूद कई जगहों पर शिक्षक खुलेआम इस नियम का उल्लंघन कर रहे हैं।

डमी स्कूल और डे-केयर के नाम पर खेल:

अभियान के तहत यह भी सामने आया है कि कुछ स्कूल संचालक शिक्षा के नाम पर डमी स्कूल, डे-केयर स्कूल और ट्यूशन क्लास चला रहे हैं, जो नियमों के खिलाफ है।

स्कूलों का काम शिक्षा देना है, न कि इसे व्यवसाय में बदलना।

जनता से सीधी अपील: यदि आपके क्षेत्र में कोई स्कूल इस प्रकार की अवैध गतिविधियों में शामिल है, तो उसकी जानकारी तुरंत साझा करने की अपील की गई है। सूचना देने के लिए WhatsApp नंबर: 9638877700

अभियान का संदेश: 'आइए, मिलकर शिक्षा में फैले भ्रष्टाचार को खत्म करें और आने वाली पीढ़ी को एक स्वच्छ और ईमानदार शिक्षा प्रणाली दें।

'**समापन:** शिक्षा समाज की नींव है। यदि यही व्यवस्था भ्रष्ट हो जाए, तो भविष्य भी कमजोर हो जाता है। अब वक्त आ गया है कि समाज जागे और शिक्षा को 'व्यापार' नहीं, 'संस्कार' बनाए।

पत्रकारों के अंतरराष्ट्रीय संगठन आईरा की मांग पत्रकारों की अधिकृत पहचान जारी करें सरकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। पत्रकारों के अंतरराष्ट्रीय संगठन आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने केंद्र शासन एवं राज्य शासन से मांग किया है कि पत्रकारों की अधिकृत पहचान जारी करें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता संविधान में निहित धारा के अंतर्गत ही पत्रकार कम कर रहे हैं उन्हें अलग से विशेष अधिकार प्राप्त नहीं हुआ है दूसरी तरफ पत्रकारों की पहचान को लेकर पूरे देश भर में संकट का दौर चल रहा है पत्रकार कौन है कौन पत्रकार नहीं है

इसकी परिभाषा भी अब तक तय नहीं हो पाई है यही कारण है कि फॉर्चून की दुकान की तरह पत्रकार और पत्रकारिता हो गई है कुछ लोग अपने काले कारनामों को दबाने के लिए पत्रकारिता का चोला ओढ़े हुए हैं तो कुछ माफिया लोग दो नंबर के काम करते हुए पत्रकारिता का तमगा लगाए हुए कुछ लोग सिर्फ पत्रकारता के नाम पर आरटीआई सूचना का अधिकार ही लगा रहे हैं कुछ लोग तो सिर्फ अपनी बड़ी-बड़ी गाड़ियों में प्रेस लिखे जाने की वजह से पत्रकारता से जुड़े हैं

शासन प्रशासन को चाहिए कि इस पर गंभीरता से चिंतन मनन करे दूसरी ओर पत्रकार संगठन भी अपने अधिकृत पत्रकारों की सूची जारी करें विभिन्न प्रेस क्लब भी अपने पत्रकारों की अधिकृत सूची जारी करें ब्लॉक स्तर पर स्थानीय अधिकारी पत्रकारों की अधिकृत सूची जारी करें केंद्र सरकार ने पत्रकारों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए एक मसौदा तैयार किया है

हालांकि देश भर में संभावित विरोध के चलते हुए मोदी सरकार ने इस पत्रकार संशोधित कानून ड्राफ्ट को फिलहाल पेंडिंग में रखा है लेकिन आने वाले समय में इस कानून के पूरा हो जाने से पत्रकारता पर जो संकट के बादल छाए हुए हैं वह हटने के आसर है

आतंकवाद, कश्मीर और सियासत:

सवाल कई, जवाब अधूरे

हमले कब, क्यों और कैसे? सुरक्षा व्यवस्था और राजनीतिक जवाबदेही पर उठते बड़े प्रश्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। भारत में आतंकवाद और कश्मीर का मुद्दा हमेशा से संवेदनशील और जटिल रहा है। अलग-अलग दौर में अलग-अलग सरकारों के समय कई बड़ी घटनाएं हुईं–चाहे वह कश्मीर घाटी में 1990 के दशक का पलायन हो या बाद के वर्षों में हुए आतंकी हमले।

इतिहास और हकीकत:

कश्मीर घाटी में 1990 के दशक में जो कुछ हुआ, वह देश के इतिहास का एक दर्दनाक अध्याय है, जब बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों को अपना घर छोड़ना पड़ा। इसके कारणों में आतंकवाद, उग्रवाद और उस समय की सुरक्षा चुनौतियों को प्रमुख माना जाता है।

आतंकी हमले सुरक्षा पर सवाल:

पिछले वर्षों में Pulwama Attack, Uri Attack और Pathankot Airbase Attack जैसे बड़े हमलों ने देश को झकझोर दिया। हर बार सवाल उठा–खुफिया तंत्र कहां चूका? सुरक्षा में कमी क्यों रही?

राजनीति बनाम सुरक्षा:

इन घटनाओं के बाद अक्सर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज हो जाते हैं। एक पक्ष सरकार को जिम्मेदार ठहराता है, तो दूसरा इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बताकर राजनीतिकरण से बचने की बात करता है।

चुनाव और सुरक्षा तैनाती:

चुनाव के दौरान भारी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती होती है, ताकि मतदान शांतिपूर्ण हो सके। वहीं, आतंकी हमलों के समय सुरक्षा व्यवस्था अलग तरह की चुनौतियों का सामना करती है, जिसमें खुफिया जानकारी, स्थानीय परिस्थितियां और सीमा पार की गतिविधियां शामिल होती हैं।

सवाल उठाना जरूरी, निष्कर्ष नहीं थोपना:

लोकतंत्र में सवाल उठाना जरूरी है–चाहे वह सुरक्षा को लेकर हो या सरकार की जवाबदेही को लेकर। लेकिन बिना प्रमाण के किसी भी हमले को किसी राजनीतिक दल से जोड़ना न केवल भ्रामक हो सकता है, बल्कि इससे समाज में गलत संदेश भी जाता है। आतंकवाद एक राष्ट्रीय चुनौती है, न कि सिर्फ राजनीतिक मुद्दा। जरूरत है मजबूत सुरक्षा व्यवस्था, पारदर्शिता और तथ्यों पर आधारित चर्चा की–ताकि देश सुरक्षित रहे और जनता का विश्वास भी बना रहे।

'गुजरात की शिक्षा व्यवस्था सवालों के घेरे में: घोटाले, गड़बड़ियां और गिरता भरोसा '

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात. की शिक्षा व्यवस्था एक बार फिर कठघरे में खड़ी नजर आ रही है। हर कुछ दिनों में सामने आते घोटालों और अनियमितताओं ने न सिर्फ सिस्टम की साख को कमजोर किया है, बल्कि छात्रों और अभिभावकों के भरोसे को भी झकझोर कर रख दिया है।

हर कुछ दिन में नया विवाद:

कभी पेपर लीक, कभी भर्ती में गड़बड़ी, तो कभी प्रशासनिक लापरवाही–ऐसे मामलों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर शिक्षा का स्तर सुधरेगा कैसे? गुजरात से बड़ी संख्या में छात्र उच्च शिक्षा के लिए विदेशों का रुख कर रहे हैं। यह सिर्फ 'ग्लोबल एक्सपोजर' की चाह नहीं, बल्कि स्थानीय शिक्षा व्यवस्था पर घटते भरोसे का भी संकेत है। नियुक्ति में गड़बड़ी तो सुधार कैसे? सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब परीक्षा नियंत्रक जैसे महत्वपूर्ण पदों की नियुक्ति में ही अनियमितता के आरोप लगते हैं, तो वही अधिकारी छात्रों को नियमों का पालन कैसे सिखाएंगे? जिस सिस्टम की नींव ही कमजोर हो, वहां पारदर्शिता और ईमानदारी की उम्मीद कैसे की जा सकती है? इस पूरे परिदृश्य में सबसे ज्यादा नुकसान छात्रों का हो रहा है। मेहनत करने वाले विद्यार्थी भी सिस्टम की खामियों के कारण हताश हो रहे हैं, जबकि गलत तरीके अपनाने वालों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। सुधार की जरूरत, सिर्फ बयान नहीं विशेषज्ञों का मानना है कि अब समय आ गया है कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और सख्त निगरानी सुनिश्चित की जाए। सिर्फ बयानबाजी से नहीं, बल्कि ठोस कदमों से बदलाव लाना होगा।

समापन: अगर शिक्षा में ही भ्रष्टाचार पनपने लगे, तो भविष्य अंधकारमय हो जाता है। सवाल सीधा है–क्या हम आने वाली पीढ़ी को मजबूत नींव देंगे, या फिर घोटालों के बोझ तले उनका भविष्य दबता रहेगा?

भावनगर में रिश्तों का खून ! सॉनी दंपती की हत्या में बड़ा खुलासा–पैसों के लिए बेटे-बहू ने रची साजिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भावनगर. में सॉनी दंपती की संदिग्ध मौत के मामले में बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ सामने आया है। जिस घटना को शुरुआत में सामान्य या संदिग्ध मौत माना जा रहा था, अब वह एक सुनियोजित हत्या में बदल गई है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि इस दिल दहला देने वाली वारदात के पीछे कोई और नहीं, बल्कि खुद मृतक दंपती के बेटे और बहू ही शामिल हैं। पैसों के लिए रची गई खौफनाक साजिशः प्राथमिक जांच के अनुसार, आरोपी बेटे-बहू ने पैसों और संपत्ति के लालच में इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि परिवार के अंदर लंबे समय से आर्थिक विवाद चल रहा था, जिसने आखिरकार इस खौफनाक मोड़ को जन्म दिया। विश्वास का हुआ

कत्लः यह घटना सिर्फ एक हत्या नहीं, बल्कि उस भरोसे और रिश्ते की भी हत्या है, जिस पर एक परिवार टिका होता है। माता-पिता, जिन्होंने अपने बच्चों को पाल-पोसकर बड़ा किया, उन्हीं के हाथों मौत का शिकार बन गए–यह सोचकर ही रूह कांप उठती है।

पुलिस की कार्रवाई तेज: मामले का खुलासा होते ही पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही पूरे घटनाक्रम की गहराई से जांच की जा रही है ताकि साजिश के हर पहलू को उजागर किया जा सके।

समाज के लिए चेतावनी: यह घटना समाज के सामने एक गंभीर सवाल खड़ा करती है–क्या पैसों की लालच अब रिश्तों से भी बड़ी हो गई है?

समापन: भावनगर की यह घटना केवल एक आपराधिक मामला नहीं, बल्कि सामाजिक मूल्यों के गिरते स्तर का आईना है। जब अपनों के हाथों ही अपनों का खून होने लगे, तो यह सिर्फ कानून नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए खतरे की घंटी है।

'छत्तीसगढ़ शहरी गैस वितरण नीति-2026' महिला सशक्तिकरण की दिशा में क्रांतिकारी कदम: रत्नावली कौशल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन की पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में 'छत्तीसगढ़ शहरी गैस वितरण नीति-2026' को मंजूरी दिए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि घरों तक पाइपलाइन से गैस पहुंचाने की यह नीति महिलाओं के जीवन को आसान बनाने और 'धुआं मुक्त रसोई' के सपने को पूरा करने वाला ऐतिहासिक निर्णय है।

रत्नावली कौशल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने उज्ज्वला योजना के माध्यम से करोड़ों बहनों को चूल्हे के धुएं से आजादी दिलाई थी। अब मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार 'वन नेशन, वन गैस ग्रिड' के तहत घर-घर पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) पहुंचाकर उस क्रांति को अगले स्तर पर ले जा रही है। पीएनजी, एलपीजी सिलेंडर की तुलना में सस्ती, सुरक्षित और 24 घंटे उपलब्ध रहेगी।

महिलाओं और SC-ST परिवारों को सीधा लाभ

रत्नावली कौशल ने कहा कि इस नीति का सबसे बड़ा लाभ शहरी गरीब, मध्यमवर्गीय परिवार और अनुसूचित जाति-जनजाति की बहनों को मिलेगा। बार-बार सिलेंडर बुक करना, एजेंसी के चक्कर लगाना, सिलेंडर ढोना और खत्म होने की चिंता से अब मातृशक्ति को मुक्ति मिलेगी। पीएनजी हवा से हल्की होती है, इसलिए लीकेज होने पर भी दुर्घटना का खतरा नहीं रहता। इससे रसोई सुरक्षित होगी और बहनों का समय बचेगा, जिसे वे बच्चों की पढ़ाई, स्वरोजगार या अन्य उत्पादक कार्यों में लगा सकेंगी। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन अधोसंरचना के विकास से शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण इलाकों में भी बड़े पैमाने पर निवेश आएगा। इससे गैस फिटिंग, मेंटेनेंस, मीटर रीडिंग जैसे कार्यों में स्थानीय युवाओं, विशेषकर स्ष्ट-स्ज्ञ वर्ग के बेटे-बेटियों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। छोटे होटल, ठेले, डेयरी और स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित खाद्य इकाइयों की लागत भी कम होगी।रत्नावली कौशल ने उपमुख्यमंत्री अरुण साव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने कैबिनेट निर्णयों की पारदर्शी जानकारी जनता तक पहुंचाई। 'डबल इंजन सरकार' लगातार महिला हितैषी फैसले ले रही है। यह नीति 'विकसित भारत' और 'विकसित छत्तीसगढ़' के संकल्प में महिलाओं की भागीदारी को और मजबूत करेगी।

रत्नावली कौशल ने कहा कि कांग्रेस की सरकारों ने दशकों तक महिला आरक्षण और सुविधाओं के नाम पर केवल राजनीति की, जबकि भाजपा सरकार ने उज्ज्वला से लेकर पीएनजी तक, हर कदम पर महिलाओं का जीवन बदला है। भाजपा महिला मोर्चा इस नीति को बूथ स्तर तक ले जाएगी ताकि हर बहन योजना से जुड़कर लाभ ले सके।

लेडी कांस्टेबल द्वारा महिला की पिटाई मामले में तत्काल निलंबन की कार्रवाई हो मान सम्मान हर व्यक्ति का होता है हेमंत वर्मा प्रदेश अध्यक्ष आईरा इंटरनेशनल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। पत्रकारों के अंतरराष्ट्रीय संगठन आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने 19 अप्रैल को ज्वेलरी की दुकान पर लेनदेन की बात पर दुर्ग में लेडी कांस्टेबल के द्वारा दबंगई करते हुए बेरहमी से पीटा गया जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर उपलब्ध है काफी शर्मनाक घटना है एक महिला होकर महिला की पीड़ा ना समझना थप्पड़ों की बौछार करना और उसके बाल नोचना कहां तक जायज है वर्दी की आड़ में इस तरीके से गुंडागर्दी सभ्य समाज में कतई ही बर्दाश्त नहीं है दुर्ग जिले के पुलिस अधीक्षक माननीय श्री विजय अग्रवाल जी से आग्रह है कि इस मामले में दोषी पुलिस कर्मियों पर निलंबन की कारवाई किया जाए क्योंकि यह घटनाक्रम सोशल मीडिया पर वायरल है सार्वजनिक स्थान पर अगर पुलिस इस तरीके से किसी भी महिला या पुरुष की पिटाई अगर कर रहा है तो बेहद ही शर्मनाक बात है पीड़ित महिला ने बताया कि ज्वेलरी और उनके बीच में कुछ लेनदेन का विवाद चल रहा था तभी वहां पर हेड कांस्टेबल आई और बिना स्थिति को समझें उनके साथ गाली-गलौज करते हुए थप्पड़ मारा बाल पड़कर घसीटा इस दौरान दोनों पक्षों में जमकर बहस हुई पीड़ित महिला ने दावा किया कि पुलिस ने उनकी शिकायत सुनने के बजाय उसी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया उन्होंने इस मामले में सिटी कोतवाली पर भी आरोप लगाया है

'गुजरात की शिक्षा व्यवस्था सवालों के घेरे में घोटाले, गड़बड़ियां और गिरता भरोसा '

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। की राजनीति में एक बयान ने बड़ा सियासी भूचाल ला दिया है। गुजरात बीजेपी अध्यक्ष Jagdish Panchal द्वारा गेनिबेन ठाकोर पर की गई टिप्पणी अब राष्ट्रीय स्तर पर विवाद का रूप ले चुकी है। इस पूरे मामले पर कांग्रेस नेता Rahul Gandhi ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी पर सीधा हमला बोला है।

राहुल गांधी का करारा बयान:

राहुल गांधी ने कहा, 'नारी वंदन का मुखौटा उतर चुका है। क्या यही है बीजेपी का नारी वंदन? क्या इसी तरह महिलाओं का सशक्तिकरण किया जाएगा? 'उन्होंने आगे आरोप लगाया कि, 'प्रधानमंत्री पहले ही कांग्रेस की महिला सांसदों के सवालों से डरकर संसद छोड़ चुके हैं। महिला विरोधी बीजेपी को यह याद रखना चाहिए कि गुजरात सहित देश की महिलाएं हर अपमान का जवाब देंगी। '

सियासत में गरमाया 'महिला सम्मान' का मुद्दा:

इस बयान के बाद महिला सम्मान और राजनीतिक मर्यादा को लेकर बहस तेज हो गई है। विपक्ष बीजेपी पर महिलाओं के प्रति असंवेदनशील रवैये का आरोप लगा रहा है, वहीं बीजेपी की ओर से इस विवाद पर जवाबी हमला भी तेज हो सकता है।

गुजरात से राष्ट्रीय मंच तक गूंज:

एक स्थानीय टिप्पणी से शुरू हुआ यह विवाद अब राष्ट्रीय राजनीति का मुद्दा बन चुका है। आने वाले समय में यह मामला और तूल पकड़ सकता है, खासकर तब जब महिला सशक्तिकरण जैसे संवेदनशील विषय पर राजनीतिक दल आमने-सामने आ गए हैं।

समापन: राजनीति में बयानबाजी नई नहीं है, लेकिन जब मुद्दा महिलाओं के सम्मान का हो, तो हर शब्द की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। अब देखना यह है कि यह विवाद सिर्फ बयान तक सीमित रहता है या फिर बड़े राजनीतिक संघर्ष का रूप लेता है।

धर्म शासित ईरान की सामरिक-आक्रामक तैयारी व बढ़ती सैन्य क्षमता गैर इस्लामिक देशों के लिए नसीहत है, कैसे?

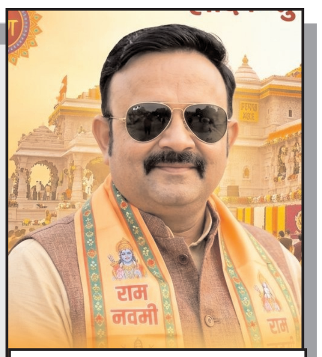

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

मिसाइल, ड्रोन और प्रॉक्सी का संयुक्त मॉडल ही ईरानी सफलता का सूत्र है, क्योंकि ईरान ने केवल अपनी सेना पर निर्भर रहने के बजाय क्षेत्रीय नेटवर्क तैयार किया–हिजबुल्लाह, हूती और अन्य सहयोगी समूहों के माध्यम से उसने बहु-स्तरीय दबाव बनाया। यह “Hybrid Warfare” का आधुनिक मॉडल है।

भारत के निकटम पड़ोसी देश ईरान की सामरिक और आक्रामक तैयारी पूरी भारत-इजरायल समेत पूरी दुनिया के लिए नसीहत बन गई है, क्योंकि उसने सीमित संसाधनों और भारी पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद 'असममित युद्ध' (Asymmetric Warfare) की ऐसी क्षमता विकसित कर ली, जिसने अमेरिका, इजराइल और पश्चिमी सैन्य गठबंधनों को भी नई रणनीति बनाने और उससे आगे की सोचने पर मजबूर कर दिया है। यदि समय रहते इसकी काट विकसित नहीं की गई, तो अरब देशों पर अमेरिका के बाद चीन की पकड़ मजबूत होगी, क्योंकि उसके साथ ईरान का सहयोगी रूस भी खड़ा है।

वहीं, इस्लामिक मुल्क के नाम पर मुस्लिम देशों का अंदरूनी झुकाव भी उसकी ओर है, जिससे रूसी मित्रता और चीनी छल की चक्की में भारत के पिसने के आसार प्रबल हैं। अनुभव बताता है कि ईरान अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान और अफगानिस्तान पर ज्यादा भरोसा करता है और इस्लामिक नाटो का पक्षधर भी है, इसलिए ईरान के मामले में भारत की जरा सी रणनीतिक लापरवाही उसे चीनी चक्रब्यूह में घिरे अभिमन्यु वाली कर देगी, क्योंकि भारत की हिन्दू विरोधी मुस्लिम राजनीति के आर्थिक स्त्रोत भी इस्लामिक मुल्कों से ही जुड़े बताए जाते हैं।

पहले ईरान से भारत-इजरायल समेत शेष दुनिया को मिलने वाली प्रमुख सामरिक सीखें निम्नलिखित हैं–

पहला, आत्मनिर्भर सैन्य उत्पादन सबसे बड़ी ताकत है क्योंकि ईरान ने दशकों के प्रतिबंधों के बावजूद अपने मिसाइल, ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तंत्र को घरेलू स्तर पर विकसित किया। आज उसके पास मध्य-पूर्व का सबसे बड़ा बैलिस्टिक मिसाइल भंडार माना जाता है। चूंकि वहां के लोग ज्यादा पढ़े लिखे होते हैं और ईरान ने लोकतंत्र की बजाय समानांतर कट्टर धार्मिक तंत्र विकसित कर लिया, जिससे भारत को अवश्य सीखने की जरूरत है। क्योंकि ईरान की इस नीति का संदेश स्पष्ट है- 'जो देश रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर होगा, वही लंबे संघर्ष में टिकेगा।'

दूसरा, ड्रोन युद्ध ने युद्ध की परिभाषा ही बदल दी है, क्योंकि ईरान ने कम लागत वाले ड्रोन को 'रणनीतिक हथियार' बना दिया। उसने दिखाया कि हजारों करोड़ की एयर डिफेंस प्रणाली को सस्ते ड्रोन झुंड (swarm) से भी चुनौती दी जा सकती है। इसलिए आज अमेरिका तक स्वीकार कर रहा है कि महंगे इंटरसेप्टर मिसाइलों के मुकाबले सस्ते ड्रोन “Cost Imbalance” पैदा कर रहे हैं।

तीसरा, युद्ध केवल हथियार नहीं, 'धैर्य' से जीता जाता है, यही बात ईरान ने दुनिया को सिखलाया है। जिस तरह से उसने अमेरिका-इजरायल के यौद्धिक गुरूर को तोड़ा है, वह शोध का विषय है, क्योंकि रूस-चीन के नैतिक मदद से उसने यह सफलता हासिल की है। ईरान ने प्रत्यक्ष युद्ध से अधिक 'लंबी थकाऊ लड़ाई' (War of Attrition) की रणनीति

अपनाई। उसका उद्देश्य तत्काल जीत नहीं, बल्कि विरोधी की आर्थिक, सैन्य और मनोवैज्ञानिक क्षमता को थकाना रहा। यह आधुनिक युद्ध की नई वास्तविकता है–

'हर युद्ध Blitzkrieg नहीं होता; कई युद्ध विरोधी को थकाकर जीते जाते हैं।'

चौथा, कमांड सिस्टम का बैकअप अत्यंत जरूरी होता है, ताकि भारी हमलों और शीर्ष कमांडरों के मारे जाने के बावजूद ईरान का सैन्य कमांड ढांचा पूरी तरह ध्वस्त नहीं हुआ। उसने पहले से वैकल्पिक नेतृत्व और विकेंद्रीकृत कमांड संरचना तैयार कर रखी थी। यह हर राष्ट्र के लिए बड़ा संदेश है कि–'युद्ध में नेतृत्व का विकल्प पहले से तैयार होना चाहिए।'

पांचवां, मिसाइल, ड्रोन और प्रॉक्सी का संयुक्त मॉडल ही ईरानी सफलता का सूत्र है, क्योंकि ईरान ने केवल अपनी सेना पर निर्भर रहने के बजाय क्षेत्रीय नेटवर्क तैयार किया–हिजबुल्लाह, हूती और अन्य सहयोगी समूहों के माध्यम से उसने बहु-स्तरीय दबाव बनाया। यह “Hybrid Warfare” का आधुनिक मॉडल है।

छठा, समुद्री मार्गों पर नियंत्रण की शक्ति विकसित करके आक्रमणकारियों को तोड़ना ईरानी दूरदर्शिता का ही तकाजा है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का प्रभाव पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा को प्रभावित करता है। इसी कारण अमेरिका और पश्चिम लगातार उस क्षेत्र में सैन्य उपस्थिति बढ़ाते रहे हैं। इससे यह सिद्ध होता है–'भूगोल भी उतना ही बड़ा हथियार है जितना मिसाइल।'

सातवां, तकनीकी युद्ध में सस्ता हथियार भी निर्णायक होता है, यह ईरान ने साबित कर दिया है। ईरान ने दिखाया कि हर युद्ध अत्याधुनिक स्टील्थ फाइटर से नहीं जीता जाता। कभी-कभी सस्ती, तेज और बड़ी संख्या में उपलब्ध तकनीक अधिक प्रभावी होती है।

निष्कर्षतः ईरान की तैयारी गैर इस्लामिक दुनिया को यह सिखाती है कि आधुनिक युद्ध केवल परमाणु बम या महंगे लड़ाकू विमानों से नहीं लड़े जाते। आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन, ड्रोन तकनीक, मिसाइल क्षमता, साइबर-रणनीति, वैकल्पिक नेतृत्व और मनोवैज्ञानिक युद्ध–ये सब मिलकर किसी राष्ट्र को सामरिक शक्ति बनाते हैं। इसीलिए आज अमेरिका, इजराइल, रूस, चीन और भारत समेत दुनिया की बड़ी सैन्य शक्तियां भी 'ईरानी मॉडल' का गंभीर अध्ययन कर रही हैं।

एक बात और, ईरान के सामरिक मॉडल से भारत के लिए सबसे बड़ा सबक यह है कि केवल पारंपरिक सैन्य शक्ति पर्याप्त नहीं होती; दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए 'बहुस्तरीय राष्ट्रीय प्रतिरोध क्षमता' विकसित करनी पड़ती है। विशेषकर तब, जब भारत को दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद, कट्टरपंथ और चीन-पाकिस्तान जैसे सामरिक गठबंधनों का सामना करना पड़ रहा हो।

हालांकि यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि 'इस्लामिक देश' एक समान इकाई नहीं हैं। भारत के कई इस्लामी देशों–जैसे संयुक्त अरब अमीरात (UAE), सऊदी अरब, इंडोनेशिया और कतर–से मजबूत रणनीतिक और आर्थिक संबंध हैं। भारत की मुख्य सुरक्षा चुनौती कुछ कट्टरपंथी नेटवर्क, आतंकवादी संरचनाओं और शत्रुतापूर्ण राज्य-नीतियों से रही है, न कि सम्पूर्ण इस्लामी विश्व से।

भारत के लिए प्रमुख सबक इस प्रकार हैं–

पहला, आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन ही निर्णायक सुरक्षाः ईरान ने प्रतिबंधों के बावजूद अपने ड्रोन, मिसाइल और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तंत्र विकसित किए। भारत के लिए इसका अर्थ है कि विदेशी हथियारों पर अत्यधिक निर्भरता घटानी होगी। 'आत्मनिर्भर भारत' को केवल नारा नहीं, बल्कि युद्धकालीन औद्योगिक क्षमता बनाना होगा।

दूसरा, सस्ते ड्रोन बनाम महंगी सुरक्षाः ईरान ने दिखाया कि कम लागत वाले ड्रोन भी महंगी एयर डिफेंस प्रणाली को चुनौती दे सकते हैं। भारत को सीमा सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी अभियानों और समुद्री निगरानी के लिए बड़े पैमाने पर स्वदेशी ड्रोन नेटवर्क बनाना होगा।

तीसरा, 'मोजेक डिफेंस' मॉडलः ईरान की विकेंद्रीकृत सैन्य संरचना–जहां शीर्ष नेतृत्व पर हमला होने के बाद भी स्थानीय इकाइयाँ लड़ती रहती हैं–भारत के लिए महत्वपूर्ण संकेत है। भारत को भी साइबर, सीमा, वायु और समुद्री मोर्चों पर ऐसी बहुस्तरीय कमांड संरचना विकसित करनी होगी जो अचानक हमले में भी सक्रिय रहे।

चौथा, केवल सीमा नहीं, 'मनोवैज्ञानिक युद्ध' भीः आधुनिक संघर्ष अब केवल बंदूक और मिसाइल का नहीं, बल्कि सूचना और नैरेटिव का भी है। भारत को फेक न्यूज, साइबर-प्रोपेगेंडा और धार्मिक कट्टरता आधारित डिजिटल अभियानों से निपटने के लिए राष्ट्रीय सूचना सुरक्षा ढांचा मजबूत करना होगा।

पांचवां, लंबी लड़ाई की तैयारीः ईरान ने दिखाया कि “War of Attrition” यानी विरोधी को धीरे-धीरे थकाना भी रणनीति हो सकती है। भारत को सीमित अवधि के युद्ध की सोच से आगे जाकर लंबे संघर्ष, आपूर्ति श्रृंखला और गोला-बारूद भंडारण की तैयारी करनी होगी।

छठा, ऊर्जा सुरक्षा भी राष्ट्रीय सुरक्षा हैः यदि पश्चिम एशिया में बड़ा युद्ध होता है, तो भारत की तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इसलिए सामरिक तेल भंडार, वैकल्पिक ऊर्जा और समुद्री मार्ग सुरक्षा भारत के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

सातवां, 'संयुक्त युद्ध' की तैयारीः आज युद्ध भूमि, समुद्र और आकाश तक सीमित नहीं है; साइबर, स्पेस और इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र भी युद्धक्षेत्र बन चुके हैं। भारत को थिएटर कमांड, AI आधारित निगरानी और संयुक्त सैन्य संचालन को तेज करना होगा।

आठवां, राष्ट्रीय एकता सबसे बड़ी सुरक्षाः ईरान के उदाहरण से यह भी स्पष्ट हुआ कि बाहरी दबाव के समय आंतरिक सामाजिक एकता निर्णायक होती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण राष्ट्र में सांप्रदायिक विभाजन, राजनीतिक ध्रुवीकरण और सामाजिक अविश्वास राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर कर सकते हैं।

निष्कर्षतया यह कहा जा सकता है कि भारत के लिए सबसे बड़ा सबक यह है कि भविष्य का युद्ध केवल सेना नहीं, बल्कि पूरा राष्ट्र लड़ता है–तकनीक, अर्थव्यवस्था, साइबर क्षमता, ऊर्जा सुरक्षा, सामाजिक एकता और मनोवैज्ञानिक दृढ़ता–सब मिलकर राष्ट्रीय शक्ति बनाते हैं। ईरान ने दुनिया को यह दिखाया कि सीमित संसाधनों वाला राष्ट्र भी यदि आत्मनिर्भर, संगठित और रणनीतिक रूप से धैर्यवान हो, तो वह कहीं बड़ी शक्तियों को भी लंबे समय तक चुनौती दे सकता है।

संपादकीय

शोर का न ओर-छोर

यूं तो हाल के वर्षों में आम भारतीय की अभिव्यक्ति में तल्खी व शोर का ग्राफ तेज हुआ है। अभिव्यक्ति का मुखर होना अच्छा है लेकिन उसका तल्ख होना, किसी की भी सेहत के लिए अच्छा नहीं है। वैसे हमारे परिवेश में लगातार बढ़ता शोर झेलना हमारी नियति हो चला है। सड़कों पर वाहनों के शोर, नये दौर के कर्कश संगीत से लेकर राजनीतिक विमर्श में होने वाले शोरगुल वाले संवाद से लेकर तमाम ऐसा कुछ घट रहा है, जो हमारी परेशानी का सबब बन रहा है। यूं तो कोई प्रमाणिक राष्ट्रव्यापी वैज्ञानिक शोध व्यापक रूप में हमारे सामने तो नहीं आए हैं जो ठीक-ठीक बताएं कि ध्वनि प्रदूषण हमारी सेहत पर कितना घातक असर डाल रहा है। लेकिन गाहे-बगाहे सामने आए आंकड़े इस बात की पुष्टि जरूर करते हैं कि लगातार बढ़ता शोर हमारी सेहत बिगाड़ रहा है। लेकिन इसके बावजूद इसे रोकने के लिए उचित निगरानी, समयबद्ध कार्रवाई और दंड के प्रावधान लागू होते नजर नहीं आते हैं। लेकिन विभिन्न अध्ययनों के निष्कर्ष बता रहे हैं देश के महानगरों से लेकर कस्बों तक हमारे परिवेश का शोर तय मानकों से कहीं अधिक है। जाहिरा तौर ये शोर हमारी सेहत को गहरे तक प्रभावित कर रहा है। जिससे न केवल हमारी श्रवण शक्ति कमजोर हो रही है बल्कि नींद में कमी, मानसिक तनाव, उच्च रक्तचाप के अलावा हृदय रोग तक का खतरा बढ़ रहा है। लेकिन इस दिशा में कागजों में तो लुभावनी योजनाएं तो बनायी जाती हैं लेकिन जमीनी हकीकत बदलती नजर नहीं आती। यह सुखद है कि पिछले दिनों देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस दिशा में नई पहल शुरू की गई है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया आरंभ की है। दावा किया जा रहा है कि प्रदूषण के स्त्रोतों की कायदे से निगरानी होगी। इसके अलावा समयबद्ध ढंग से कार्रवाई होगी। साथ ही जुमार्ना भी अनिवार्य रूप से वसूला जाएगा। ये तो आने वाला वक्त बताएगा कि अच्छी योजना कितनी जमीनी हकीकत बनती है। लेकिन सवाल यह है कि जब देश में पहले से शोर नियंत्रण के कानून मौजूद हैं और हमारी अदालतें भी समय-समय पर हमारे नीति नियंताओं को आगाह करती ही रहती हैं, तो फिर सूरत क्यों नहीं बदलती। आखिर इन नियम-कानूनों के क्रियान्वयन में कहां खोट रह जाता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि ध्वनि प्रदूषण विनियमन और नियंत्रण नियम, 2000 के तहत ध्वनि विस्तारक यंत्रों, निर्माण कार्यों और उद्योगों में इस्तेमाल की जाने वाली मशीनों, वाहनों के हार्न आदि अन्य स्त्रोतों को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया था। ताकि लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा हो पाए। उल्लेखनीय है कि ये प्रावधान दिन व रात के लिये अलग-अलग हैं।

चिंतन-मनन

राजा की उदारता

राजा भोज के नगर में एक विद्वान ब्राह्मण रहते थे। एक दिन गरीबी से परेशान होकर उन्होंने राजभवन में चोरी करने का निश्चय किया। रात में वे वहां पहुंचे। सभी लोग सो रहे थे। सिपाहियों की नजरों से बचते हुए वह राजा के कक्ष तक पहुंच गए। स्वर्ण, रत्न, बहुमूल्य पात्र इधर-उधर पड़े थे। किंतु वे जो भी वस्तु उठाने का विचार करते, उनका शास्त्र ज्ञान उन्हें रोक देता। ब्राह्मण ने जैसे ही स्वर्ण राशि उठाने का विचार किया, मन में स्थित शास्त्र ने कहा- स्वर्ण चोर नर्पगामी होता है। जो भी वे लेना चाहते, उसी की चोरी को पाप बताने वाले वाक्य उनकी स्मृति में जाग उठते। रात बीत गई पर वे चोरी नहीं कर पाए। सुबह पकड़े जाने के भय से ब्राह्मण राजा के पलंग के नीचे छिप गए। महाराज के जागने पर रानियां व दासियां उनके अभिवादन हेतु प्रस्तुत हुईं। राजा भोज के मुंह से किसी श्लोक की तीन पंक्तियां निकली। फिर अचानक वे रुक गए। शायद चौथी पंक्ति उन्हें याद नहीं आ रही थी। विद्वान ब्राह्मण से रहा नहीं गया। चौथी पंक्ति उन्होंने पूर्ण की।

महाराज चौंके और ब्राह्मण को बाहर निकलने को कहा। जब ब्राह्मण से भोज ने चोरी न करने का कारण पूछा तो वे बोले- राजन्, मेरा शाछ्रा ज्ञान मुझे रोकता रहा। उसी ने मेरी धर्म रक्षा की। राजा बोले- सत्य है कि ज्ञान उचित-अनुचित का बोध कराता है, जिसका धर्म संकट के क्षणों में उपयोग कर उचित राह पाई जा सकती है। राजा ने ब्राह्मण को प्रचुर धन देकर सदा के लिए उनकी निर्धनता दूर की दी।

स्वतंत्र मीडिया लोकतंत्र की सेहत का आईना

सौरभ वार्ष्णेय

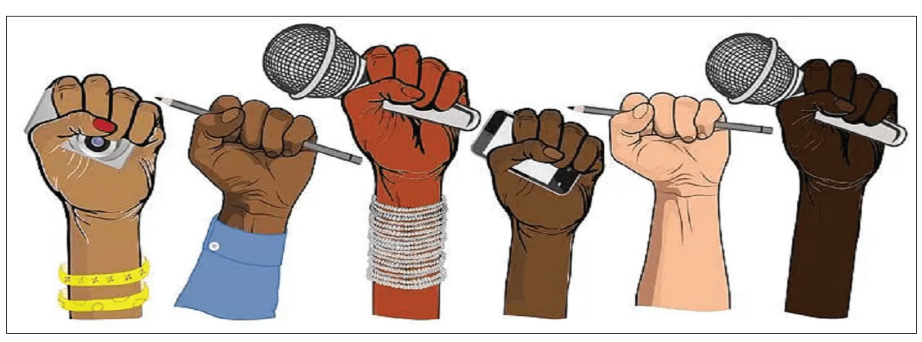

प्रत्येक वर्ष 3 मई को पूरे विश्व में प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि लोकतंत्र की सेहत का आईना है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक मीडिया किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। प्रेस की आजादी सिर्फ पत्रकारों का अधिकार नहीं, बल्कि नागरिकों के जानने के अधिकार का विस्तार है। वहीं रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स द्वारा जारी 2026 विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत 180 देशों में 157 वें स्थान पर है। पिछले वर्ष (2025) के 151वें स्थान की तुलना में यह छह पायदान की गिरावट है। भारत में पत्रकारों के खिलाफ हिंसा, मीडिया के केंद्रीकृत स्वामित्व और राजनीतिक दबाव के कारण यह रैंकिंग बेहद गंभीर श्रेणी में है।

आज जब दुनिया तेजी से डिजिटल होती जा रही है, सूचना का प्रवाह पहले से कहीं अधिक तेज और व्यापक हो गया है। लेकिन इसी के साथ प्रेस की स्वतंत्रता पर नए प्रकार के खतरे भी मंडरा रहे हैं। फेक न्यूज, ट्रोल संस्कृति, सत्ता का दबाव, कॉरपोरेट हितों का प्रभाव और पत्रकारों की सुरक्षा जैसे मुद्दे गंभीर चुनौती बनकर उभरे हैं। कई देशों में पत्रकारों को सच्चाई उजागर करने की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ती है–यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए चिंताजनक है।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यहां प्रेस न केवल सत्ता की निगरानी करता है, बल्कि समाज के हाशिए पर खड़े लोगों की आवाज भी बनता है। हालांकि, हाल के वर्षों में यह बहस तेज हुई है कि क्या मीडिया अपनी स्वतंत्रता और निष्पक्षता को बनाए रखने में पूरी तरह सफल है? गोडी मीडिया जैसे शब्दों का प्रचलन इस चिंता को दशार्ता है कि कहीं न कहीं मीडिया का एक वर्ग सत्ता के अधिक निकट जाता दिख रहा है।

प्रेस की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि वह बिना जिम्मेदारी के कार्य करे। स्वतंत्रता के साथ जवाबदेही भी जुड़ी होती है। पत्रकारिता का मूल धर्म सत्य की खोज, तथ्यों की पुष्टि और निष्पक्ष प्रस्तुति है। जब मीडिया सनसनीखेजता या पक्षपात की ओर झुकता है, तो वह अपने ही अस्तित्व को कमजोर करता है।

इस अवसर पर सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे पत्रकारों को सुरक्षित और स्वतंत्र वातावरण प्रदान करें, जहां वे बिना भय के अपना कार्य कर सकें। वहीं, मीडिया संस्थानों को भी आत्ममंथन करना होगा कि वे व्यावसायिक दबावों से ऊपर उठकर जनहित को प्राथमिकता दें। लोकतंत्र को जीवित रखना है, तो उसकी आवाज को स्वतंत्र रखना ही होगा। यह केवल एक विचार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल सिद्धांत है। लोकतंत्र किसी भवन की तरह है, जिसकी नींव जनता की भागीदारी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर टिकी होती है। यदि इस अभिव्यक्ति पर अंकुश लगाया जाए, तो लोकतंत्र का ढांचा धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है। स्वतंत्र आवाज केवल मीडिया तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक के विचार, प्रश्न और असहमति को व्यक्त करने के अधिकार का प्रतीक है। जब नागरिक बिना भय के अपनी बात कह पाते हैं, तभी सरकारें जवाबदेह बनती हैं और नीतियों में पारदर्शिता आती है। इसके विपरीत, जब आवाजों को दबाया जाता है, तो सत्ता निरंकुशता की ओर बढ? लगती है।आज के समय में यह चुनौती और भी जटिल हो गई है। एक ओर डिजिटल प्लेटफॉर्म ने अभिव्यक्ति के नए अवसर दिए हैं, वहीं दूसरी ओर दुष्प्रचार, ट्रोलिंग और सेंसरशिप जैसी प्रवृत्तियां भी सामने आई हैं। ऐसे में संतुलन बनाना आवश्यक है–जहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनी रहे, वहीं जिम्मेदारी और सत्यनिष्ठा भी सुनिश्चित हो।लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता; यह निरंतर संवाद, आलोचना और विचार-विमर्श की प्रक्रिया है। इसलिए जरूरी है कि हम न केवल अपनी आवाज को स्वतंत्र रखें, बल्कि दूसरों की आवाज को सुनने और सम्मान देने की संस्कृति भी विकसित करें। लोकतंत्र की मजबूती इस बात पर निर्भर करती है कि उसकी आवाज कितनी स्वतंत्र, निष्पक्ष और सशक्त है। यदि यह आवाज जीवित और निर्भीक है, तो लोकतंत्र भी जीवित और सशक्त रहेगा।

प्रेस की स्वतंत्रता केवल कानूनों से नहीं, बल्कि समाज की जागरूकता और समर्थन से भी सुरक्षित रहती है। जब नागरिक सच को महत्व देंगे और निष्पक्ष पत्रकारिता का साथ देंगे, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस हमें यही संदेश देता है–अगर लोकतंत्र को जीवित रखना है, तो उसकी आवाज को स्वतंत्र रखना ही होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है। यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अर्बन हीट आइलैंड का असरः क्यों तप रहे हैं भारत के शहर

सुनील कुमार महला

भारतः100 में 95 शहर सबसे गर्म...

ग्लोबल वार्मिंग आज पूरी दुनिया के सामने एक गंभीर समस्या के रूप में उभर रही है और इसका प्रभाव भारत में बेहद स्पष्ट और चिंताजनक रूप से दिखाई दे रहा है। हाल ही में जारी रियल-टाइम वैश्विक तापमान रैंकिंग के अनुसार, दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में से 95 शहर अकेले भारत के हैं, जबकि टॉप-20 सबसे गर्म शहरों में 19 भारत के ही शामिल हैं। यह स्थिति बताती है कि देश इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अप्रैल माह में ही देश के कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है और मध्य भारत से लेकर गंगा के मैदानी क्षेत्रों तक अनेक शहरों में लू का प्रकोप देखने को मिल रहा है। कई स्थानों पर तापमान 45त्उ के करीब दर्ज किया गया है। इस सूची में केवल बड़े महानगर ही नहीं, बल्कि छोटे कस्बे भी शामिल हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि गर्मी का प्रभाव व्यापक और गहराई तक फैल चुका है। महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्य सबसे अधिक प्रभावित हैं, जहां के कई शहर वैश्विक सूची में प्रमुखता से दर्ज हैं। मौसम संबंधी रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत का लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा इस समय हाई हीट रिस्क जोन में है, जबकि सामान्यतः अफ्रीका और अरब देशों को दुनिया का सबसे गर्म क्षेत्र माना जाता था, लेकिन अब भारत के शहर उन्हें भी पीछे छोड़ते नजर आ रहे हैं।

वास्तव में आज के समय में भारत के शहर तेजी से अर्बन हीट आइलैंड में बदलते जा रहे हैं, जहां कंक्रीट, डामर और कांच से बनी इमारतें दिनभर गर्मी को सोखती हैं और रात में धीरे-धीरे छोड़ती हैं, जिससे तापमान कम नहीं हो पाता। मुंबई, दिल्ली, गुरुग्राम, लखनऊ, कानपुर, बेंगलुरु, कटक, जयपुर और भोपाल जैसे शहर इस प्रभाव की चपेट में तेजी से आ रहे हैं। मकानों की सीमेंट की छतें और घनी बस्तियां भी गर्मी को बढ़ाने में योगदान दे रही हैं। एक उपलब्ध आंकड़े के अनुसार, पिछले एक दशक में वार्म नाइट्स यानी गर्म रातों में 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2025 में ही फरवरी के अंत तक रात के तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। वर्तमान स्थिति यह है कि देश के 266 जिले अत्यंत गंभीर गर्मी की श्रेणी में, 151 जिले गंभीर श्रेणी में और 201 जिले मध्यम श्रेणी में आ चुके हैं, जो स्थिति की भयावहता को दशार्ता है।

यदि कारणों की बात करें तो भारत में ग्लोबल वार्मिंग केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि मानवीय गतिविधियों का परिणाम है। इसके प्रमुख कारणों में कोयला, पेट्रोल और डीजल जैसे जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, तेजी से बढ़ता शहरीकरण और कंक्रीट का विस्तार, वनों की अंधाधुंध कटाई, बढ़ता औद्योगीकरण और प्रदूषण, परिवहन क्षेत्र का तेजी से विस्तार, विलासितापूर्ण जीवनशैली, कृषि गतिविधियों से उत्सर्जन, कचरा और प्लास्टिक प्रबंधन की समस्या तथा तेजी से बढ़ती जनसंख्या शामिल हैं। स्पष्ट है कि ये सभी कारक मिलकर तापमान वृद्धि को और तेज कर रहे हैं।

हाल फिलहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव आज पूरी दुनिया में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। इसके कारण पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे भीषण गर्मी, अनियमित वर्षा और सूखा जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं। हिमनद तेजी से पिघल रहे हैं, जिसके कारण समुद्र स्तर बढ़ रहा है और तटीय क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा, जैव विविधता पर भी गंभीर असर पड़ रहा है, कई प्रजातियाँ विलुप्त होने के कगार पर हैं। मानव स्वास्थ्य, कृषि उत्पादन और जल संसाधनों पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, जिससे यह एक वैश्विक संकट बन चुका है।

अंततः, यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। इस समस्या को कम करने के लिए सौर और पवन ऊर्जा जैसे स्वच्छ स्त्रोतों को अपनाना, वृक्षारोपण को बढ़ावा देना, वनों की कटाई रोकना, निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन या साइकिल का उपयोग करना, बिजली और पानी की बचत करना, प्लास्टिक का सीमित उपयोग करना और कचरे का सही प्रबंधन करना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही, पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी उतना ही जरूरी है। सामूहिक प्रयासों से ही इस बढ़ती हुई चुनौती का समाधान संभव है और भविष्य को सुरक्षित बनाया जा सकता है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (रविवार)
03 मई 2026

खटीक समाज का सामाजिक संदेश: 51 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। सकल पंच खटीक समाज द्वारा आयोजित द्वितीय निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन पीपल पूर्णिमा के पावन अवसर पर गांधी पार्क, टोंक में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस आयोजन में 51 जोड़े हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार परिणय सूत्र में बंधे। विवाह संस्कार पंडित पवनसागर द्वारा विधि-विधान से सम्पन्न कराए गए।कार्यक्रम की शुरुआत किदवई पार्क से भव्य वर-वधु निकासी और कलश यात्रा के साथ हुई। हाथी-घोड़ों के लवाजमे और बैंड-बाजों की मधुर धुनों के बीच यह यात्रा शहर के मुख्य बाजारों से गुजरते हुए गांधी पार्क पहुंची। रास्ते में जगह-जगह नागरिकों ने बारात का स्वागत किया, वहीं सुभाष चौक के पास रोटरी क्लब द्वारा पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया गया।आशीर्वाद समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता ने नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन समाज में समानता का संदेश देता है और गरीब-अमीर के भेदभाव को समाप्त करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज के महंगाई भरे दौर में ऐसे आयोजन समय की आवश्यकता बन चुके हैं। साथ ही उन्होंने खटीक समाज द्वारा बाबा साहेब के सपनों को साकार करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।समारोह की अध्यक्षता पंडित राजकुमार शर्मा ने की। उन्होंने इसे सेवा भाव का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि जहां सेवा होती है, वहां भगवान का वास होता है। उन्होंने सफल आयोजन के लिए समाज के सभी सदस्यों को बधाई दी।इस अवसर पर समिति अध्यक्ष गुड्डू खटीक, रमेश राजोरा, सूरज चौहान, प्रभाती चंदेल, कमलेश चौहान, राजेंद्र चावला, मोतीलाल पहाड़िया, विनोद सांखला, डीसी महिंद्रा, विजय चावला, विष्णु चावला, सुमित चावला

दिल्ली में जनगणना-2027 की शुरुआत, सीएम रेखा गुप्ता-उपराज्यपाल ने की स्व-गणनां रजिस्ट्रेशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में जनगणना-2027 के तहत शुक्रवार को स्व-गणना शुरू हो गई और उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू तथा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित कई लोगों ने पहले ही दिन यह प्रक्रिया पूरी कर ली। संधू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह प्रक्रिया दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के सभी वार्डों में आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है और उन्होंने निवासियों से स्व-गणना प्रक्रिया में भाग लेने और जनगणना का समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने पोस्ट में कहा, 'आपकी भागीदारी हमारे शहर और राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।' उपराज्यपाल ने कहा कि विश्वसनीय डेटा समावेशी शासन और एक मजबूत, विकसित राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण है। ऑनलाइन स्व-गणना पूरी करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रक्रिया सरल और पूरी तरह सुरक्षित है। उन्होंने दिल्लीवासियों से स्व-गणना में भाग लेने का आग्रह किया और बताया कि सही जानकारी और आंकड़े जरूरतमंदों को लाभ पहुंचाने वाली सही नीतियों के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करते हैं। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) और दिल्ली कैंट क्षेत्रों में स्व-गणना का कार्य पहले ही पूरा हो चुका है। इन क्षेत्रों में जनगणना कर्मियों द्वारा घर-घर जाकर घरों की सूची बनाना और आवास संबंधी कार्य जारी हैं। अधिकारियों ने बताया कि एमसीडी वार्डों के सभी निवासी, चाहे वे कहीं के भी मूल निवासी हों, जनगणना पोर्टल पर 'लॉग-इन' कर स्वैच्छिक स्व-गणना में भाग ले सकते हैं। प्रत्येक परिवार के लिए केवल एक लॉग-इन की आवश्यकता होगी

खाकी हुई शर्मसार! दिल्ली पुलिस का कांस्टेबल निकला 50 लाख की लूट का मास्टरमाइंड, राजस्थान से गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली. दिल्ली में 50 लाख रुपये की लूट मामले में पुलिस कांस्टेबल समय सिंह मीणा गिरफ्तार हुआ है। आजाद मार्केट अंडरपास के पास वारदात को अंजाम दिया गया था। आरोपी पहले से आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। राजस्थान से गिरफ्तारी हुई। मामले में अन्य आरोपियों को पहले पकड़ा जा चुका है, जबकि बाकी रकम की तलाश जारी है।। दिल्ली पुलिस ने एक बार फिर खाकी को शर्मसार किया है। पुलिस विभाग में तैनात एक कॉन्स्टेबल पर 50 लाख रुपये की लूट का आरोप है। जानकारी के अनुसार, आरोपी समय सिंह मीणा, दिल्ली पुलिस की 5वीं बटालियन में तैनात था। उस पर पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, इसके बावजूद आला अधिकारियों की निष्क्रियता ने एक बार फिर पूरे विभाग पर सवाल खड़े किए हैं।दिल्ली के आजाद मार्केट अंडरपास के पास पिछले महीने 50 लाख रुपये की लूट में संलिप्तता के आरोप में दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल समय सिंह मीणा को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उस पर 31 मार्च को लूट की वारदात को अंजाम देने के लिए अपने साथियों के साथ मिलकर साजिश रचने का आरोप है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, यह घटना तब हुई जब चार लोगों ने आजाद मार्केट अंडरपास के पास एक चलते ऑटो-रिक्शा को रोका और करीब 50 लाख रुपये की नकदी लूट कर फरार हो गए। मामला दर्ज कर तुरंत जांच शुरू की गई।

अन्य आरोपी पहले ही हो चुके हैं गिरफ्तारदिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'मामले में शामिल कई आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था। जांच के दौरान कांस्टेबल की भूमिका सामने आई।' उन्होंने बताया कि सिंह घटना के बाद से ही फरार था

गुरुग्राम से आए OTT कंपनी के अफसर की Agra के फाइव स्टार होटल में मौत, महिला सहकर्मी के कमरे में बिगड़ी तबीयत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा । 48 साल के अशोक यादव एक पुरुष और महिला सहकर्मी के साथ ओटीटी नेटवर्क की चोरी की शिकायत करने आगरा आए थे।गुरुग्राम से आगरा आए ओटीटी कंपनी के अधिकारी की फाइव स्टार होटल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह ताजमहल के पास शिल्पग्राम रोड़ होटल ताज कंवेंशन में ठहरे थे। अपने दो सहकर्मियों के साथ ओटीटी चोरी के मामले की शिकायत करने आगरा आए थे। शुक्रवार शाम उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। पुलिस ने उनके शव को पोस्टमार्टम गृह भेजा है। 48 वर्षीय अशोक यादव शुक्रवार को आगरा की फाइव स्टार होटल ताज कंवेंशन में ठहरे थे। उनके साथ एक महिला और एक पुरुष दो अन्य सहकर्मी थी साथ आए थे। तीनों ने होटल में अलग-अलग कमरे बुक कराए थे। थाना ताजगंज पुलिस ने बताया कि होटल में पर्यटक की तबीयत खराब होने की सूचना मिली थी। होटल कर्मचारी उन्हें एक निजी अस्पताल में लेकर गए थे जहां से उन्हें एसएन मेडिकल कॉलेज में रेफर किया गया। चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अशोक यादव के घरवालों को सूचना दे दी गई है। उनकी मंजूरी पर शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। शरीर पर किसी

भी प्रकार की चोट के निशान नहीं है। **एसीपी ताजगंज मयंक तिवारी**

महिला सहकर्मी के कमरे में बिगड़ी तबीयत

पुलिस पूछताछ में पता चला कि अशोक यादव शाम करीब 7 बजे महिला सहकर्मी के कमरे में गए थे। जहां उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। इसकी जानकारी महिला ने होटल कर्मचारियों को दी और दूसरे सहकर्मी को बुलाया। आनन-फानन अशोक यादव को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में भेजा गया था।

पुलिस ने सहकर्मियों को होटल में रोका

एसीपी मयंक तिवारी ने बताया कि अशोक यादव ओटीटी नेटवर्क की चोरी की शिकायत करने के लिए आगरा आए थे। वह फिरोजाबाद भी गए थे। पुलिस ने दोनों सहकर्मियों को आगरा ना छोड़ने की हिदायत दी है। दोनों को होटल में रोका गया है। उनके पूछताछ की जा रही है। इसके अलावा परिजन की तहरीर पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी योजना में बड़ा फर्जीवाड़ा ACB की कार्रवाई में कोचिंग संस्थान के 9 संचालक गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार विरोधी शाखा (एसीबी) ने इस सप्ताह की शुरुआत में चार कोचिंग संस्थानों के नौ सह-मालिकों, निदेशकों और सहयोगियों को कथित तौर पर जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना 2018-19 के तहत सरकारी खजाने से लगभग 37.20 करोड़ रुपये की हेराफेरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह योजना दिल्ली में पूर्व आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक थी, जिसके तहत अनुसूचित जाति (स्ष्ट), अनुसूचित जनजाति (स्ज्ञ), अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (श्वङ्खस्) के मेधावी छात्रों को राष्ट्रीय पात्रता-सह-

प्रवेश परीक्षा (NEET) और संयुक्त प्रवेश परीक्षा जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त कोचिंग प्रदान की जाती थी। इस योजना के तहत उम्मीदवारों को 2,500 रुपये भी मिलते थे। इसे समाज कल्याण विभाग द्वारा 2018 में शुरू किया गया था। हाशिए पर रहने वाले छात्रों को अवसरों से वंचित करने की कोशिशः अधिकारी अधिकारियों ने कहा कि इस मामले से व्यवस्थागत खामियों और सरकारी लापरवाही का पर्दाफाश होता है, जिससे हाशिए पर रहने वाले छात्रों को मिलने वाले अवसरों से वंचित किया जा रहा है। संयुक्त पुलिस आयुक्त (एसीबी) विक्रमजीत सिंह ने कहा, 'जांच में व्यापक अनियमितताएं सामने आई, क्योंकि संस्थान निधियों के लिए अलग बैंक खाते रखने के अनिवार्य नियमों का उल्लंघन कर रहे थे।प्रतिपूर्ति के लिए प्रस्तुत छात्रों की सूचियां फर्जी थीं, जिनमें कई संस्थानों में नाम दर्ज थे - पूछताछ किए जाने पर कई छात्रों ने एकाधिक नामांकन से इनकार किया।' अन्य उल्लंघनों में छात्रों को छात्रवृत्ति का वितरण न करना, कोचिंग का काम अयोग्य स्थानीय शिक्षण केंद्रों को आउटसोर्स करना और एफआईआर दर्ज होने के बाद सबूत मिटाने के लिए छात्रवृत्ति को छात्रों के खातों में स्थानांतरित करना शामिल था।

गिरफ्तार किए गए नौ व्यक्तियों की पहचान रविंद्र सिंह जादोन, रविंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन सिविल सर्विसेज (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक, संजीव (गैर-सूचीबद्ध प्रयास इंस्टीट्यूट से, जो रविंद्र इंस्टीट्यूट के लिए काम करता था), आजाद कालेत (गैर-सूचीबद्ध तक्षशिला इंस्टीट्यूट से, जो रविंद्र इंस्टीट्यूट से भी जुड़ा था)।इसके अलावा हर्षित (गैर-सूचीबद्ध मोमेंटम नीट आईआईटी अकादमी से, जो रविंद्र इंस्टीट्यूट से जुड़ा था), नरेंद्र कुमार गुप्ता, तक्षशिला अकादमी (प्राइवेट) लिमिटेड के निदेशक, शंभू शरण, किरण इंस्टीट्यूट ऑफ करियर अचीवमेंट के मालिक, संजय कुमार और जीतेंद्र कुमार (किरण इंस्टीट्यूट ऑफ करियर अचीवमेंट से), कुंवर दिग्विजय सिंह (पहल एनजीओ से, जो किरण इंस्टीट्यूट के लिए भी काम करता था

ज्ञानवापी में 'गेरुआ' पर संग्राम, मस्जिद की दीवार पर पेंटिंग से मुस्लिम पक्ष खफा, भारी फोर्स तैनात!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाराणसी। नमाज के बाद बाहर निकले नमाजियों ने भी 'गंगा-जमुनी तहजीब' का हवाला देते हुए कहा कि पुरानी स्थिति के साथ छेड़छाड़ की जरूरत नहीं थी. फिलहाल, इलाके में स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन मामला अब भी गर्माया हुआ है.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया वाराणसी दौरे के दौरान ज्ञानवापी मस्जिद की बैरिकेडिंग से सटी दीवार पर की गई गेरुआ रंग की वारली पेंटिंग ने नया विवाद खड़ा कर दिया है. शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान विरोध की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने ज्ञानवापी और विश्वनाथ मंदिर के गेट नंबर 4 पर भारी पुलिस बल, PAC औरRRFतैनात कर दी थी. हालांकि, नमाज शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई, लेकिन मुस्लिम पक्ष ने इस पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है. दरअसल, 29 अप्रैल को पीएम मोदी के विश्वनाथ धाम आगमन के मद्देनजर, मंदिर के रास्ते और मस्जिद की बैरिकेडिंग से लगी करीब डेढ़-दो फीट ऊंची दीवार को खूबसूरती के लिए गेरुआ रंग से पेंट किया गया था और उस पर

सांस्कृतिक 'वारली' डिजाइन उकेरी गई थी. मुस्लिम समाज और मस्जिद कमेटी का दावा है कि यह दीवार वक्फ की संपत्ति है और उनकी अनुमति के बिना उनके धर्म के विरुद्ध रंग और चित्रकारी की गई है.पीएम मोदी ने अपने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन सुबह वाराणसी के विश्वनाथ धाम पहुंचकर 55 मिनट गुजारा था. जिस दौरान उन्होंने न केवल बाबा विश्वनाथ का षोडशोपचार तरीके से पूजन किया था और गेट नंबर 4 से मंदिर तक भी वे गुजरे थे. जिसके बीच में ज्ञानवापी मस्जिद भी पड़ता है. उसी मस्जिद की लगभग डेढ-दो फीट ऊंची मस्जिद की बेरिकेडिंग से लगी दीवार को भी खूबसूरती के लिए गेरूआ रंग से पेंट करके उसपर वारली डिजाइन उकेरा गया था.जैसे ही इसकी जानकारी मुस्लिम समाज को हुई वैसे ही आज जुमे की नमाज के दौरान इसपर विरोध जाहिर करने की आशंका होने लगी. फिर क्या था? भारी संख्या में पुलिस, PAC और RRF तैनात कर दी गई. काशी जोन के सभी सर्किल और थानों से भी भारी संख्या में पुलिस टीम आ गई और पुलिस लाइन से भी फोर्स बुला ली गई. लेकिन नमाज खत्म होते ही किसी ने विरोध-प्रदर्शन नहीं किया. लेकिन खास बातचीत के दौरान नमाजियों ने बताया कि जो जैसा था उसे छेड़ने की जरूरत नहीं थी. इससे गंगा-जमुनी तहजीब पर असर पड़ता है. वाराणसी के मुफ्ती-ए-बनारस मौलाना अब्दुल बातिन नोमानी ने बताया कि हमारी जमीन पर गेरूआ रंग लगाया गया और उसमें चित्र भी बनाए गए. जो हमारे लिए आपत्तिजनक है. हमने एक हफ्ते तक लगातार बड़े अधिकारियों से बात किया और हटवाने के लिए भी कहा, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई. आज दुबारा भी लिखित रूप से बड़े अधिकारी से मिलकर हटवाने के लिए कहा गया है. जिसपर आश्वासन दिया गया है. इस मामले में मंडलायुक्त से भी मुलाकात करेंगे और हटाने की भी मांग करेंगे. उन्होंने विरोध के सवाल पर बताया कि मेरी जमीन और मेरा प्लाट है और मेरी प्रापर्टी है. बगैर मस्जिद कमेटी की सहमति और इजाज़त के नया काम नहीं होना चाहिए. उन्होंने साफ किया कि तकरीर में विरोध नहीं, लेकिन लिखित विरोध किया गया अधिकारियों को पत्र देकर. उन्होंने अधिकारियों की दलील कि ये सांस्कृतिक चित्रकारी है पर जवाब दिया कि जो चाहे वे बनाए, लेकिन हमारी जमीन पर नहीं. वहीं DCP काशी गौरव बंसवाल ने बताया कि कोई भी आपत्तिजनक तस्वीर नहीं बनाई गई है. बनाई गई तस्वीरें सांस्कृतिक तस्वीर है न कि आपत्तिजनक. विरोध के एलान पर कार्रवाई भी की जाएगी. उन्होंने बताया कि तस्वीर मस्जिद के दायरे के बाहर बनाई गई है. उन्होंने साफ किया कि सड़क पर उतरकर कोई कानून हाथ में लेगा तो कार्रवाई होगी और अभी भी तस्वीर वही बनी हुई है और ये मंदिर का विषय है. जिसपर मंदिर प्रशासन निर्णय लेगा.

गाजियाबादः पूजा से लौट रहे लोगों पर हमला, पथराव के बाद हिंसक झड़प... कई हिरासत में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। केला भट्टा इलाके में मंदिर से लौट रहे लोगों पर पथराव के बाद तनाव फैल गया. मामूली विवाद हिंसक झड़प में बदल गया, जिसमें महिलाएं सहित कई लोग घायल हुए. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति नियंत्रित की और 10 आरोपियों को हिरासत में लिया है. गाजियाबाद के थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित केला भट्टा इलाके में शुक्रवार को उस समय अचानक तनाव की स्थिति पैदा हो गई, जब छोटा कैला मंदिर से पूजा-अर्चना कर लौट रहे लोगों के समूह पर पथराव कर दिया गया. घटना ने देखते ही देखते सांप्रदायिक रंग ले लिया, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी और भय का माहौल बन गया. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई, जो जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई और पथराव शुरू हो गया. इस दौरान महिलाएं समेत कई लोग घायल हो गए, जिन्हें मौके पर पहुंची पुलिस ने

तत्काल चिकित्सा परीक्षण और उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया.घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और भारी पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया. हालात की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने तत्काल मोर्चा संभाला और स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास शुरू किए. इसी बीच, कुछ हिंदू संगठनों के लोग भी घटनास्थल पर पहुंच गए और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग करते हुए विरोध जताया, जिससे तनाव और बढ़ने की आशंका पैदा हो गई. हालांकि, पुलिस ने संयम और तत्परता का परिचय देते हुए हालात को बिगड़ने से रोक लिया.

पुलिस ने 10 को हिरासत में लिया

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विवाद की जड़ सड़क पर चलने को लेकर हुआ एक मामूली विवाद था. जिसने कुछ ही देर में उग्र रूप ले लिया और हिंसा में बदल गया. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि घटना को लेकर किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी.

डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले में 10 आरोपियों को हिरासत में लिया है. उन्होंने कहा कि वर्तमान में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और इलाके में शांति व्यवस्था कायम है. साथ ही, संवेदनशीलता को देखते हुए क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है और पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है. पुलिस का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके.

आगरा में खेत से तरबूज लेने गए 13 साल के मासूम की गला रेतकर हत्या, निकाल लीं आंखें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा। यूपी के आगरा में एक खौफनाक वारदात सामने आई है। एक मासूम की हत्या करने के बाद उसकी आंखें निकल ली गई हैं। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

आगरा में बच्चे की हत्या

उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के थाना जगनेर में 13 साल के मासूम अमृत कुशवाह की बेरहमी से हत्या कर दी गई। धारदार हथियार से उसका गला रेता गया और आंखें निकाल लीं। बेटे का शव देखकर परिजन बेसुध हो गए। ग्रामीणों में आक्रोश भड़क उठा। कई घंटे तक शव को उठने नहीं दिया। परिजन आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए थे। परिजन से हत्या का शक समुदाय विशेष के लोगों पर लगाया है। हिंदू-मुस्लिम टकराव को देखते हुए गांव में पुलिस फोर्स की तैनाती कर दी है। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है। जगनेर के गांव रंधीरपुरा में रहने वाले नरेश कुशवाह ने अपना खेत मुस्लिम परिवार को किराए पर दिया था। ये लोग खेत में तरबूज और खरबूज की खेती करते हैं। परिजन ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे उनका बेटा अमृत कुशवाह अपनी बहन से तरबूज लेने की बात कहकर घर से निकला था। जब शाम तक वह लौटकर नहीं आया तो उसकी तलाश शुरू कर दी। घर से कुछ दूरी पर चक रोड पर उसका खून से लथपथ शव पड़ा मिला।

थैली में रखा था तरबूज

अमृत को खोजते हुए उसकी बहन खेत पर पहुंची थी। वहां उसने अमृत का खून से लथपथ शव पड़ा देखा तो उसकी चीख निकल गई। अमृत के शव के पास एक थैली थी, जिसमें तरबूज रखा था। उसके पास ही खून से सना चाकू भी पड़ा हुआ था। सूचना पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस शव को उठाने का प्रयास कर रही थी, लेकिन ग्रामीणों में आक्रोश भड़क उठा। परिजन ने खेत किराए पर दिए गए लोगों पर हत्या का आरोप लगाया। आक्रोशित भीड़ पहले उन्हें गिरफ्तार करने की मांग करने लगी। इस दौरान लोगों ने जाम लगा दिया। बमुश्किल पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझाया था।

गांव में है तनावपूर्ण शांति

मासूम अमृत की निर्मम हत्या से हर कोई गमजदा है। परिजन और ग्रामीण मुस्लिम परिवार पर हत्या का आरोप लगा रहे हैं। डीसीपी पश्चिम आदित्य कुमार ने बताया कि कुछ संदिग्ध को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। टकराव की स्थिति को देखते हुए गांव में पुलिस फोर्स तैनात की गई है। गांव में तनावपूर्ण शांति का माहौल है। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रामनाथ सिकरवार भी मौके पर पहुंच गए। डीसीपी पश्चिम ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया है। प्रथम दृश्यता में तरबूज तोड़ने का विवाद सामने आया है। हिरासत में लिए लोगों से पूछताछ की जा रही है। जल्द ही इस मामले का खुलासा किया जाएगा।

बरेली जिले के गांव में फैला करंट, छात्र समेत 2 लोगों की मौत, एक महिला गंभीर झुलसी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बरेली। जिले में हाईटेंशन लाइन टूट कर जमीन पर गिर गई, जिससे गांव में करंट फैल गया। करंट की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई।

बरेली के गांव में फैला करंट

उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के एक गांव में शनिवार सुबह हाईटेंशन लाइन का तार टूटने से गांव में करंट फैल गया। करंट लगने से छात्र समेत दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, एक महिला गंभीर रूप से झुलस गई। महिला को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बरेली जिले के अलीगंज थाना क्षेत्र के सूदनपुर गांव में शनिवार सुबह करीब सात बजे गांव से 100 मीटर दूर ट्रांसफार्मर में खराबी आ गई। हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर एलटी लाइन पर गिर गया, जिसके चलते सूदनपुर गांव के एक मोहल्ले में 11 हजार वोल्टेज का करंट फैल गया। करंट की चपेट में आने से कक्षा 10 के छात्र सुभाष (16) की मौत हो गई। बेटे को बचाने दौड़ी मां सुनीता भी गंभीर रूप से झुलस गई। पड़ोस में रहने वाले कुंवरपाल (24) भी जमीन पर पैर रखते ही करंट की चपेट में आ गए। लोग उनको अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। एक ई-रिक्शा में आग लग गई।

5-5 लाख और एक सदस्य को नौकरी मिलेगी

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं, बिजली निगम के अधिकारी भी घटनास्थल पर मौका मुआयना करने पहुंचे। बिजली निगम के मुख्य अभियंता ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक मदद का आश्वासन दिया। इसके अलावा घायल महिला सुनीता का पूरा खर्च बिजली निगम उठाएगा। साथ ही मृतकों के परिजनों में एक सदस्य को संविदा पर नौकरी मिलेगी। बिजली निगम मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने की बात कही है। बरेली जिले के अलीगंज थाना क्षेत्र के सूदनपुर गांव में शनिवार सुबह करीब सात बजे गांव से 100 मीटर दूर ट्रांसफार्मर में खराबी आ गई। हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर एलटी लाइन पर गिर गया, जिसके चलते सूदनपुर गांव के एक मोहल्ले में 11 हजार वोल्टेज का करंट फैल गया।

करंट की चपेट में आने से कक्षा 10 के छात्र सुभाष (16) की मौत हो गई। बेटे को बचाने दौड़ी मां सुनीता भी गंभीर रूप से झुलस गई। पड़ोस में रहने वाले कुंवरपाल (24) भी जमीन पर पैर रखते ही करंट की चपेट में आ गए। लोग उनको अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। एक ई-रिक्शा में आग लग गई।

उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के एक गांव में शनिवार सुबह हाईटेंशन लाइन का तार टूटने से गांव में करंट फैल गया। करंट लगने से छात्र समेत दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, एक महिला गंभीर रूप से झुलस गई। महिला को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बारात का जश्न मातम में बदला, डीजे पर डांस के बाद युवक की पीट-पीटकर हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बड़वानी। मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले के सेंधवा ग्रामीण थाना क्षेत्र में बारात में डीजे पर डांस को लेकर हुए विवाद के बाद एक युवक की हत्या के बाद प्रतिक्रिया स्वरूप कुछ मकान में आग लगा दी गई। आग बुझाने आए फायर टेंडर पर भी पथराव किया गया। घटना के बाद अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। सेंधवा ग्रामीण थाना प्रभारी ओम प्रकाश चोंगडे ने बताया कि बुधवार को ग्राम पिपलिया डेब से एक बारात मालवन गई थी। वहां डीजे पर डांस के दौरान बारातियों के बीच ही विवाद हो गया। शादी समारोह से लौटने के दौरान मिट्ठू जालम व अन्य कुछ लोगों ने ग्राम बाबदड ग्राम के पास मनोज उर्फ मन्ना को पकड़ लिया और घर नहीं जाने दिया।

सड़क किनारे मिला शव

जब रात को वह नहीं लौटा तो उसकी तलाश आरंभ की गई। वह गंभीर हालत में गुरुवार को कोलखेड़ा फाटे पर सड़क किनारे मिला। उसे तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। उसके पूरे शरीर पर चोटों के कई निशान पाए गए जिससे प्रतीत होता है कि उसे बुरी तरह पीटा गया था। घटना के बारे में पता चलते ही मनोज के परिजन आक्रोशित हो गए और उन्होंने आरोपियों के घरों, पशु बाड़े और अनाज रखने के स्थान पर में आग लगा दी।

फायर टेंडर पर भी पथराव

जब सेंधवा से फायर टेंडर वहां पहुंचा तो आरोपियों ने उस पर भी पथराव कर दिया। इस बीच पुलिस ने स्थिति को संभाल कर नियंत्रित किया। एक घर पूरी तरह जल गया जबकि शेष स्थानों पर आगजनी पर भी काबू पाया गया। उन्होंने बताया कि हत्या के मामले में मिट्ठू जालम व दो अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। जबकि आगजनी के मामले में करीब एक दर्जन लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। सेंधवा के एसडीओपी अजय वाघमारे ने बताया कि एहतियात के तौर पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है ,और आरोपियों की तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

'गुरु गुड़ रह गया और चेला... दिग्विजय सिंह ने जीतू पटवारी को लेकर क्यों कहा ऐसा?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मध्य प्रदेश। में कांग्रेस के अंदर चल रही खींचतान शुक्रवार को सार्वजनिक रूप से सामने आ गई. भोपाल में कांग्रेस के अनुसूचित विभाग की प्रदेश कार्यकारिणी और जिला अध्यक्षों की बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर तंज कसते नजर आए. जीतू पटवारी ने भी प्रतिक्रिया में खुद को दिग्विजय सिंह का चेला बता दिया. इस पर दिग्विजय ने कहा, 'गुरु गुड़ रह गया और चेला शक्कर हो गया'. भोपाल स्थित पार्टी मुख्यालय में हुई बैठक के दौरान दिग्विजय सिंह ने मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी की संगठनात्मक नियुक्तियों पर सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि वाल्मीकि समाज और बसोड़ समाज को प्रदेश कांग्रेस में उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिला है. उन्होंने मंच पर बैठे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी से हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, 'ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी में आपकी जो पकड़ है, वो हम लोगों की थोड़ी न है. आप जो कहोगे, केसी वेणुगोपाल से लिखवाकर ले आओगे. जितने प्रिय आप वेणुगोपाल के हो, कोई दूसरा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उतना नहीं है.' दिग्विजय? सिंह की इस बात पर बैठक में मौजूद सभी नेता और कार्यकर्ता हंसने लगे. तभी जीतू पटवारी ने कहा, 'सर मैं भी एक बात कहूं... चेला तो आपका ही हूं.' इस पर दिग्विजय ने कहा, 'आप मेरे चेले हो, लेकिन गुरु गुड़ रह गया और चेला शक्कर बन गया.' दोनों नेताओं की इस टीका-टिप्पणी को लेकर बीजेपी ने मध्य प्रदेश कांग्रेस में अंदरुनी कलह का दावा किया है. मध्य प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता दुर्गेश केसवानी ने कहा कि दिग्विजय सिंह कांग्रेस के 'संगठन सृजन' कार्यक्रम का 'विसर्जन' करते नजर आ रहे हैं. केसवानी ने आरोप लगाया कि दिग्विजय सिंह का स्वभाव पहले से ही ऐसा रहा है और कमलनाथ सरकार के समय भी वह सरकार के कामकाज में दखल देते थे. उन्होंने यह भी कहा कि दिग्विजय को इस बात की नाराजगी है कि जीतू पटवारी ने उनके पुत्र जयवर्धन सिंह को जिला अध्यक्ष बनाकर उनका कद कम कर दिया है, जिसके चलते वह लगातार पटवारी पर निशाना साध रहे हैं. बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के भीतर नेतृत्व को लेकर गंभीर खींचतान चल रही है और यह स्थिति गृह युद्ध जैसी है. वहीं मध्य प्रदेश कांग्रेस ने दिग्विजय सिंह और जीतू पटवारी के बीच हुई इस टीका-टिप्पणी को सामान्य करार दिया. कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि मंच पर हुआ यह संवाद दोनों नेताओं के बीच बेहतर तालमेल और मजबूत नेतृत्व को दर्शाता है. उन्होंने बीजेपी को अपने संगठन पर ध्यान देने की सलाह दी. वहीं कार्यक्रम के बाद जब मीडिया ने जीतू पटवारी से दिग्विजय सिंह की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया चाही, तो उन्होंने कुछ भी बोलने से से इनकार कर दिया.

35 साल की शादीशुदा महिला को सरकारी अधिकारी से हुआ प्यार, दोनों ने एक लॉज में बनाए संबंध, फिर दी धमकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

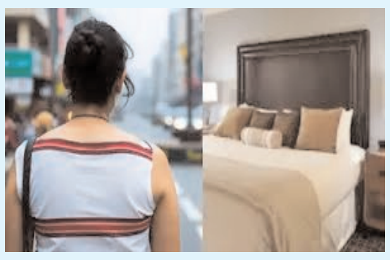

छत्रपति संभाजीनगर। सोशल मीडिया की वर्चुअल दुनिया में दोस्ती की तलाश करना 35 साल की एक शादीशुदा महिला के लिए बहुत महंगा साबित हुआ है। एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसमें एक डिप्टी इंजीनियर ने इंस्टाग्राम पर संपर्क बनाने के बाद प्यार का नाटक करके महिला का बार-बार यौन शोषण किया। शहर की पुलिस ने डिप्टी इंजीनियर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जो कि हिंगोली में तैनात है। इससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। आरोपी डिप्टी इंजीनियर हिंगोली जिले के अखाड़ा बालापुर में ऊपरी पैगंगा प्रोजेक्ट में कार्यरत था। इस मामले में पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, आरोपी डिप्टी इंजीनियर की पहली जान-पहचान जुलाई 2025 में इंस्टाग्राम के जरिए पीड़िता से हुई थी। उनकी बातचीत धीरे-धीरे एक करीबी रिश्ते में बदल गई। इसके बाद आरोपी ने प्यार का नाटक किया और शादी के झूठे वादे करके पीड़िता को फंसाया। 16 जुलाई को आरोपी ने पीड़िता को कॉफी पीने के बहाने बाहर बुलाया और अपनी लग्जरी कार में घुमाने ले गया। फिर वह उसे छत्रपति संभाजीनगर शहर के अलग-अलग होटलों में ले गया और उसकी मर्जी के खिलाफ उसके साथ यौन संबंध बनाए। व्हाट्सएप चैट के आधार पर पति को धमकियां जब पीड़िता ने उससे शादी का वादा पूरा करने के लिए दबाव डालना शुरू किया, तो आरोपी ने अपना असली रंग दिखा दिया। उसने पीड़िता के पति को उनकी निजी व्हाट्सएप बातचीत भेजने की धमकी दी।

चिलचिलाती गर्मी में 150 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ी नाबालिग, प्रेमी की सगाई से थी नाराज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां 15 वर्षीय नाबालिग लड़की अपने प्रेमी की कहीं और सगाई होने से नाराज होकर 150 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गई. इस घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और प्रशासनिक अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए. यह घटना खरगोन जिला मुख्यालय से करीब 80 किलोमीटर दूर बड़वाह थाना क्षेत्र के कटघड़ा गांव की है. भीषण गर्मी के बीच दोपहर के समय अचानक गांव की एक नाबालिग लड़की मोबाइल टावर पर चढ़ गई. देखते ही देखते यह मामला पूरे गांव में फैल गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए. लड़की के टावर पर चढ़ने के बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई. नीचे लोगों की भीड़ जमा हो गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था. सूचना मिलते ही बड़वाह एसडीएम सत्यनारायण दर्रा और पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया. अधिकारियों ने काफी देर तक लड़की को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नीचे उतरने को तैयार नहीं हुई. करीब तीन घंटे तक यह हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा. तेज गर्मी और ऊंचाई पर लड़की के फंसे रहने से सन की चिंता और बढ़ गई.

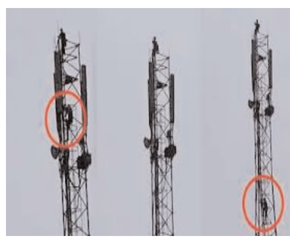

प्रेम प्रसंग और मानसिक तनाव का मामला आया सामने

स्थिति गंभीर होती देख लड़की के जीजा और टावर कंपनी के एक कर्मचारी ने जान जोखिम में डालकर टावर पर चढ़ने का फैसला किया. दोनों ने लगभग एक घंटे तक ऊपर लड़की को समझाया. समझाइश के बाद आखिरकार लड़की नीचे उतरने के लिए तैयार हुई. नीचे उतरने के बाद लड़की को सुरक्षित तरीके से प्रशासन के हवाले किया गया. पुलिस और प्रशासन ने तुरंत उसे मेडिकल और काउंसलिंग के लिए भेज दिया. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि लड़की गांव के ही एक वयस्क युवक से प्रेम करती है. कुछ दिन पहले युवक की सगाई कहीं और तय हो गइ थी, जिससे लड़की बेहद आहत थी. इसी कारण वह मानसिक रूप से परेशान थी और गुस्से में यह कदम उठा लिया. स्थानीय लोगों के अनुसार, लड़की ने पहले भी आत्महत्या की कोशिश की थी और उसने जहर खाकर जान देने का प्रयास किया था. इस घटना ने प्रशासन की चिंता और बढ़ा दी है. घटना के दौरान लड़की ने अपने प्रेम को बुलाने की भी मांग की थी. युवक मौके पर पहुंचा भी, लेकिन उसके बाद वहां स्थिति बिगड़ गई और परिजनों ने उसे पीट दिया, जिसके बाद उसे वहां से हटा दिया गया. ग्राम सरपंच रामेश्वर चौहान ने बताया कि लड़की अब सुरक्षित है और उसे काउंसलिंग के लिए भेजा गया है. उन्होंने कहा कि यह मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ है और मानसिक तनाव का परिणाम है. प्रशासन ने लड़की को काउंसलिंग के लिए भेजा, जांच जार एसडीएम बड़वाह सत्यनारायण दर्रा ने बताया कि लड़की को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया है और उसका काउंसलिंग प्रोसेस शुरू कर दिया गया है. प्रशासन का प्रयास है कि उसे मानसिक रूप से मजबूत बनाया जाए और ऐसी स्थिति दोबारा न बने. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और लड़की की काउंसलिंग जारी है. यह घटना गांव में चर्चा का विषय बनी हुई है और लोगों में इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं.

पुणे में खौफनाक कांडः 4 साल की बच्ची से 65 साल के बुजुर्ग ने किया रेप, फिर पत्थर से कुचलकर मार डाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। जिले के भोर तहसील से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. यहां चार साल की मासूम के साथ रेप किया गया, फिर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई. बच्ची अपनी नानी के यहां छुट्टियां बिताने आई थी. इस घटना के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया. लोगों ने मामले को लेकर सख्त कार्रवाई की मांग की है. वहीं पुलिस ने संदिग्ध आरोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है. जानकारी के मुताबिक, मासूम बच्ची गर्मी की छुट्टियों में अपनी नानी के घर आई हुई थी. शनिवार को वह घर के बाहर खेल रही थी. इसी दौरान 65 साल का भीमराव कांबले उसे बहला-फुसलाकर अपने घर के सामने स्थित पशुओं के तबेले में ले गया. आरोप है कि वहां उसने बच्ची के साथ हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं. पहले रेप की वारदात को अंजाम दिया, मासूम की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी. इसके बाद उसने शव को तबेले में पड़े गाय के गोबर के ढेर के नीचे छिपा दिया, ताकि किसी को शक न हो. जब काफी देर तक बच्ची घर नहीं लौटी, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की. गांवभर में खोजबीन के बाद भी जब उसका कोई पता नहीं चला, तो परिवार की चिंता बढ़ गई. इसी बीच, तबेले में खोजबीन के दौरान बच्ची का शव बरामद हुआ. यह दृश्य देखकर परिजन चीख पड़े और घर में मातम पसर गया. गांव के लोग सन्न रह गए. घटना की सूचना पुलिस को दी गई. पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और जायजा लिया. इसी के साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई, जिसमें आरोपी बच्ची को तबेले की ओर ले जाता हुआ दिखाई दिया. इसके बाद पुलिस ने तत्काल भीमराव कांबले को हिरासत में ले लिया. फिलहाल उससे गहन पूछताछ की जा रही है. इस खौफनाक वारदात के बाद पूरे गांव में आक्रोश फैल गया. सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग करने लगे. गांव वाले काफी गुस्से में हैं. उनका कहना है कि जब तक आरोपी हमें नहीं सौंपा जाता, लाश नहीं लेने देंगे. गांव वालों ने तबेले के सामने कैंप लगा लिया है. पुलिस प्रशासन लोगों से बात कर रहा है, लेकिन लोग अपनी मांगों पर अड़े हैं. हालात को कंट्रोल करने के लिए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है. गुस्साई भीड़ ने मुंबई-बेंगलुरु हाइवे पर चक्का जाम कर दिया, जिससे वाहनों की कतारें लग गईं. पुणे ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक संदीपसिंह गिल ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को शांत किया और लोगों को भरोसा दिलाया कि इस मामले में 15 दिनों के भीतर चार्जशीट दाखिल कर दी जाएगी.

जंगल से निकलकर सड़क पार कर रहा था तेंदुआ, वाहन ने मार दी जोरदार टक्कर, मौके पर हो गई मौत

महाराष्ट्र के कल्याण-मुरबाड हाइवे पर एक तेंदुए की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई. तेंदुआ रात के समय सड़क पार कर रहा था, उसी दौरान ये घटना हुई. जानकारी मिलते ही वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे. मृत तेंदुए का पंचनामा कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है. इसी के साथ संबंधित वाहन चालक की तलाश की जा रही है महाराष्ट्र के कल्याण-मुरबाड हाइवे पर दर्दनाक घटना सामने आई है. यहां बाप सई गांव के पास एक तेंदुए की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई. इस घटना के बाद एक बार फिर वन्यजीवों की सुरक्षा और हाइवे पर उनकी आवाजाही को लेकर सवाल उठ रहे हैं. हादसा देर रात उस समय हुआ, जब तेंदुआ जंगल से निकलकर सड़क पार करने की कोशिश कर रहा था. इसी दौरान तेज रफ्तार एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि तेंदुए की मौके पर ही मौत हो गई. हादसे के बाद वाहन चालक बिना रुके मौके से फरार हो गया. सुबह स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे तेंदुए का शव देखा और तुरंत वन विभाग को सूचना दी. सूचना मिलते ही अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे. उन्होंने मृत तेंदुए का पंचनामा किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और सीसीटीवी कैमरों की मदद से टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है. घटना के बाद मृत तेंदुए का वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हैं. नागरिकों में भी नाराजगी है. लोगों का कहना है कि जंगल से सटे हाइवे पर अक्सर वन्यजीव सड़क पार करते हैं, लेकिन तेज रफ्तार वाहनों के कारण उनके लिए यह जानलेवा साबित हो रहा है.स्थानीय नागरिकों और वन्यजीव प्रेमियों ने मांग की है कि ऐसे संवेदनशील इलाकों में वाहनों की गति सीमा सख्ती से लागू की जाए, ताकि इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके. वन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि यह क्षेत्र में आसपास के जंगलों में तेंदुए मौजूद हैं, जो भोजन और पानी की तलाश में अक्सर सड़क पार करते हैं. ऐसे में वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है. फिलहाल वन विभाग अज्ञात वाहन की तलाश में जुटा हुआ है और मामले की विस्तृत जांच जारी है.

गांव में करें अंतिम संस्कार... मां-बेटी ने फांसी लगाकर दी जान, दामाद जांच के घेरे में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर के नंदनवन थाना क्षेत्र में एक संपन्न परिवार की मां-बेटी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. मृतकों की पहचान संगीता ढबाले और उनकी बेटी आकांक्षा ब्रम्हे के रूप में हुई है. दोनों साथ रहती थीं और देर रात अपने घर में लोहे के एंगल से फांसी लगाकर जीवन समाप्त कर लिया. पुलिस के अनुसार, आकांक्षा की शादी दो वर्ष पहले हुई थी और कुछ महीने पहले ही उसे बेटी हुई थी, जिसकी मौत हो गई थी. इसके बाद वह अपनी मां के घर रहने लगी थी. बताया गया है कि आकांक्षा बैंक में नौकरी करती थी, जबकि उसकी मां भी नौकरीपेशा थीं. आकांक्षा के पिता का निधन करीब दस वर्ष पहले हो चुका था. पुलिस को मिली जानकारी के मुताबिक आकांक्षा के पति लोकेश ब्रम्हे का पत्नी और सास के साथ संपत्ति को लेकर लगातार विवाद होता रहता था. खेती, घर और अन्य संपत्तियों को लेकर तनाव बना हुआ था. बताया जा रहा है कि 30 अप्रैल की रात लोकेश घर आया और विवाद हुआ. इसके बाद मां-बेटी ने दुकान से रस्सी लाकर आत्महत्या कर ली. घटना स्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसने मामले को और गंभीर बना दिया है. सुसाइड नोट और पुलिस जांच सुसाइड नोट में मां-बेटी ने अपना अंतिम संस्कार गांव में उसी स्थान पर करने की इच्छा जताई है, जहां आकांक्षा के पिता का अंतिम संस्कार हुआ था. साथ ही उन्होंने शव ससुराल पक्ष को न देने की बात भी लिखी है. सीनियर इंस्पेक्टर कैलाश देशमाने ने बताया कि पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है और प्राथमिक तौर पर दामाद लोकेश पर आत्महत्या के लिए उकसाने का शक जताया गया है

तेलंगाना रक्षा सेना का गठन, शिक्षा-स्वास्थ्य मुफ्त करने और युवाओं को ऋण देने का वादा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हैदराबाद। शनिवार को मीडिया से बात करते हुए Kalvakuntla Kavitha ने कहा कि उन्होंने सभी चुनौतियों को पार कर 'तेलंगाना रक्षा सेना' नामक नया राजनीतिक मंच खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य राज्य में एक नई राजनीतिक शक्ति बनना था और वे इसमें सफल हुए हैं। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका पुराना सामाजिक संगठन तेलंगाना जागृति पहले की तरह काम करता रहेगा।

कविता ने बताया कि उनकी पार्टी 'पंचजन्यम' के तहत पांच प्रमुख मुद्दों पर काम करेगी, जिनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, रोजगार और सामाजिक न्याय शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लोगों की आय का बड़ा हिस्सा शिक्षा और इलाज पर खर्च हो जाता है, इसलिए उनकी सरकार बनने पर सभी को मुफ्त शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दी जाएंगी।

किसानों के मुद्दे उठाते हुए उन्होंने खरीद केंद्रों की स्थिति और सरकारी नीतियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि किसानों को आत्मसम्मान दिलाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। रोजगार पर उन्होंने कहा कि राज्य में नौकरी व्यवस्था मजाक बन गई है और युवाओं को 2 लाख से 20 करोड़ रुपये तक के ऋण देकर उद्यमी बनाया जाएगा।

कविता ने वरिष्ठ नागरिकों, गरीबों और वंचित वर्गों के लिए विशेष योजनाओं का भी वादा किया और कहा कि उनकी राजनीति का लक्ष्य 'सर्वोदय तेलंगाना' है।

कुत्ते के काटने से बिगड़ी युवक की तबियत, रेबीज फैला तो AIIMS की खिड़की से लगाई छलांग, मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। राजधानी के एम्स अस्पताल से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां रेबीज का इलाज करा रहे 24 साल के एक दिहाड़ी मजदूर ने शुक्रवार सुबह अस्पताल की पहली मंजिल की खिड़की से कूदकर अपनी जान दे दी। मृतक युवक विदिशा जिले का रहने वाला था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

होली पर हुआ था हादसा

जांच अधिकारी एसआई हेमराज कुमरे ने बताया कि युवक को करीब दो महीने पहले होली के समय उसके गांव में एक पालतू कुत्ते ने काट लिया था। उस समय परिवार ने इसे गंभीरता से नहीं लिया, लेकिन धीरे-धीरे उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। 27 अप्रैल को हालत ज्यादा खराब होने पर उसे पहले एक निजी अस्पताल और फिर गुरुवार को भोपाल एम्स में भर्ती कराया गया था।

कुत्ते की तरह भौंकने लगा था युवक

परिजनों ने पुलिस को बताया कि गुरुवार रात से ही युवक का व्यवहार पूरी तरह बदल गया था। वह अजीबोगरीब हरकतें कर रहा था और रह-रहकर कुत्तों की तरह भौंकने लगा था। शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे उसने अचानक एम्स की पहली मंजिल पर लगे कांच की खिड़की को तोड़ा और नीचे कूद गया। सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से उसकी मौत हो गई।

मरीज की हालत काफी गंभीर थी और उसमें रेबीज के एडवांस लक्षण दिख रहे थे। रात भर उसने असामान्य व्यवहार किया। सुबह अचानक उसने खिड़की का शीशा तोड़ा और बाहर छलांग लगा दी। पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही है। हेमराज कुमरे, जांच अधिकारी

छिंदवाड़ा में भी सामने आया था ऐसा ही मामला

गौरतलब है कि कुछ हफ्ते पहले छिंदवाड़ा में भी एक 50 साल की महिला में रेबीज के ऐसे ही लक्षण देखे गए थे, जहां वह लोगों पर हमला कर रही थी। जानकारों का कहना है कि कुत्ते के काटने के बाद अगर सही समय पर वैक्सीन न ली जाए, तो यह बीमारी लाइलाज और जानलेवा हो जाती है।

MP में जनगणना 2027 का आगाजः घर आए कर्मचारी को बतानी होंगी ये 33 बातें, जानें क्या-क्या पूछा जाएगा ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश में 1 मई से जनगणना-2027 के 'हाउस लिस्टिंग' यानी मकानों की सूची बनाने का काम शुरू हो गया है। इस बार की जनगणना खास है क्योंकि यह पूरी तरह डिजिटल है। आपके घर पहुंचने वाले प्रगणक आपसे 33 मुख्य सवाल पूछेंगे। इसमें आपके मकान की स्थिति, दीवारों में इस्तेमाल सामग्री से लेकर घर में कौन सा अनाज खाया जाता है, इसकी जानकारी भी ली जाएगी।

इन चीजों का देना होगा ब्यौरा

पहले फेज में मुख्य रूप से सुविधाओं और संपत्तियों पर फोकस रहेगाः घर की संपत्तिः गाड़ी, लैपटॉप, कंप्यूटर और इंटरनेट कनेक्शन। मकान की बनावटः दीवार और छत की सामग्री। खान-पानः परिवार में इस्तेमाल होने वाला मुख्य अनाज। जातिगत गणनाः ध्यान रहे कि जाति से जुड़े सवाल इस बार नहीं, बल्कि फरवरी 2027 में होने वाले दूसरे चरण में पूछे जाएंगे।

पूरी तरह गुप्त रहेगी जानकारी

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के जनगणना निदेशक कार्तिकेय गोयल ने स्पष्ट किया है कि लोगों को अपनी संपत्ति बताने में हिचकिचाना नहीं चाहिए।गोपनीयताः आपकी दी गई जानकारी पूरी तरह गुप्त रहेगी और किसी भी एजेंसी के साथ साझा नहीं की जाएगी। सरकारी लाभ : जनगणना का मकसद केवल विकास की योजनाएं बनाना है। इससे किसी के सरकारी लाभ या पात्रता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। सुरक्षाः डेटा पूरी तरह 'एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड' है, यानी सर्वर तक पहुंचने के दौरान इसे कोई नहीं देख सकता। यह देश की पहली डिजिटल जनगणना है और डेटा प्रोटेक्शन हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। लोग बेझिझक और सही जानकारी साझा करें। आपके सहयोग से ही बेहतर सरकारी नीतियां बन सकेंगी।

कार्तिकेय गोयल, निदेशक (जनगणना-2027, MP & CG) 1.5 लाख कर्मचारियों की फौज तैनात इस महा-अभियान के लिए मध्य प्रदेश में करीब 1.5 लाख कर्मचारियों को लगाया गया है, जिनमें से ज्यादातर स्कूल शिक्षक हैं। हाउस लिस्टिंग का यह काम एक महीने के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। जय सिंह ने जीतू पटवारी को लेकर क्यों कहा ऐसा?

'जो करेगा जात की बात, उसको मारूंगा कस के लात', ऐसा क्यों बोले नितिन गडकरी ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को नागपुर में अंतरराष्ट्रीय मजदूस दिवस के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत की. उन्होंने अपने संबोधन के दौरान जाति और धर्म के आधार पर राजनीति करने वालों पर भी निशाना साधा. गडकरी ने कहा, 'आजकल कई लोग जात-पात और धर्म के नाम पर समाज को बांटने की कोशिश करते हैं, लेकिन मैं इस राजनीति में विश्वास नहीं करता. जातिगत राजनीति से देश का भला नहीं हो सकता.' नितिन गडकरी ने अपने बेबाक और मजाकिया अंदाज में कहा, 'जिस भाव में गैस, पेट्रोल और डीजल हिंदू को मिलता है, उसी भाव में मुस्लिम को भी मिलता है. इससे साफ है कि विकास और सुविधाओं में किसी तरह का भेदभाव नहीं है. जात-पात की बात करके कुछ हासिल नहीं होता. मैंने कई ऐसे नेताओं को देखा है जो मंच से जाति की बात करते हैं और नारे लगाते हैं, लेकिन जब वे निजी तौर पर मिलते हैं तो अपने बेटे या पत्नी के लिए टिकट मांगते हैं. ऐसे ढोंगी नेताओं को जनता पहचान चुकी है. जो करेगा जात की बात, उसको मारूंगा कस के लात.' केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि वह हमेशा खुलकर बोलते हैं और अपने विचारों पर दृढ़ रहते हैं. नितिन गडकरी ने कहा, 'मैं जो बोलता हूं, डंके की चोट पर बोलता हूं। कोई माई का लाल मुझसे यह नहीं पूछ सकता कि मैंने जो कहा वह किया या नहीं किया.' उन्होंने अपने संबोधन में मजदूरों के योगदान को देश निर्माण की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि भारत की प्रगति केवल मशीनों से नहीं, बल्कि लाखों श्रमिकों की मेहनत और समर्पण से संभव हुई है. नितिन गडकरी ने कहा, 'इस देश का निर्माण लाखों मजदूरों के खून और पसीने से हुआ है. हमारे श्रमिकों ने देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान दिया है.

धनबाद में दर्दनाक हादसा : कोयले की स्लरी में दबकर 4 मजदूरों की मौत, कई के फंसे होने की आशंका

धनबाद (एजेंसी)। झारखंड के धनबाद जिले से शनिवार शाम एक दर्दनाक औद्योगिक हादसे की खबर सामने आई है। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) की मुनीडीह कोल वाशरी परियोजना में स्लरी लोडिंग के दौरान अचानक कोयले का भारी ढेर मजदूरों पर आ गिरा, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस हादसे में अब तक 4 ठेका मजदूरों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य मजदूरों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि शनिवार शाम करीब 5 बजे ट्रकों में स्लरी लोड करने का काम चल रहा था, तभी अचानक स्लरी का बड़ा हिस्सा भरभराकर नीचे गिर पड़ा और वहां काम कर रहे मजदूर उसकी चपेट में आ गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, बीसीसीएल प्रबंधन और राहत दल मौके पर पहुंच गए। जेसीबी मशीनों और अन्य उपकरणों की मदद से युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। स्थानीय प्रशासन ने चार शव बरामद होने की पुष्टि की है। घटना के बाद मजदूरों और परिजनों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। हादसे ने एक बार फिर खदानों और औद्योगिक परियोजनाओं में सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

क्रूज हादसा : बरगी से निकाले गए दो बच्चों के शव, मृतक संख्या 11 हुई

जबलपुर (एजेंसी)। बरगी में चल रहे सर्च अभियान के दौरान आज शनिवार शाम विराज सोनी पिता कृष्ण सोनी (5) निवासी कोतवाली व श्रीतमिल पिता कामराज (5), निवासी वेस्टलैंड खमरिया का शव पाया गया। दो शव और मिलने के बाद क्रूज हादसे में मृतक संख्या बढ़कर 11 पहुंच गई है। बरगी बांध में गुरुवार को डूबे क्रूज में सवार लापता चार पर्यटकों में से दो बच्चों के शव मिल गए हैं, जबकि दो अन्य की तलाश अब भी जारी है। हादसे के 48 घंटे बाद भी राहत एवं बचाव दल लापता लोगों की खोज में जुटा हुआ है। विराज सोनी का शव शनिवार शाम 6 बजे घटनास्थल के पास मिला है। शव को सफेद कपड़े में लपेटकर मेडिकल कॉलेज भिजवाया है। इसके साथ ही हादसे में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। कामराज (45) और उनका भतीजा मयूरम अब भी लापता है। सेना के साथ एनडीआरएफ-एसडीआरएफ वोट से सर्चिंग कर रही है। तेज हवा और डैम में उठ रही लहरों के कारण रेस्क्यू में समस्या आ रही है। मौके पर पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौजूद हैं। सर्चिंग टीम ने लापता लोगों की तलाश के लिए दायरा बढ़ा दिया है। एसडीओपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि बीच-बीच में सर्चिंग कुछ देर के लिए रोकी जाती है। छोटी वोट होने के कारण तेज हवा में रेस्क्यू अभियान संभलकर चलाना पड़ रहा है। हादसे को हुए 48 घंटे से ज्यादा हो चुके हैं। अब भी 2 लोगों की बॉडी नहीं मिली है।

जहां क्रूज डूबा वहां मगरमच्छ नहीं देखे गए

मध्य प्रदेश टूरिज्म अधिकारियों ने कहा कि घटना स्थल पूरी तरह पथरीला है, इसलिए यहां मगरमच्छ नहीं देखे गए हैं, क्योंकि वे आमतौर पर कीचड़ वाले स्थान पर रहते हैं। बरगी बांध में मगरमच्छ हो सकते हैं, लेकिन वे घटनास्थल से कई किलोमीटर दूर हैं। जहां क्रूज डूबा, वहां पहले कभी मगरमच्छ नहीं देखे गए और न ही स्थानीय लोगों ने ऐसा सुना है।

दिल्ली सीएम टिप्पणी मामला : पीयूष सुराणा को जमानत, कांग्रेस का सत्ता के दुरुपयोग का आरोप

अजमेर (एजेंसी)। राजस्थान के अजमेर में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर कथित अश्लील टिप्पणी मामले में गिरफ्तार कांग्रेस नेता पीयूष सुराणा को जमानत मिली है। खबर मिलते ही अजमेर कांग्रेस शहर अध्यक्ष डॉ. राजकुमार जयपाल के नेतृत्व में कार्यकर्ता एडीएम सिटी कार्यालय पहुंचे और भाजपा पर सत्ता के दुरुपयोग का आरोप लगाया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सुराणा को बिना किसी निष्पक्ष जांच के गिरफ्तार किया गया था। डॉ. जयपाल ने कहा कि कांग्रेस हमेशा महिलाओं का सम्मान करती है और इस पूरे मामले की वरिष्ठ अधिकारी से निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने थाने में भाजपा महिला मोर्चा के कथित व्यवहार को भी निंदनीय बताकर जांच की मांग की। नेता प्रतिपक्ष द्रौपदी कोली ने भाजपा पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को डराने की कोशिश करने का आरोप लगाकर कहा कि पार्टी इसतरह के प्रयासों से डरेगी नहीं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के पक्ष में कांग्रेस हमेशा खड़ी रही है और हमारे कार्यकर्ता को बिना जांच के गिरफ्तार किया गया। कांग्रेस नेता कोली ने भाजपा महिला मोर्चा के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि जमानत पहले भी मिल सकती थी, लेकिन जानबूझकर इसमें देरी की गई।

बिहार में ऑर्केस्ट्रा पर पुलिस का शिकंजा : 21 नाबालिग रेस्क्यू, मानव तस्कर एजेंट गिरफ्तार

पटना (एजेंसी)। बिहार पुलिस ने पूरे राज्य में ऑर्केस्ट्रा पर बड़ी कार्रवाई शुरू की है, जो अब तक देह व्यापार का अड्डा बने हुए थे। पुलिस मुख्यालय के आदेश के बाद, इन ऑर्केस्ट्रा को रेड लाइट एरिया की तर्ज पर स्कैन किया जा रहा है ताकि इसमें चल रहे अवैध धंधों का पर्दाफाश हो सके। सीवान में 450 से अधिक ऑर्केस्ट्रा की जांच के दौरान अब तक 21 नाबालिग लड़कियों को रेस्क्यू किया गया है, इन लड़कियों से जबरन जिस्मफरोशी कराई जा रही थी। इसी कड़ी में, सारण पुलिस ने एक ऑर्केस्ट्रा से एक बांग्लादेशी लड़की को भी बरामद किया। किशनगंज में भी छापेमारी कर पुलिस ने 5 पुरुषों और 3 महिलाओं को गिरफ्तार किया है। सीवान पुलिस इन अवैध ऑर्केस्ट्रा को पूरी तरह बंद कराने की तैयारी में जुट गई है। पुलिस ने लड़कियों की खरीद-फरोख्त करने वाली मुख्य एजेंट गुड़िया को सीवान से गिरफ्तार किया है। उस पर नेपाल, बंगाल और देश के अन्य हिस्सों से लड़कियों की तस्करी करने का गंभीर आरोप है। पुलिस अधिकारियों ने दावा किया है कि अगले 15 दिनों के भीतर ऑर्केस्ट्रा पर और भी बड़े पैमाने पर कार्रवाई की जाएगी, जिससे इस धंधे में फंसी और भी कई लड़कियों को मुक्त कराया जा सकेगा।

एग्जिट पोल्स पर ममता का हमला, शेयर बाजार में हेरफेर का लगाया आरोप

-टीएमसी 200 पार के साथ सत्ता में करेगी वापसी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के बाद सामने आए एग्जिट पोल्स पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इन एग्जिट पोल्स की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए शनिवार को कहा, कि इनके जरिए शेयर बाजार में हेरफेर करने की कोशिश की जा रही है।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख एवं सीएम ममता बनर्जी ने एग्जिट पोल्स को पूरी तरह खारिज करते हुए दावा किया कि उनकी पार्टी इस बार 200 से अधिक सीटें जीतकर सत्ता में वापसी करेगी। मतगणना से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर पार्टी की स्थिति बेहद मजबूत है और कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम जीत के रूप में सामने आएगा।

सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि एग्जिट पोल्स का इस्तेमाल केवल जनमत का आकलन करने के लिए नहीं, बल्कि शेयर बाजार के व्यवहार को प्रभावित करने के एक औजार के रूप में किया जा रहा है। पार्टी सूत्रों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में इस बात का दावा किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया, एग्जिट पोल स्टॉक मार्केट में हेरफेर करने की एक कोशिश के अलावा और कुछ नहीं हैं। 2021 और 2024 में भी ऐसा ही किया गया था और इस बार भी वही प्रयास हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि टीएमसी फिर से सरकार बनाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अंतिम समय तक सतर्क और सक्रिय रहने की अपील की।

अभिषेक ने किया समर्थन

ममता के बयान के बाद अभिषेक बनर्जी ने भी उनकी बातों का समर्थन किया। डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी चुनाव के दौरान मतदाताओं, खासकर महिलाओं को डराने-धमकाने के लिए केंद्रीय बलों का दुरुपयोग किया है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा के नेता गांव-गांव जाकर माहौल प्रभावित करने की कोशिश करते रहे हैं। इस बीच कई जगहों पर महिलाओं व बच्चों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं भी सामने आई हैं। साथ ही, उन्होंने मीडिया के एक वर्ग पर भी पक्षपातपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप लगाया। चुनाव परिणामों से पहले इस तरह के आरोप-प्रत्यारोपों ने राज्य की राजनीति को और गर्मा दिया है। अब सबकी नजरें मतगणना के नतीजों पर टिकी हैं, जो इन दावों की सच्चाई को स्पष्ट करेंगे।

मिशन पंजाब- शाह संभालेंगे कमान, ड्रग्स के खिलाफ भाजपा छेड़ेगी बड़ा अभियान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मैराथन चुनावी अभियान के बाद अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पंजाब की राजनीति पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित कर दिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए भाजपा ने 卐मिशन पंजाब卐 का खाका तैयार किया है, जिसके तहत अमित शाह अब चुनाव होने तक हर महीने राज्य का दौरा करेंगे। इस बार भाजपा की चुनावी रणनीति के केंद्र में ड्रग्स

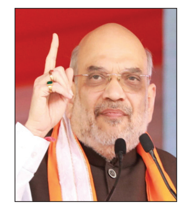

का मुद्दा रहने वाला है। बताया जा रहा है कि मई महीने से ही पंजाब में नशे के खिलाफ एक व्यापक अभियान की शुरुआत की जाएगी, जिसकी कमान स्वयं अमित शाह संभालेंगे। इस अभियान के अंतर्गत पूरे राज्य में जागरूकता यात्राएं निकाली जाएंगी, जिनमें समय-समय पर केंद्र और राज्य स्तर के दिग्गज नेता भी शिरकत करेंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर जैसे राज्यों में सत्ता में होने के कारण भाजपा वहां मजबूत स्थिति में है, लेकिन पंजाब में अपनी पैठ बढ़ाने के लिए उसे एक बड़े और प्रभावी मुद्दे की तलाश थी। ऐसे में ड्रग्स के खिलाफ यह मुहिम चुनावी बिसात पर एक अहम चाल मानी जा रही है। भाजपा नेताओं का दावा है कि यह अभियान केवल राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि पंजाब के युवाओं को बचाने और सामाजिक बदलाव लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। शाह के नेतृत्व में तैयार होने वाला यह नशामुक्त पंजाब रोडमैप राज्य की सियासत में नई हलचल पैदा करने वाला साबित होगा। आने वाले समय में ड्रग्स, कानून-व्यवस्था और विकास जैसे मुद्दों पर राज्य का राजनीतिक पारा और अधिक चढ़ना तय माना जा रहा है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती गोरखपुर से निकालेंगे 'गविष्टी धर्मयुद्ध यात्रा'

वाराणसी (एजेंसी)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती गौरक्षा का संकल्प लेकर 'गविष्टी धर्मयुद्ध यात्रा' निकालेंगे। यह यात्रा प्रदेश के 403 विधानसभाओं से होकर गुजरेगी। यात्रा के दौरान शंकराचार्य सनातनी जनता से संवाद स्थापित करके उनको गौरक्षा के लिए श्रेष्ठ योगदान प्रदान करने के लिए प्रेरित करेंगे।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का कहना है कि गौमाता को राष्ट्र माता और राज्य माता घोषित कर उनके प्राणों की रक्षा करने में सरकार के समक्ष क्या कठिनाई है। क्या गौमांस के व्यापार से ही भारत के उदर की पूर्ति होगी। जगदगुरू शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि गौमाता के प्राणों की रक्षा के लिए जितना यत्न भारत में हुआ अगर उतना प्रयास पाकिस्तान में भी होता तो वहां भी गौमाता के प्राणों की रक्षा सुनिश्चित कर उनको राष्ट्रमाता घोषित कर दिया जाता। दुर्भाग्य है कि भारत में खुद को हिंदूवादी कहने वाली सरकार के कानों पर जूं तक नही रेंग रही है। आखिर गौमाता को राष्ट्र माता और राज्य माता घोषित कर उनके प्राणों की रक्षा करने में सरकार के समक्ष क्या कठिनाई है? क्या अब गौमांस के व्यापार से ही भारत के उदर की पूर्ति होगी। गौमाता की रक्षा एवं प्रतिष्ठा के लिए सरकार को स्वयं सज्ञान लेकर कानून बनाना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि जब लोकतंत्र में हर जगह बहुमत से निर्णय होता है, तो गौमाता की रक्षा के लिए इस देश का बहुमत बार-बार निवेदन कर रहा है। फिर भी बहुमत की अवज्ञा करने का क्या कारण है। भारत में सभी सनातनी चाहते हैं कि गौमाता राष्ट्रमाता घोषित हों, लेकिन स्वतंत्रता के 78 वर्ष बीत जाने के बाद भी हिंदुओं की आवाज को अनसुनी किया जा रहा है। धिक्कार है सरकारों को, जिन्होंने हिंदुओं के वोट लेकर हिंदुओं के साथ छल किया है। अब समय आ गया है कि सनातनी राजनीति का प्रारंभ कर अपने गौमाता के प्राणों एवं सनातनी मूल्यों की रक्षा करें। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कि हम लोगों की 11 मार्च को लखनऊ में गविष्ठी यात्रा की घोषणा हुई थी। उत्तर प्रदेश के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों से होकर यह गुजरेगी।

बंगाल में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के बावजूद निष्पक्ष मतदान नहीं हुआ: अल्वी

-चुनाव आयोग पर कांग्रेस ने लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक बयानबाज़ी तेज हो गई है। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने चुनाव प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर ही प्रश्नचिह्न लगा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान व्यापक स्तर पर अनियमितताएं हुई हैं, जो लोकतंत्र के लिए चिंताजनक संकेत हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ दो-चार जगहों पर अनियमितताएं नहीं हुईं बल्कि पूरे बंगाल में हुई हैं। बंगाल और असम में जिस प्रकार से चुनाव हुआ वह लोकतंत्र पर कलंक है।

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने शनिवार को कहा कि गड़बड़ियां केवल कुछ क्षेत्रों तक सीमित नहीं थीं, बल्कि पूरे पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के बावजूद निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित नहीं हो पाया। उनके अनुसार, करीब ढाई लाख केंद्रीय बलों की मौजूदगी के बावजूद जिस तरह की घटनाएं सामने आईं, वह लोकतंत्र पर 'कलंक' के समान हैं।

चुनाव आयोग भाजपा का अग्रिम संगठन बना?

कांग्रेस नेता ने यह भी दावा किया कि चुनाव ड्यूटी में ऐसे अधिकारियों को तैनात किया गया, जिनका झुकाव भारतीय जनता पार्टी की ओर है। उन्होंने मतगणना प्रक्रिया को लेकर भी आशंका जताई और कहा कि वहां भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया जा सकता है। इसी संदर्भ में उन्होंने तीखा सवाल उठाते हुए कहा, 'क्या चुनाव आयोग भाजपा का कोई अग्रिम संगठन बन गया है?'

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी किसी भी स्थिति में पश्चिम बंगाल में सत्ता हासिल करना चाहती है। अल्वी ने यह भी

कहा कि यदि राज्य में भाजपा की सरकार बनती है, तो यह देश के लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा साबित हो सकता है।

फाल्टा में हुए विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि टीएमसी कार्यकर्ता हिंसा या गड़बड़ी में शामिल हैं, तो चुनाव आयोग और तैनात पैरामिलिट्री बल क्या कर रहे हैं। उनके अनुसार, चूंकि चुनाव के दौरान पूरा प्रशासन चुनाव आयोग के अधीन होता है, इसलिए किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की जिम्मेदारी आयोग पर ही आती है।

कमर्शियल सिलेंडर महंगा: मायावती बोलीं, जनता पर महंगाई की एक और मार

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने हाल ही में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में हुई 993 रुपये की भारी वृद्धि पर अपनी गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने इस बढ़ोत्तरी को आम जनता के लिए एक बड़ी मार बताकर कहा कि पहले से ही बढ़ती महंगाई से जूझ रहे गरीब और मध्यम वर्ग पर इस तरह का अतिरिक्त बोझ डालना जनहित के बिल्कुल खिलाफ है। बसपा प्रमुख ने केंद्र सरकार से मांग की है कि पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों को नियंत्रित रखने वाली नीति को लगातार जारी रखा जाए। उनका मानना है कि ऐसा करने से ही जनता को राहत मिल सकेगी और देश में बढ़ती महंगाई पर लगाम लगाई जा सकेगी। अपने एक्स पर लिखते हुए मायावती ने बताया कि देश में कमर्शियल सिलेंडर की भारी किल्लत के बीच, उसकी कीमत में एकमुश्त 993 रुपये की वृद्धि और उसका आम जनजीवन पर पड़ने वाला प्रभाव सभी मीडिया की सुर्खियों में है। उन्होंने इस आशंका पर चिंता जाहिर की कि जल्द ही रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल सहित अन्य पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें भी बढ़ सकती हैं, जिससे लोगों में बेचैनी व्याप्त है। मायावती ने कहा कि इसका वास्तविक कारण चाहे अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध हो या कुछ और, केंद्र सरकार ने जिस तरह से राज्यों के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों को काफी हद तक नियंत्रण में रखा था, उसी नीति को वर्तमान में भी व्यापक जनहित और जनकल्याण के लिए जारी रखना चाहिए। उन्होंने इस देशहित में उचित बताया। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि वह पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में इस तरह की वृद्धि से देश के अधिकतर गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों पर पड़ने वाले प्रभाव का गंभीरता से आकलन करे और उसी के आधार पर अपनी नीतियों का निर्धारण करे ताकि जनता को वास्तविक राहत मिल सके।

कलेक्टर ने सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविरों की तैयारी के संबंध में ली बैठक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आयोजित होने वाले जनसमस्या निवारण शिविरों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 4 मई से 10 जून 2026 तक जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के कुल 62 स्थानों पर अलग-अलग तिथियों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने शिविरों में जनसामान्य से प्राप्त समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर ने कहा कि सुशासन तिहार शासन का एक महत्वपूर्ण जनहितकारी अभियान है, जिसका मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करते हुए उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने शिविरों में प्राप्त होने वाले सभी आवेदनों का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर गुणवत्तापूर्वक निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविरों

के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाई जाए तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को अपने-अपने विभाग से संबंधित अद्यतन जानकारी के साथ शिविरों में उपस्थित रहने तथा जनसामान्य को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने शिविर स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं जैसे पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधा आदि सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए, ताकि जनसामान्य को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी निर्धारित तिथियों में संबंधित शिविर स्थलों पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें और जनसमस्याओं के समाधान के प्रति संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ कार्य करें। बैठक में वनमंडलाधिकारी आयुष जैन, सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह, अपर कलेक्टर श्री सीएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर प्रेमप्रकाश शर्मा, आयुक्त नगर निगम अतुल विश्वकर्मा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

संघवी और कर्नावट ने बढ़ाया नागदा का गौरव, ICSE में शानदार प्रदर्शन

कक्षा 10 में 97.80% और 12वीं में 93.5% अंक- मेहनत, अनुशासन और मार्गदर्शन का परिणाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। शहर के लिए गर्व का पल है, जहां फातिमा कॉन्वेंट स्कूल की छात्राओं ने अपने उत्कृष्ट परिणाम से न सिर्फ विद्यालय, बल्कि पूरे शहर का नाम रोशन किया है। कक्षा 10 की छात्रा कु. दर्शना रवि संघवी ने ICSE पाठ्यक्रम में 97.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान हासिल किया। वहीं कक्षा 12 की छात्रा कु. तनीशा राजा कर्नावट ने 93.5 प्रतिशत अंक अर्जित कर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की।

दिनभर बधाइयों का सिलसिला:

दोनों छात्राओं की इस शानदार उपलब्धि पर परिजनों, मित्रों और शुभचिंतकों ने दिनभर बधाई दी। घर पर लोगों का तांता लगा रहा और सभी ने उनकी कड़ी मेहनत व लगन की सराहना की।

सफलता का श्रेय गुरुजनों को:

छात्राओं ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और विद्यालय के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने कहा कि निरंतर प्रयास, अनुशासन और सही दिशा में मेहनत ही सफलता की कुंजी है।

विद्यालय ने जताई खुशी:

विद्यालय प्रबंधन ने भी छात्राओं की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सम्मान और शुभकामनाएं:

इस अवसर पर राजेश सकलेचा, शरद जैन, अमित बम, मनीष चपलोत, धर्मेन्द्र बम, दीपक गांग, राकेश ओरा, मनोज गांग, संतोष नाहटा, प्रकाश चपलोत, जीवनलाल जैन सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने छात्राओं के निवास स्थान पर पहुंचकर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। दर्शना संघवी और तनीशा कर्नावट की यह सफलता न केवल उनकी मेहनत का परिणाम है, बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा भी है। नागदा शहर को इन बेटियों पर गर्व है।

नारी वंदन या अपमान ?' गुजरात बीजेपी विवाद पर राहुल गांधी का तीखा हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात की राजनीति में एक बयान ने बड़ा सियासी भूचाल ला दिया है। गुजरात बीजेपी अध्यक्ष Jagdish Panchal द्वारा गेनिबेन ठाकोर पर की गई टिप्पणी अब राष्ट्रीय स्तर पर विवाद का रूप ले चुकी है।इस पूरे मामले पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी पर सीधा हमला बोला है।

राहुल गांधी का करारा बयान: राहुल गांधी ने कहा, 'नारी वंदन का मुखौटा उतर चुका है। क्या यही है बीजेपी का नारी वंदन? क्या इसी तरह महिलाओं का सशक्तिकरण किया जाएगा?' उन्होंने आगे आरोप लगाया कि, 'प्रधानमंत्री पहले ही कांग्रेस की महिला सांसदों के सवालों से डरकर संसद छोड़ चुके हैं। महिला विरोधी बीजेपी को यह याद रखना चाहिए कि गुजरात सहित देश की महिलाएं हर अपमान का जवाब देंगी। '

सियासत में गरमाया 'महिला सम्मान' का मुद्दा: इस बयान के बाद महिला सम्मान और राजनीतिक मर्यादा को लेकर बहस तेज हो गई है। विपक्ष बीजेपी पर महिलाओं के प्रति असंवेदनशील रवैये का आरोप लगा रहा है, वहीं बीजेपी की ओर से इस विवाद पर जवाबी हमला भी तेज हो सकता है।

गुजरात से राष्ट्रीय मंच तक गूंज: एक स्थानीय टिप्पणी से शुरू हुआ यह विवाद अब राष्ट्रीय राजनीति का मुद्दा बन चुका है। आने वाले समय में यह मामला और तूल पकड़ सकता है, खासकर तब जब महिला सशक्तिकरण जैसे संवेदनशील विषय पर राजनीतिक दल आमने-सामने आ गए हैं। राजनीति में बयानबाजी नई नहीं है, लेकिन जब मुद्दा महिलाओं के सम्मान का हो, तो हर शब्द की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। अब देखना यह है कि यह विवाद सिर्फ बयान तक सीमित रहता है या फिर बड़े राजनीतिक संघर्ष का रूप लेता है।

भारतीय कंपनियों के बड़े अधिग्रहण-शेयरधारकों को नहीं मिला अपेक्षित लाभ बाजार से पिछड़ी चाल

10 में से 8 बड़े सौदों में अरबों डॉलर खर्च करने वाली कंपनियों के शेयर व्यापक बाजार से पिछड़ गए

नई दिल्ली।

पिछले दो दशकों में भारतीय कंपनियों द्वारा किए गए बड़े अधिग्रहणों ने शेयरधारकों को कोई खास लाभ नहीं पहुंचाया है। एक विश्लेषण से पता चला है कि अरबों डॉलर खर्च करके महत्वपूर्ण संपत्तियों को खरीदने वाली अधिकांश कंपनियों (10 में से 8) के शेयरों की चाल अधिग्रहण के बाद व्यापक बाजार से काफी सुस्त रही है, जिससे उनके निवेश पर प्रश्नचिह्न लग गया है। बताया जा रहा है कि एक नमूने में शामिल 10 सबसे बड़े अधिग्रहणकर्ता फर्मों में से केवल दो - हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल - ही बाजार से बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहीं। हालांकि, इनके मामले में भी विश्लेषकों का मानना है कि शेयरों में हालिया उछाल घरेलू कारकों या वैश्विक कमोडिटी कीमतों के कारण है, न कि विदेशी अधिग्रहण से हुए सीधे लाभ के कारण। उदाहरण के लिए, हिंडाल्को ने 2007 में नोवेलिस का 5.7 अरब डॉलर में अधिग्रहण किया, लेकिन कंपनी के शेयर भाव ने दो साल पहले ही निफ्टी 50 से आगे निकलना शुरू किया, जिसका श्रेय औद्योगिक धातुओं की वैश्विक कीमतों में उछाल को दिया जाता है। इसी तरह, भारती एयरटेल के मजबूत प्रदर्शन का श्रेय घरेलू दूरसंचार बाजार में बढ़ते वर्चस्व को दिया जा रहा है, न कि 2010 में जेन टेलीकॉम के अफ्रीकी कारोबार के 10.7 अरब डॉलर के अधिग्रहण को। अन्य प्रमुख कंपनियों की बात करें तो टाटा स्टील ने 2006 में कोरस समूह को 12.78 अरब डॉलर में खरीदा था, जो किसी भारतीय कंपनी द्वारा विदेश में किया गया सबसे बड़ा अधिग्रहण था। लेकिन 20 साल बाद भी कंपनी का शेयर कमजोर रहा; अधिग्रहण के बाद से यह केवल 397 फीसदी बढ़ा जबकि निफ्टी 50 में 551 फीसदी की वृद्धि हुई। इसी तरह, टाटा मोटर्स ने 2008 में फोर्ड से जगुआर लैंड रोवर का अधिग्रहण किया, लेकिन व्यापक बाजार को पीछे छोड़ने के लिए संघर्ष करती रही। ओएनजीसी का 2008 में इंपीरियल एनर्जी का 2.6 अरब डॉलर का अधिग्रहण भी असफल साबित हुआ, जहां उसका शेयर मूल्य केवल 78 फीसदी बढ़ा जबकि निफ्टी 50 में इसी अवधि में 458 फीसदी की तेजी आई। यह प्रवृत्ति हाल के वर्षों में भी जारी है। यूपीएल ने 2018 में एरिस्टा लाइफसाइंसेज का 4.2 अरब डॉलर में अधिग्रहण किया, जिसके बाद से उसके शेयर का प्रदर्शन कमजोर बना हुआ है। बायोकॉन द्वारा 2022 में वियाट्रिस के बायोसिमिलर व्यवसाय और रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा 2023 में वॉल्ट डिज्नी के इंडिया कारोबार के अधिग्रहण के बाद भी यही कहानी दोहराई गई है। अदाणी ग्रीन एनर्जी और कोफोर्ज जैसी कंपनियों के शेयर मूल्य भी अपने बड़े अधिग्रहणों के बाद बेंचमार्क सूचकांकों से पीछे रहे हैं। यह विश्लेषण भारतीय कंपनियों के लिए बड़े अधिग्रहणों से शेयरधारक मूल्य बनाने की चुनौतियों को उजागर करता है।

अप्रैल में शेयर बाजार नकदी सेगमेंट में उछाल डेरिवेटिव्स में गिरावट

नई दिल्ली।

अप्रैल महीने में भारतीय शेयर बाजार की ट्रेडिंग गतिविधियों में एक बड़ा विरोधाभास देखने को मिला। इक्विटी बाजार में आई जोरदार तेजी के दम पर नकदी (कैश) सेगमेंट के टर्नओवर में प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई, वहीं डेरिवेटिव्स (वायदा एवं विकल्प) कारोबार, बढ़ी हुई सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) के कारण फिसल गया। नकदी बाजार में दो साल का उच्चतम टर्नओवर अप्रैल में नकदी बाजार का टर्नओवर 7 फीसदी बढ़ा, जिसे इक्विटी में आई जबरदस्त तेजी का सहारा मिला। इक्विटी में जोरदार रिकवरी के कारण नकदी सेगमेंट का दैनिक औसत टर्नओवर करीब 1.44 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो लगभग दो साल का उच्चतम स्तर है। बेंचमार्क सूचकांकों ने एक साल से भी ज्यादा समय में अपनी सबसे मजबूत मासिक रिकवरी दर्ज की, जिसमें सेंसेक्स 6.9 फीसदी और निफ्टी 7.5 फीसदी बढ़ा। व्यापक बाजारों में यह तेजी और भी स्पष्ट थी, निफ्टी मिडकैप 100 में 13.6 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 18.4 फीसदी की जोरदार बढ़त हुई। बढ़ी हुई एसटीटी से डेरिवेटिव्स को झटका दूसरी ओर डेरिवेटिव्स के टर्नओवर में 6 फीसदी की गिरावट आई। इसका मुख्य कारण 1 अप्रैल से लागू हुई सिक्योरिटीज़ ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) में बढ़ोतरी थी। वायदा कारोबार पर एसटीटी 0.02 फीसदी से बढ़कर 0.05 फीसदी कर दिया गया, जबकि ऑप्शंस के लिए यह 0.1 फीसदी से बढ़कर 0.15 फीसदी हो गया।

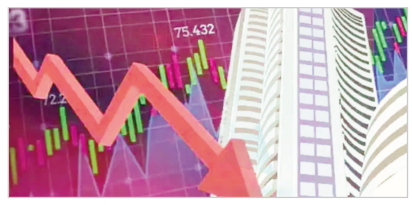

इंडियन ओवरसीज बैंक का मुनाफा 43 फीसदी उछला

नई दिल्ली।

इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने जनवरी-मार्च तिमाही में मजबूत वित्तीय नतीजे पेश किए हैं। बैंक ने 1,505 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 43.2 प्रतिशत अधिक है। बैंक अ धिकारी ने बताया कि कर्मचारियों को ऋण निर्णय लेने के लिए सशक्त करने की रणनीति इस प्रदर्शन की कुंजी रही है। बैंक ने हालिया वित्त वर्ष में 24 प्रतिशत की ऋण वृद्धि दर्ज की, जो उद्योग औसत (16 प्रतिशत) से कहीं बेहतर है। खुदरा, कृषि व एमएसएमई खंड पर विशेष जोर, जिसमें 78 फीसदी ऋण पोर्टफोलियो है, ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बैंक ने आगामी वित्त वर्ष के लिए 12-13 फीसदी ऋण वृद्धि और 13-14 फीसदी जमा वृद्धि का लक्ष्य रखा है। बैंक 3.20-3.25 फीसदी के आसपास अपने शुद्ध ब्याज मार्जिन को बनाए रखने की उम्मीद करता है।

एसबीआई एफडी पर पाएं शानदार रिटर्न और सुरक्षा!

2 लाख निवेश करें और पाएं 1.05 लाख तक का फिक्स रिटर्न

नई दिल्ली।

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर आकर्षक ब्याज दरों की घोषणा की है, जिससे निवेशकों को सुरक्षित और गारंटीड रिटर्न का मौका मिल रहा है। ये स्कीमें 7 दिनों से लेकर अधिकतम 10 साल तक की अवधि के लिए उपलब्ध हैं। एसबीआई की एफडी योजनाओं में ब्याज दरें अवधि के अनुसार भिन्न हैं। न्यूनतम 7 दिन की एफडी पर 3.05 से 3.65 फीसदी तक ब्याज मिलता है, जबकि 46 दिनों से 179 दिनों तक की अवधि पर यह दर 4.90 से 5.50 फीसदी के बीच रहती है। 180 दिनों से 210 दिनों की एफडी पर बैंक 5.65 से 6.25 फीसदी तक ब्याज दे रहा है। वहीं, लंबी अवधि की एफडी, खासकर 5 से 10 साल की योजनाओं में, ब्याज दरें अधिकतम 7.15 फीसदी तक पहुंच सकती हैं, जो इसे एक बेहतरीन निवेश विकल्प बनाती हैं। निवेशकों के रिटर्न की बात करें तो 6 साल की एफडी स्कीम में 2 लाख के निवेश पर सामान्य नागरिकों को परिपक्वता पर करीब 2,86,747 रुपए मिलते हैं, जिसमें 86,747 रुपए का ब्याज शामिल है। वरिष्ठ नागरिकों को इसी निवेश पर लगभग 3,04,184 रुपए मिलते हैं, जिनमें करीब 1,04,184 रुपए ब्याज होता है। सुपर वरिष्ठ नागरिकों को तो लगभग 3,05,983 रुपए तक मिल सकते हैं, जिसमें 1,05,983 रुपए का आकर्षक ब्याज शामिल है। यह स्कीम सभी उम्र वर्ग के निवेशकों के लिए एक विश्वसनीय और फायदेमंद विकल्प है।

वैश्विक उथल-पुथल और घरेलू खरीदारी के बीच झूलता रहा भारतीय शेयर बाजार

साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स में लगभग 0.50 फीसदी और निफ्टी में 0.39 फीसदी की गिरावट रही

मुंबई।

मजदूर दिवस के अवकाश के कारण यह सप्ताह छोटा रहा, पर भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को भावनाओं के रोलरकोस्टर का अनुभव हुआ। लगातार तीन सत्रों की गिरावट के बाद सोमवार को बाजार में आशा लौटी पर मंगलवार और खासकर गुरुवार को वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और विदेशी फंडों की निकासी से बाजार फिर दबाव में आ गया। इस अस्थिर सप्ताह में सेंसेक्स और निफ्टी में तीव्र उतार-चढ़ाव रहा। सप्ताह का पहला दिन भारतीय बाजार के लिए राहत भरा रहा। पिछली गिरावट के बाद सोमवार को बाजार जोरदार हरे निशान पर खुले। वैश्विक सकारात्मक संकेतों और प्रमुख शेयरों में खरीदारी से दिनभर तेजी रही। सेंसेक्स 639 अंक बढ़कर 77,303 पर, और निफ्टी 194 अंक चढ़कर 24,092 पर बंद हुए, जिससे निवेशकों को बड़ी राहत मिली। मंगलवार को बाजार की गति धीमी रही।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में गिरावट से नरमी आई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 208 अंक गिरा, निफ्टी भी 42 अंक लुढ़का। रुपया भी डॉलर के मुकाबले 24 पैसे कमजोर हुआ। दिन के मध्य में सुधार का प्रयास टिकाऊ नहीं रहा। अंततः, सेंसेक्स 416 अंक गिरकर 76,886 पर, और निफ्टी 97 अंक गिरकर 23,995 पर बंद हुए, जिससे यह 24 हजार के स्तर से नीचे चला गया। बुधवार को बाजार ने शानदार वापसी की। ईरान-अमेरिका तनाव कम होने की उम्मीद और सकारात्मक वैश्विक संकेतों के दम पर भारतीय शेयर बाजार में तेजी लौटी। मजबूत खरीदारी से सेंसेक्स 77,400 और निफ्टी 24,100 के पार निकल गए। अंत तक सेंसेक्स 609 अंक उछलकर 77,496 पर, जबकि निफ्टी 24,177 पर पहुंचा। सप्ताह का अंत फिर नकारात्मक रहा। गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल, कमजोर वैश्विक रुझानों और विदेशी निधियों की लगातार निकासी के बीच प्रमुख सूचकांकों में तेज गिरावट आई। शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स 959 अंकों तक टूटा कर 76,537 पर पहुंचा, जबकि निफ्टी 285 अंक कमजोर होकर 23,892 पर आ गया। वैश्विक दबाव और पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर पड़ा। अंततः, सेंसेक्स 582 अंक गिरकर 76,913 पर बंद हुआ, और निफ्टी 180 अंक गिरकर 23,997 पर आ गया, एक बार फिर 24 हजार के स्तर से नीचे। कुल मिलाकर यह सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए तीव्र अस्थिरता और वैश्विक घटनाओं पर बढ़ती निर्भरता का परिचायक रहा।

सप्ताह का अंत सेंसेक्स और निफ्टी दोनों के लिए मामूली गिरावट के साथ हुआ, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच बाजार में सावधानी भरे रुख को दर्शाता है। आने वाले समय में निवेशकों की नजर पश्चिम एशिया की स्थिति, कच्चे तेल की कीमतों और वैश्विक आर्थिक संकेतों पर बनी रहेंगी।

सरकारी बैंक पूंजी जुटाने को तैयार, ईसीएल मानदंड से पहले मजबूत करेंगे बैलेंस शीट

बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक जुटाएंगे हजारों करोड़ रुपए

नई दिल्ली।

सार्वजनिक क्षेत्र के कई बैंक, जिनमें बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक शामिल हैं, इक्विटी और बॉन्ड के माध्यम से पूंजी जुटाने की संभावनाएं तलाश रहे हैं। यह कदम उन्हें अपेक्षित ऋण हानि (ईसीएल) ढांचे के अप्रैल 2027 से लागू होने से पहले अपनी कॉमन इक्विटी टियर-1 (सीईटी1) पूंजी को मजबूती देने में मदद करेगा। पूंजी जुटाने की यह पहल इन बैंकों को सरकारी हिस्सेदारी कम करने में भी सहायक होगी, क्योंकि कुछ बैंकों में सरकार की हिस्सेदारी 90 प्रतिशत से भी अधिक है। बैंक ऑफ इंडिया को वित्त वर्ष 2027 के दौरान 7,500 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बोर्ड से मंजूरी मिल गई है। इसमें से 2,500 करोड़ रुपये अतिरिक्त टियर-1 (एटी-1) बॉन्ड और 5,000 करोड़ रुपये टियर-2 बॉन्ड के माध्यम से जुटाए जाएंगे। दिसंबर 2025 तक बैंक ऑफ इंडिया का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 17.09 फीसदी था, जबकि उसका सीईटी1 अनुपात 13.76 फीसदी था। एटी-1 बॉन्ड विशेष रूप से बैंक की सीईटी1 पूंजी को बढ़ावा देगा।

डिजिटल गवर्नेंस से छोटे कारोबारों को मिली नई उड़ान आईएमएफ रिपोर्ट

डिजिटल गवर्नेंस से छोटे कारोबारों को मिली नई उड़ान आईएमएफ रिपोर्ट

नई दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के एक हालिया अध्ययन ने पुष्टि की है कि भारत में सरकारी प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने की पहल ने छोटे कारोबारों (माइक्रो एंटरप्राइज) की उत्पादकता में वृद्धि की है और विभिन्न कंपनियों के बीच असमानता को भी कम किया है। यह रिपोर्ट सरकारी सुधारों के आर्थिक प्रभावों पर प्रकाश डालती है।

2010-11 और 2015-16 के राष्ट्रीय सर्वे डेटा पर आधारित इस शोध में पाया गया कि जिन राज्यों ने टैक्स फाइलिंग, परमिट, निरीक्षण और विवाद समाधान जैसे कार्यों को डिजिटल किया, वहां व्यवसायों की कार्यक्षमता में तेजी से सुधार हुआ। 2014 में शुरू किया गया 98-पॉइंट एक्शन प्लान, जिसने व्यापार नियमों को सरल बनाया और प्रक्रियाओं को ऑनलाइन किया, इस बदलाव में महत्वपूर्ण रहा। इन डिजिटल सुधारों से छोटे कारोबारियों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने से मुक्ति मिली, जिससे समय और पैसे दोनों की बचत हुई। ऑनलाइन सिस्टम ने पारदर्शिता बढ़ाई और रिश्वत जैसे अनौपचारिक खर्चों में कमी लाकर एमएसएमई सेक्टर को सशक्त किया, जो देश के मैन्युफैक्चरिंग उत्पादन का 35 फीसदी योगदान देता है और 11 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करता है। रिपोर्ट यह भी दर्शाती है कि शुरुआती डिजिटल कदमों का प्रभाव सबसे अधिक रहा, जो अंततः देश की आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन को गति दे रहा है।

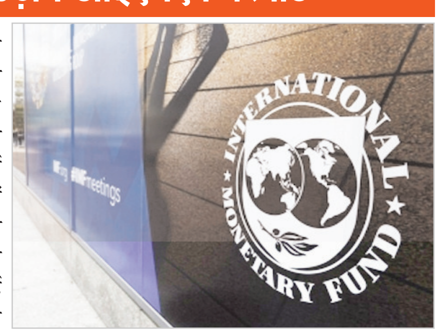

ऐपल का भारत पर बड़ा दांव, टिम कुक ने जताई अपार संभावनाएं

भारत में लगातार दूसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली।

ऐपल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने भारत के प्रति अपनी गहरी आशावादिता व्यक्त की है। भारत में कंपनी ने लगातार दूसरी तिमाही में दोहरे अंकों की शानदार वृद्धि दर्ज की है, जो इसे वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक बना रहा है। कुक ने देश के उभरते मध्यम वर्ग और बड़े बाजार के आकार को कंपनी के लिए बड़ा अवसर बताया है। कुक का यह बयान ऐसे समय में आया है जब आईफोन और आईपैड बनाने वाली कंपनी ने भारत में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया है। वैश्विक स्तर पर भी, अमेरिका, लैटिन अमेरिका, ग्रेटर चीन, जापान और पश्चिमी यूरोप जैसे अधिकांश बाजारों में ऐपल ने दो अंकों की वृद्धि दर्ज की है। दूसरी तिमाही में कंपनी के प्रमुख उत्पाद आईफोन की बिक्री 57 अरब डॉलर तक पहुंच गई। कुक ने विश्लेषकों से कहा कि आईफोन से लेकर मैकबुक, आईपैड और ऐपल वॉच तक खरीदने वाले अधिकांश ग्राहक नए हैं, जो कंपनी के लगातार बढ़ते आधार को दर्शाता है। भारत अब ऐपल के लिए एक महत्वपूर्ण विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में भी उभरा है।

अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के दो पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों की ईडी हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली।

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने लोन फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े अहम मामले में अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के दो पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों अमिताभ झुनझुनवाला और अमित बापना की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) हिरासत 15 मई तक बढ़ा दी है। यह मामला मुख्य रूप से रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों से जुड़ा है। दिल्ली की अदालत ने ईडी की उस याचिका को स्वीकार किया, जिसमें दोनों आरोपियों से आगे पूछताछ के लिए हिरासत बढ़ाने की मांग हुई थी। सुनवाई के दौरान झुनझुनवाला को स्वास्थ्य कारणों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश किया, जबकि बापना को अदालत में पेश किया।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने झुनझुनवाला की स्वास्थ्य स्थिति को देखकर जेल प्रशासन को उनकी मेडिकल रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने दोनों को मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया है।

यह जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा पहले दर्ज मामलों के आधार पर शुरू हुई थी। आरोप है कि संबंधित कंपनियों में उच्च पदों पर रहते हुए दोनों अधिकारियों ने वित्तीय फैसलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और संभवतः बैंक लोन के धन का गलत उपयोग किया गया। सूत्रों के मुताबिक, झुनझुनवाला पहले रिलायंस ग्रुप में ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर और रिलायंस कैपिटल के वाइस चेयरमैन रह चुके हैं, जबकि बापना कंपनी के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर और आरएचएफएल के निदेशक थे। जांच में यह भी सामने आया है कि लोन की राशि को अलग-अलग माध्यमों से घुमाकर इस्तेमाल किया गया, जिससे मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका पैदा हुई। हालांकि, रिलायंस समूह ने स्पष्ट किया है कि झुनझुनवाला और बापना कंपनी से जुड़े नहीं हैं। दोनों अधिकारियों ने वर्ष 2019 में ही समूह छोड़ दिया था और वर्तमान में उनका रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड तथा रिलायंस पावर लिमिटेड सहित किसी भी ग्रुप कंपनी से कोई संबंध नहीं है।

भारत में सोने का आयात 30 साल के निचले स्तर पर

अप्रैल में सिर्फ 15 टन रहा आयात, बैंकों ने 3 फीसदी आईजीएसटी के विरोध में शिपमेंट रोकी

नई दिल्ली।

भारत में सोने के आयात में अप्रत्याशित गिरावट दर्ज की गई है, जो अप्रैल महीने में लगभग 30 साल के सबसे निचले स्तर, मात्र 15 टन पर आ गया है। यह गिरावट मुख्य रूप से बैंकों द्वारा सोने की शिपमेंट रोके जाने के कारण हुई है, जो 3 फीसदी इंटीग्रेटेड गुड्स एंड सर्विस टैक्स (आईजीएसटी) को लेकर उपजे विवाद का नतीजा है। इस स्थिति से देश के स्वर्ण बाजार के साथ-साथ वैश्विक सोने की कीमतों पर भी गहरा असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। कस्टम विभाग द्वारा सोने के आयात पर 3 फीसदी आईजीएसटी लागू किए जाने के बाद बैंकों ने खरीद पूरी तरह बंद कर दी है।

दरअसल, 2017 में आईजीएसटी लागू होने पर बैंकों को इस टैक्स से छूट दी गई थी, लेकिन अब सरकार से स्पष्ट आदेश में देरी के कारण कस्टम विभाग यह टैक्स वसूल रहा है। एक सरकारी अधिकारी के अनुसार अप्रैल में बैंकों ने से कोई सोना क्लियर नहीं कराया, हालांकि थोड़ी मात्रा में सोना इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज के माध्यम से आयात किया गया। यह आंकड़ा पिछले साल अप्रैल के 35 टन और 2025-26 के मासिक औसत 60 टन से काफी कम है। इस महीने आयात पर केवल 1.3 अरब डॉलर खर्च हुए, जो औसत मासिक 6 अरब डॉलर से बहुत कम है। अक्षय तृतीया जैसे शुभ अवसर के बावजूद यह गिरावट चिंताजनक है। भारत, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोना उपभोक्ता होने के कारण, इस गिरावट का वैश्विक सोने की कीमतों पर भी असर पड़ने की आशंका है। एक रिपोर्ट बताती है कि मार्च तिमाही में निवेश के लिए सोने की मांग (82 टन) पहली बार ज्वेलरी की मांग (66 टन) से अधिक रही, क्योंकि निवेशक शेयर बाजार के कमजोर रिटर्न के बीच सुरक्षित विकल्प तलाश रहे हैं।

साइबर ठगों के निशाने पर क्रिप्टोकरेंसी यूजर्स सरकार ने जारी की चेतावनी

फर्जी वेबसाइटों और पी2पी प्लेटफॉर्म्स के जरिए हो रही है धोखाधड़ी

मुंबई।

देश में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों के बीच अब क्रिप्टोकरेंसी यूजर्स भी ठगों के नए निशाने पर आ गए हैं। गृह मंत्रालय से जुड़ी साइबर एजेंसियों ने एक गंभीर चेतावनी जारी करते हुए खुलासा किया है कि ट्रस्ट वालेट जैसे लोकप्रिय क्रिप्टो वॉलेट इस्तेमाल करने वाले लोगों को बड़े पैमाने पर ठगा जा रहा है। ये ठग पी2पी प्लेटफॉर्म्स और नकली वेरिफिकेशन वेबसाइट्स के जरिए यूजर्स के वॉलेट खाली कर रहे हैं। इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर और एनसीईआरटी की रिपोर्ट के अनुसार, ठग पी2पी प्लेटफॉर्म्स पर संपर्क कर बातचीत को व्हाट्सएप या टेलीग्राम पर ले जाते हैं। फिर वे यूजर्स को नकली वेरिफिकेशन वेबसाइट्स पर भेजते हैं, जहां वॉलेट कनेक्ट करने को कहा जाता है। अनुमति मिलते ही, ठग बिना देरी के पूरा वॉलेट खाली कर देते हैं। क्रिप्टो लेनदेन अपरिवर्तनीय होने के कारण एक बार पैसा जाने पर उसे वापस पाना लगभग असंभव है।

क्या बरतें सावधानी? साइबर एजेंसियों ने यूजर्स को कुछ महत्वपूर्ण सावधानियां बरतने की सलाह दी है।

- **किसी भी अनजान वेबसाइट से वॉलेट कनेक्ट न करें।**
- **अपनी संवेदनशील जानकारी साझा न करें।**
- **किसी भी लिंक की जांच किए बिना आगे न बढ़ें।**
- **संदिग्ध डीएप्स को तुरंत डिस्कनेक्ट करें।**

धोखाधड़ी का शिकार होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें या सायबरक्राइमडॉटजीओवीइन पर शिकायत दर्ज कराएं।

महाराष्ट्र में दशक का सबसे मजबूत अप्रैल, संपत्ति पंजीकरण में 6 फीसदी उछाल

अप्रैल 2026 में 13,864 लेनदेन दर्ज, उपभोक्ता मांग में वृद्धि का संकेत

मुंबई।

महाराष्ट्र के आवासीय संपत्ति बाजार ने अप्रैल 2026 में एक दशक से अधिक समय का सबसे मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है। राज्य के पंजीकरण और स्टाम्प विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में कुल 13,864 संपत्ति लेनदेन हुए, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 6 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि शहरों में उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग का स्पष्ट संकेत है। यह अप्रैल का महीना पिछले 14 वर्षों में भी सबसे अच्छा रहा। इस दौरान 1,114 करोड़ रुपये से अधिक का स्टाम्प शुल्क संग्रह हुआ, पर पंजीकरण में वृद्धि के बावजूद राजस्व में सालाना आधार पर मात्र 1 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज की गई। नाइट फ्रैंक इंडिया के एक अ धिकारी बताते हैं कि उच्च पंजीकरण के बावजूद, स्टाम्प शुल्क संग्रह में नरमी टिकट के आकार में बदलाव (मध्यम बजट वाले घरों की मांग) के कारण है, जो निरंतर मांग का संकेत है। रियल एस्टेट विशेषज्ञ इसे अंतिम उपभोक्ताओं, विशेषकर मध्यम वर्ग की बढ़ती मांग का प्रमाण मानते हैं, जो छोटे और मध्य-श्रेणी के आवासों की ओर बढ़ रहे हैं। हालांकि, पिछले महीने (मार्च) की तुलना में अप्रैल में पंजीकरण में 13 प्रतिशत और स्टाम्प शुल्क संग्रह में 27 प्रतिशत की गिरावट आई, जो मार्च के मजबूत प्रदर्शन के बाद एक सामान्य मौसमी धीमी गति है।

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

उड़ते पंछी के परों का इंद्रधनुष

पंछियों को उड़ने के लिए पंखों का तोहफा देने वाले नेचर ने वाकई अद्भुत कारीगरी दिखाई है। आओ इन पंखों को जानें और करीब से।

पर, पर हैं क्या?

पंख, पर या फैदर्स असल में पंछियों की ऊपरी त्वचा यानी स्किन पर उगने और उसे कवर करने वाली संरचना होते हैं। साइंस की भाषा में कहा जाए तो यह एपिडर्मिस के ऊपर होने वाली ग्रोथ है। साइंस यह भी कहता है कि रेप्टाइल्स के शरीर पर पाए जाने वाले स्केल्स ही असल में पक्षियों के शरीर पर पंखों के रूप में विकसित हुए हैं। पंछियों के अलावा ये कुछ अन्य प्राणियों के शरीर पर भी पाए जाते हैं। वहां इनका रूप भी अलग हो सकता है। पंख भी नाखून और बालों की ही तरह कैराटिन नाम के प्रोटीन से बनते हैं।

उड़ो और बचो भी

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

रंगों का मजेदार विज्ञान

पंछियों के पर क्रिएटिविटी के मामले में भी प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी होते हैं। रंग-बिरंगे इंद्रधनुष से ये पंख वाकई इंद्रधनुष सी ही काबिलियत रखते हैं। तुम्हें ये जानकर और भी आश्चर्य होगा कि फैदर्स में इंद्रधनुष के सारे रंग होते हैं। इनमें से ज्यादातर रंग एक खास पिगमेंट के कारण बनते हैं। यह क्रिया ठीक ऐसे ही होती है जैसे खाना बनाते समय फूड कलर्स को यूज करने पर होती है। जैसे कि जब तुम किसी पकवान में लाल या पीला रंग मिलाते हो तो वो लाल या पीले रंग का हो जाता है। ठीक उसी तरह पंखों में भी जिस रंग का पिगमेंट मौजूद होता है वो उसी रंग के नजर आते हैं। यहां एक रोचक बात यह है कि इंद्रधनुष के बाकी प्रायमरी कलर्स के पिगमेंट तो फैदर्स में होते हैं लेकिन नीले रंग का कोई पिगमेंट नहीं होता। तो फिर 'नीलकंठ' जैसे पंछी के पंखों का रंग कहां से आता है? इसके पीछे भी विज्ञान काम करता है। नीले रंग के मामले में प्रकृति द्वारा बनाई पंख की संरचना मुख्य काम करती है। नीले रंग के पंखों का आकार और संरचना इस तरह की होती है कि जब प्रकाश इस पर पड़ता है तब यह पंख केवल नीले रंग को ही हमारी आंखों पर रिफ्लेक्ट या परावर्तित करता है। यहां यह भी याद रखना कि साधारण प्रकाश में इंद्रधनुष के सारे रंग छुपे होते हैं लेकिन नीले पंखों की डिजाइन ऐसी होती है कि वो हमारी आंखों तक केवल नीला रंग ही पहुंचाता है।

एक्सपेरिमेंट

एक नीले रंग का पंख लेकर उस पर ऊपर की तरफ से फ्लैशलाइट डालो। इससे तुम्हें चमकता हुआ नीला रंग दिखाई देगा। अब इसी लाइट को फैदर के अंदर की तरफ से डालो। नीला रंग गायब हो जाएगा। मगर यही एक्सपेरिमेंट जब तुम लाल या पीले या अन्य किसी रंग के पंख के साथ करोगे तो तुम्हें किसी भी डायरेक्शन से सेम कलर ही दिखाई देगा। है ना ये नेचर का मैजिक।

हरे रंग का जादू

अब इसी तरह पंखों के हरे जादू को भी समझो। यहां भी रोचक बात यह है कि नेचर ने केवल एक ही पक्षी 'टरकॉइज' के पंखों में हरे रंग का पिगमेंट दिया है। तो फिर बाकी के हरे रंगों वाले पंख पंछियों के पास कैसे होते हैं? तो बाकी सारे हरे रंग के पक्षी असल में हरे रंग को दिखाने के लिए अपने पास मौजूद पीले रंग के पिगमेंट और ब्लू वेवलेंथ्स का कॉम्बीनेशन यूज में लाते हैं। अब नीले और पीले रंग को मिलाने पर हरा रंग बनता है ये सब जानते ही हैं।

बचाओ पंख और पक्षी भी

ये जाहिर सी बात है कि पंख किसी पक्षी के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। लेकिन कुछ लोग इस बात को नहीं समझते और खूबसूरत पंखों के लिए पंछियों को मार देते हैं। दुनियाभर में इसके लिए कई सारे कानून भी बनाए गए हैं ताकि निर्दोष पक्षियों को नुकसान पहुंचने से बचाया जा सके। हां, अगर जमीन पर गिरे पंख इकट्ठे करके कोई अपने पास रखे तो कोई बात नहीं।

रोचक बातें पंखों की

पंख पंछियों के नाजुक शरीर की रक्षा का काम करते हैं। कुछ पंछी तो ऐसे भी हैं जिनके नन्हे पंख उनके लिए आइलैशेज का भी काम करते हैं। उल्लू जैसे कुछ पक्षियों के पंख उनके लिए प्रोटेक्टिव शॉल का भी काम करते हैं और दुश्मनों की नजर से उन्हें पूरी तरह छुपा देते हैं। बर्फ में रहने वाले पंछियों के पैरों में भी पंख होते हैं और वे उनके लिए स्नो शूज का काम करते हैं। ये ठंड के साथ-साथ उन्हें बर्फ में ग्रिप बनाए रखने में भी मदद करते हैं। कुछ पक्षी अपने पंखों से आवाज भी करते हैं। ये आवाज पंखों से गुजरने वली हवा के कारण पैदा होती है।

ध्यान से सुनो हर बात

कई बार तुम्हें कक्षा में सुनने का मिलता है कि तुम ध्यान से सुन नहीं रहे हो। ध्यान से सुनो। सुनोगे नहीं तो बात समझ में नहीं आएगी।

कभी तुमने सोचा है कि समझने के लिए सुनना क्यों जरूरी है? क्यों अक्सर हम कहते हैं कि ध्यान से सुनना चाहिए। अगर अच्छे वक्ता बनना चाहते हो तो सुनने की आदत डालनी चाहिए। इससे हमारे बोलने के तौर-तरीके भी सुधरते हैं। हमें मालूम पड़ता है कि इस बात को और कैसे सुंदर तरीके से बोला जा सकता है। सुनने की आदत डालने से बोलने की कला भी विकसित होती है। जब भी कक्षा में या कहीं भी कोई वक्ता बोल रहा होता है तो ध्यान से उसे सुनना भी एक कला है। अगर तुम चाहते हो कि बोलने वाले की बात को काटना है या तर्क करना है तो उसके लिए बोलने वाले की हर बात को ध्यान से सुनना बेहद जरूरी है, वरना बोलने वाला कह सकता है कि मैंने तो ऐसा कहा ही नहीं। आपने ठीक से मेरी बात नहीं सुनी। इस आरोप से तभी बचा जा सकता है, जब तुम कहने वाले की बात को गौर से सुनोगे। सुनने से दूसरों के विचारों को जाना जा सकता है। इससे तुम्हारे ज्ञान में वृद्धि होती है।

कैसे और कितना सुनो?

सुनने के लिए जरूरी है कि एक बोलने वाला भी हो। वह किस विषय पर किस गंभीरता से बोल रहा है, यह भी जरूरी है। सुनने वाले की रुचि की बात की जाए तो सुनने वाले का ध्यान खुद ब खुद बोलने वाले की ओर चला जाता है। कई बार बोलने वाले की सुस्तता की वजह से भी सुनने वाले को अच्छा नहीं लगता। जब तुम कक्षा में बैठे हो तो कक्षा में बताई जाने वाली बातों को ध्यान से सुनने की आदत डालो। इससे तुम्हारी काफी सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। कक्षा में विषय को पढ़ाते वक्त मैडम बातों ही बातों में कई ऐसी बातें कह जाती हैं, जो न केवल तुम्हारे विषय की समझ के लिए जरूरी होती हैं, बल्कि जीवन में भी काम आती है। सुनते वक्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बोलने वाला क्या बोल रहा है और क्यों बोल रहा है। कक्षा में पढ़ाए गए विषय को दूसरे को सुनाना और दूसरे से उस विषय को सुनने से ज्यादा याद होता है।

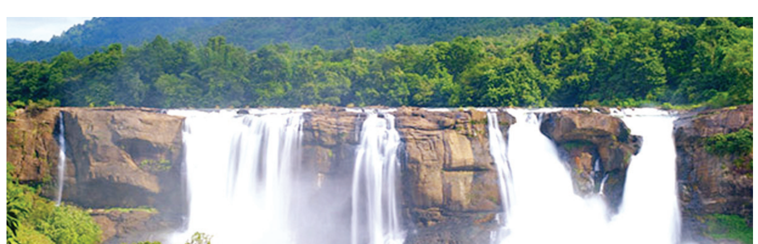

प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर कुदरत की अनुपम कारीगरी अथिरापल्ली और वाज्हचाल

दोस्तों, विश्व प्रसिद्ध नयाग्रा जल प्रपात का नाम तो तुमने सुना ही होगा। इसे देखने के लिए हर साल करोड़ों लोग वहां जाते हैं। सैकड़ों फुट ऊपर से गिरता पानी जब नीचे जाकर भाप जैसा रूप लेता है तो बरबस ही सबका मन मोह लेता है। हमारे देश में भी ऐसे कई स्थान हैं, जो इसी तरह के हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में हम वहां की सैर नहीं कर पाते। ये स्थान भी प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर हैं, कुदरत की अनुपम कारीगरी यहां दिखाई देती है। जो यहां आता है, बस यहीं का होकर रह जाता है। ऐसे ही दो जलप्रपात हैं केरल में। शोलयार वन श्रंखला के वर्षा वनों से लगा, घने संरक्षित वनों के बीच जो विभिन्न प्रजातियों के वन्य जीवन की आश्रय स्थली भी है, एक के बाद एक, दो जल प्रपात हैं, जिन्हें देख कोई भी झूमे बगैर नहीं रह सकता। यकीनन होश उड़ाने वाला प्राकृतिक सौंदर्य। नाम है अथिरापलली और वाज्हचाल। केरल के थ्रिस्सूर शहर से कोच्ची जाने वाले हाईवे पर 30 किलोमीटर चलने पर चालकुडी और वहां से बांयी और दूसरी सड़क पर 33 किलोमीटर जाने पर अथिरापल्ली का जल प्रपात पड़ेगा। यहां से 4 किलोमीटर और आगे जाएंगे तो वाज्हचाल नाम का दूसरा प्रपात भी है जिसे भारत का नयाग्रा भी कहा जाता है। पहले आप पहुंचते हैं अथिरापल्ली। यहां एक सुंदर उद्यान है। सामने ही बांस के घने झुरमुटों के बीच से आगे बढ़ने पर अपने संपूर्ण वैभव के साथ प्रवाहित हो रही चालकुडी नदी के दर्शन होते हैं। बांस की टहनियों पर उछल कूद करते अनेक बन्दर भी आपका स्वागत करते प्रतीत होते हैं। यहां लकड़ी से बने बेंच भी लगे हुए हैं, जो आपको वापसी में ललचाएंगे क्योंकि अभी तो नीचे उतरना है। दाहिनी ओर नीचे जाने के लिए आरामदायक पत्थर बिछा मार्ग बना हुआ है जो कुछ लंबा पड़ता है। अति उत्साही प्रकार के पर्यटक सीधे नीचे भी उतर सकते हैं, सीढ़ियों के प्रयोग के बिना ही। आधी दूर नीचे जाने पर ही जल प्रपात के प्रथम दर्शन होने लगते हैं भले ही गिरते पानी की गर्जना कानों में पहले से ही गूंजती रहती है। फिर आप सीधे आमने सामने रहते है इस भव्य प्रपात के। जब पानी की बूंदों की बौछार अपने मुंह पर पड़ती है उस समय आनंद की कोई सीमा नहीं रहती। यहां भी बेंचें लगी हुई हैं आपके विश्राम करने के लिए। प्रपात के बहुत करीब जन जोखिम से भरा होगा। पिकनिक मानाने के लिए प्रपात के नीचे का स्थल आदर्श है। वापस ऊपर आने के बाद हमें उन बेंचों की याद आएगी ही, जो उद्यान में लगे हुए हैं। यहां तनिक विश्राम करने के बाद आगे वाज्हचाल के लिए निकला जा सकता है। चालकुडी नाम के शहर से यहां इस 30 किलोमीटर का मार्ग सुखद है परन्तु अथिरापल्ली से आगे वाज्हचाल 4 किलोमीटर का मार्ग कच्चा और थोड़ा दुखदायी है। लेकिन जैसे ही प्रपात के दर्शन होंगे, पूरी थकान काफूर हो जाएगी। यहां भी प्रपात तक जाने की अच्छी व्यवस्था बनाई गई है। यहां से आगे का रास्ता एक वालपराई नामके हिल स्टेशन को जाता है जहां चाय के बागान भी हैं।

बीरबल की खिचड़ी

ठंड का समय था दिल्ली में बहुत ही ज्यादा ठंड पड़ी थी। उस समय बादशाह अकबर और बीरबल दोनों ही सुबह-सुबह बगीचे में घूम कर रहे थे। बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, बीरबल देख रहे हो कितनी ज्यादा ठंड है। ऐसा लग रहा है कि अगर कोई बिना गर्म कपड़ों के बाहर आ जाए तो वह तुरंत ही बर्फ की तरह जम जाएगा।

जी हां जहांपना बिल्कुल सही कह रहे हैं आप। बीरबल ने अकबर से कहा।

अच्छा बीरबल यह बताओ इतनी ठंड में भी तुम यहां आ गए। लेकिन ऐसे बहुत से लोग होंगे जो इतनी सर्दी में घर से बाहर नहीं निकल रहे होंगे और अपने कामकाज को भी नहीं कर रहे होंगे।

जी हां, जहाँपनाह आपकी बात तो सही है। लेकिन ऐसे बहुत से लोग भी है जो मजबूरी के चलते इस सर्दी में भी निकला करते हैं। मजबूरी में ऐसे काम किया करते हैं जो इस सर्द में नहीं करनी चाहिए। बीरबल ने कहा।

अकबर ने बीरबल से कहा, अच्छा लेकिन मैं यह नहीं मानता। मैं नहीं मानता कि कोई इतनी सर्दी में अपने घर से निकलेगा और काम पर जाएगा। वह तो घर के अंदर रहकर गर्म बिस्तर पर लेटा रहेगा। लेकिन उठकर काम पर नहीं जाएगा।

नहीं नहीं जहाँपनाह बात ऐसी नहीं है। लोगों की मजबूरी है कि वह इस सर्द में भी निकल करकाम करें बीरबल ने अकबर को बताया।

अच्छा! ऐसी बात है तो मुझे साबित करके दिखाओ कि कोई इतनी सर्दी में भी चंद पैसों के लिए भी काम करने को कैसे निकल सकता है। बादशाह अकबर ने बीरबल चुनौती देते हुए कहा। वही पास एक तालाब भी था जिसका पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था। बादशाह अकबर ने उस तालाब की ओर इशारा किया और बीरबल से कहा, बीरबल उस तालाब को देखो उस तालाब को देखकर ही ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उसका पानी कितना ठंडा होगा। तुम एक ऐसे व्यक्ति को लेकर आओ जो रातभर इस तालाब में रहकर गुजार दें। मैं उसे ढेरों इनाम दूंगा।

बीरबल ने कहा, आपका हुकुम सर आंखों पर। आप जैसा कह रहे हैं मैं वैसा तुरंत करता हूं और आज ही एक ऐसे व्यक्ति का इंतजाम करता हूं जो यह कार्य कर देगा।

बीरबल तुरंत ही दरबार से निकला और इस बात का ऐलान कर दिया कि राजा उस व्यक्ति को ढेरों इनाम देंगे जो रात भर बगीचे की तालाब में रहकर गुजार देगा। जनता में से एक आदमी गंगाराम बादशाह के दरबार में पहुंचा और उसने राजा से कहा, बादशाह सलामत रहे। मेरे बादशाह आपने जो करने को कहा था वह करने के लिए मैं तैयार हूं।

बादशाह अकबर ने कहा, मैं तुम्हारे हिम्मत की दाद देता हूं। आज के लिए तुम हमारे मेहमान हो। जाओ और रात को हम तुम्हें उस तालाब में लेकर जाएंगे। उस तालाब पर तुम्हें पूरी रात गुजारनी है।

रात का समय हुआ। गंगाराम को तालाब के पास ले जाया गया। गंगाराम ने तालाब का पानी छूकर देखा। तालाब का पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था फिर भी गंगाराम हिम्मत करके तालाब के अंदर चला गया। शुरुआत में गंगाराम बहुत ही कांप रहा था लेकिन कुछ देर बाद वह सीधा खड़ा होकर पूरा रात गुजार दिया।

दिन होते ही उसे बादशाह के दरबार पर बुलाया गया। बादशाह अकबर उसे देखकर दंग रह गए। उन्होंने तुरंत ही गंगाराम से पूछा, आखिरकार तुम पूरी रात इतनी ठंडी में कैसे रह गए? अगर मैं होता तो मैं मर ही जाता।

गंगाराम ने बादशाह अकबर के सवालों को जवाब दिया, जहांपना, पास ही में एक जलता हुआ दीपक था जिसकी ओर ध्यान कर उसे देखकर मैं पूरी रात गुजार गया। मैंने अपना पूरा ध्यान उसपर रखा।

ओह! तो यह बात है। तुमने उस दीपक से गर्मी ली और उस गर्मी से पूरी रात भर तालाब में रह गए। तो तुमने तो हम सब के साथ धोखा किया है। वैसे मैं तुम्हें जाने देता हूं क्योंकि यह काम करना आसान नहीं था। लेकिन तुमने जिस तरीके का काम किया है उसके लिए मैं तुम्हें कोई भी इनाम नहीं दूंगा। यह कहकर बादशाह ने गंगाराम को वापस भेज दिया।

वही पास में बीरबल खड़ा यह सब चीजें देख रहा था। तभी राजा ने बीरबल से कहा, देखा बीरबल इस तरह का काम कोई भी नहीं कर सकता।

बीरबल ने कहा, जी हाँ जहांपनाह आप बिल्कुल सही कह रहे हैं। यह कहकर बीरबल अपने घर लौट गया।

अगले दिन बीरबल ने बादशाह अकबर को खाने में आमंत्रित किया। बीरबल ने कहा, बादशाह मैं बहुत ही अच्छी खिचड़ी बनाता हूं। मैं चाहता हूं कि कल आप मेरे घर आए और मेरी हाथ की बनी हुई खिचड़ी खाए।

राजा ने बीरबल का निमंत्रण स्वीकार किया और अगले दिन बीरबल के घर जा पहुंचे। बीरबल के घर पहुंचते ही बादशाह ने बीरबल से कहा, बीरबल, लेकर आओ तुम्हारी खिचड़ी जरा हम भी तो उसका स्वाद ले कर देखें कि आखिर तुम कैसी खिचड़ी बनाते हो?

जी हां जहांपना बस खिचड़ी तैयार होने वाली है। बीरबल ने कहा।

ठीक है ।राजा ने कहा।

समय बीतता जा रहा था ओर राजा का भूख बढ़ता ही जा रहा था। ऐसे में बादशाह ने बीरबल से फिर पूछा, बीरबल तुम्हारी खिचड़ी बनने में और कितना समय लगेगा। मेरी भूख बढ़ती ही जा रही है।

बीरबल ने जवाब दिया, बस जहांपना कुछ देर और आप की खिचड़ी तुरंत तैयार हो जाएगी।

अच्छा ठीक है। जल्दी लेकर आओ।

ऐसे करते करते और समय बीत गया और राजा का भूख बढ़ने लगा था उन्होंने गुस्से में आकर बीरबल से पूछा, तुम क्या कर रहे हो? अभी तक तुम्हारा खिचड़ी तैयार नहीं हुआ। जल्दी लेकर आओ मुझे बहुत भूख लगी है

जी हां जहाँपनाह मैं अभी लेकर आता हूं बस यह तैयार होने वाला है। यह कहकर बिरबल फिर अपनी रसोई की ओर चला गया। कुछ समय और बीतने के बाद राजा उठकर बीरबल की रसोई की ओर जा पहुंचे। बादशाह अकबर ने देखा कि बीरबल हांड़ी(पकाने का बरतन) को आग से बहुत ही ऊपर लगाकर रखा था। जिससे कि आग की ताप उस हांड़ी तक नहीं पहुंच सकती थी। ऐसे में राजा ने बीरबल ने कहा, अरे बेवकूफ! तुम आखिर कर क्या रहे हो? ऐसे में तो तुम्हारी खिचड़ी कभी भी नहीं पकेगी।

पकेगी जहाँपनाह यह जरूर पकेगी। बीरबल ने कहा।

अरे आग का ताप तो हांड़ी में पहुंच ही नहीं रहा है तो फिर तुम्हारी खिचड़ी कैसे पक सकती है। इसके लिए आग का ताप खिचड़ी की हांड़ी तक पहुचाना चाहिए। राजा ने समझाते हुए कहा।

बीरबल ने कहा, जिस तरह से एक छोटा सा दीपक गंगाराम को ताप दे सकता है। तो इस तरह से हांड़ी को आग से ताप अवश्य ही मिल जाएगा।

यह बात सुनकर बादशाह समझ चुके थे कि उन्होंने क्या गलती की थी। तुरंत ही राजा ने बीरबल को कहा, बीरबल मैं समझ चुका हूं कि तुम आखिर कहना क्या चाहते हो। मैं तुरंत ही गंगाराम को बुलाकर उसका इनाम उसे दूंगा और मैं तुम्हारा शुक्रिया करता हूं कि तुमने मेरी गलती को मुझे बताया।

आईपीएल 2026: पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच रोमांचक मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 का एक और रोमांचक मुकाबला अहमदाबाद में होने जा रहा है, जहाँ पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस आमने-सामने होंगी। शाम 7:30 बजे शुरू होने वाले इस मैच में, जहाँ पंजाब किंग्स अपनी पिछली हार से उबरकर वापसी करना चाहेगी, वहीं गुजरात टाइटंस लगातार तीसरी जीत दर्ज कर अपने अभियान को गति देने के इरादे से मैदान में उतरेगी। यह मुक़ाबला दोनों ही टीमों के लिए अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है।

पंजाब किंग्स ने इस सीज़न की शुरुआत बेहद शानदार अंदाज़ में की थी, लगातार छह जीत दर्ज कर उन्होंने अपनी मज़बूत स्थिति का प्रदर्शन किया। हालांकि, हालिया हार ने टीम की कुछ कमज़ोरियों को उजागर किया है, खासकर गेंदबाज़ी विभाग में निरंतरता की कमी चिंता का विषय बनी हुई है। आठ मैचों में 13 अंकों के साथ टीम अभी भी अंक तालिका में शीर्ष पर है, जो उनकी शुरुआती ज़बरदस्त फॉर्म का नतीजा है। बल्लेबाज़ी के मोर्चे पर, पंजाब किंग्स ने अपनी ताक़त दिखाई है। सलामी बल्लेबाज़ प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने टीम को लगातार मज़बूत शुरुआत दी है, जबकि मध्य क्रम में श्रेयस अय्यर और कूपर कोनोली जैसे बल्लेबाज़ों ने पारी को संभाला है। इनकी बदौलत टीम बड़े लक्ष्य बनाने और उनका पीछा करने में सफल रही है। इस मैच में भी टीम को अपनी बल्लेबाजी पर काफी भरोसा होगा ताकि वे अपनी शीर्ष स्थान को बरकरार रख सकें।

दूसरी ओर, गुजरात टाइटंस का प्रदर्शन इस सीज़न में उतार-चढ़ाव भरा रहा है। हालांकि, टीम ने हाल ही में लगातार दो जीत हासिल कर आत्मविश्वास प्राप्त किया है और 10 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर पहुँच गई है। गुजरात की बल्लेबाज़ी काफी हद तक अपने शीर्ष तीन बल्लेबाज़ों पर निर्भर करती है, जिनकी फॉर्म टीम के प्रदर्शन में निर्णायक भूमिका निभाती है। मध्य क्रम में, वॉशिंगटन सुंदर ने कुछ अच्छी पारियाँ खेली हैं, लेकिन शाहरुख खान और राहुल तेवतिया जैसे फिनिशर अभी तक अपनी पूरी क्षमता के साथ प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। पिछले मैच में टीम में शामिल किए गए जेसन होल्डर ने गेंद और फील्डिंग दोनों से महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे टीम को थोड़ी राहत मिली है। इस मैच में उनसे भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी, खासकर फिनिशिंग में टीम को एक मजबूत प्रदर्शन की दरकार है। यह मुक़ाबला गुजरात के लिए प्लेऑफ की दौड़ में अपनी स्थिति को और बेहतर बनाने का एक बेहतरीन अवसर है।

यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जहाँ एक ओर पंजाब शीर्ष पर अपनी पकड़ मज़बूत करना चाहेगी, वहीं गुजरात अपनी लय को बरकरार रखते हुए प्लेऑफ की दौड़ में आगे बढ़ना चाहेगी। दर्शकों को निश्चित रूप से एक कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी।

एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं मनु

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता महिला निशानेबाज मनु आजकल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं। मनु का लक्ष्य इन टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन चक्र के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना है। मनु का कहना है कि अभी उनका ध्यान अपना फॉर्म बनाये रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर है। मनु ने दृढ़ता से कहा, इस साल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट्स हमारे सामने हैं, और हम इन दोनों बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने कोच के साथ बैठकें की हैं और आगामी टूर्नामेंट्स तथा अपनी तैयारी की एक संपूर्ण और सुनियोजित रूपरेखा तैयार कर ली है। इससे ये साफ है कि उनकी रणनीति केवल तात्कालिक सफलता पर नहीं, बल्कि एक लंबी अवधि की योजना का हिस्सा है।

उन्होंने पिछले साल 10 मीटर एयर पिस्टल में वर्ल्ड कप रजत पदक जीता और इस साल भी 25 मीटर पिस्टल में एशियन चैंपियनशिप में रजत हासिल किया। अब उनका लक्ष्य एक बार फिर अपनी पुरानी, शीर्ष स्तरीय लय हासिल करना है, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक निर्विवाद मजबूत दावेदार बनाएगी। यह वापसी केवल उनके लिए नहीं, बल्कि भारतीय शूटिंग जगत के लिए भी प्रेरणा का स्रोत होगी।

2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का क्वालिफिकेशन चक्र भी इसी साल से शुरू हो रहा है, और मनु भाकर इस पर भी अपनी पैनी निगाहें जमाए हुए हैं। उनका मानना है कि एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे बड़े आयोजनों में किया गया दमदार प्रदर्शन न केवल उन्हें वर्तमान सत्र में सफलता दिलाएगा, बल्कि लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए भी एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करेगा।

खेल के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को भी मनु ने साझा किया। उन्होंने 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स में शूटिंग की वापसी पर अपनी खुशी व्यक्त की। अपने खेल जीवन के अलावा, मनु ने अपने व्यक्तिगत जीवन में आए एक महत्वपूर्ण बदलाव का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, मैं अब एक आध्यात्मिक व्यक्ति हूं। यह आध्यात्मिक यात्रा ओलंपिक के दौरान ही शुरू हुई थी, और अब मैं पूरी तरह से इस रास्ते पर आगे बढ़ रही हूं। यह नया दृष्टिकोण उन्हें मानसिक शांति और एकाग्रता प्रदान कर रहा है, जो एक उच्च-स्तरीय एथलीट के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

थॉमस कप में फ्रांस ने रचा इतिहास, पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत से भिड़ेगा

डेनमार्क (एजेंसी)। डेनमार्क के होर्सेन्स में खेले जा रहे प्रतिष्ठित थॉमस कप में फ्रांस ने इतिहास रचते हुए पहली बार सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है। फ्रांस ने क्वार्टर फाइनल में जापान पर 3-0 की शानदार जीत के साथ यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस विजय ने न केवल फ्रांस को प्रतियोगिता में अपना पहला पदक दिलाया है, बल्कि अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला गत चैंपियन भारत से तय हो गया है, जो बैडमिंटन प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक भिड़ंत का वादा करता है। फ्रांस की टीम ने टूर्नामेंट में अपना असाधारण प्रदर्शन जारी रखा, खासकर एकल स्पर्धाओं में उन्हें पूरी तरह से सफलता मिली। क्रिस्टो पोपोव ने कोडाई नाराओका के खिलाफ एक कड़े शुरुआती मुकाबले में लय बनाई और आखिरकार जीत हासिल की। क्रिस्टो ने मैच के बाद कहा, जब आप कोडाई के साथ खेलते हैं, तो आपको पता होता है कि यह लंबा होने वाला है और आप जानते हैं कि वह आसान गलतियां नहीं करेगा। वह आपको दौड़ाएगा, बहुत पसीना दिलाएगा। मैं इसके लिए तैयार था। इसके बाद, एलेक्स लैनियर ने युशी तनाका पर जीत के साथ फ्रांस की बढ़त को 2-0 किया, जिससे टीम एक ऐतिहासिक नतीजे के कगार पर पहुंच गई।

निर्णायक तीसरे रबर में, टोमा जूनियर पोपोव ने कोकी वतनबे के खिलाफ 21-19, 23-21 से जीत हासिल की, जिसने उनकी टीम को पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचाया। टोमा जूनियर ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, मैं बहुत खुश और आनंदित हूं। मेरे शरीर में अब ऊर्जा नहीं बची है। मैंने कोर्ट पर अपना सब कुछ झोंक दिया। यह अविश्वसनीय है। हमने मंगलवार को इंडोनेशिया के खिलाफ जीतकर और क्वालीफाई करके इतिहास रचा, और अब हम इसे फिर से लिख रहे हैं, टीम चैंपियनशिप में पहला मेडल। उन्होंने फ्रेंच बैडमिंटन और फ्रांस पर इस जीत के बड़े प्रभाव पर भी जोर दिया, इसे देश के खेल के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बताया।

इस बीच, भारत ने भी चीनी ताइपे पर 3-0 से दमदार जीत हासिल करके सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है। भारत की यह जीत लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी व चिराग शेट्टी की डबल्स जोड़ी के शानदार प्रदर्शन से मिली। मेजबान टीम डेनमार्क ने भी थाईलैंड पर 3-1 से जीत हासिल करके अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की।

हैदराबाद में महामुकाबला: एक तरफ सनराइजर्स का विजय रथ, दूसरी ओर केकेआर की वापसी की चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में एक रोमांचक मुकाबले के लिए हैदराबाद का राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम तैयार है, जहां सनराइजर्स हैदराबाद का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 3ः30 बजे शुरू होगा, और फैंस को एक हाई-ऑक्टेन मैच की उम्मीद है। एक ओर जहां सनराइजर्स अपनी शानदार फॉर्म और लगातार जीत के सिलसिले को बरकरार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी, वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स टीम इस सीज़न में अपनी लय खोजने और अंक तालिका में ऊपर चढ़ने के लिए संघर्ष करती नज़र आएगी।

सनराइजर्स हैदराबाद इस समय टूर्नामेंट की सबसे खतरनाक टीमों में से एक लग रही है। वे लगातार पांच मैच जीत चुकी है और नौ मैचों में छह जीत तथा बारह अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर काबिज है। टीम की सबसे बड़ी ताकत उसकी बल्लेबाजी है, जिसने लगातार बड़े स्कोर खड़े किए हैं और उन्हें खिताब का प्रबल दावेदार बना दिया है। अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन, ईशान किशन और ट्रैविस हेड जैसे बल्लेबाज प्रचंड फॉर्म में हैं। हाल ही में, ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने 76 रनों की आतिशी पारी खेलकर टीम को 243 रनों के विशाल लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने में मदद की थी, जो उनकी बल्लेबाजी इकाई की गहराई और क्षमता को बखूबी दर्शाता है। कप्तान पैट कमिंस की वापसी से टीम की गेंदबाजी को भी मजबूती मिली है, जो पहले से ही संतुलन में दिख रही है। प्रफुल्ल हिंगे, साकिब हुसैन और ईशान मलिंगा जैसे युवा और अनुभवी गेंदबाज भी महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा योगदान दे रहे हैं, जिससे टीम एक पूर्ण और आत्मविश्वास से भरी इकाई के रूप में दिख रही है।

दूसरी ओर, कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रदर्शन इस सीज़न में उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा है और वे उतार-चढ़ाव भरे दौर से गुज़र रही है। टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। हालांकि उन्होंने हाल के दो मैच जीते हैं, लेकिन टीम में अभी भी स्थिरता की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। कप्तान अजिंक्य रहाणे की अगुवाई में टीम अभी तक अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन नहीं कर पाई है। बल्लेबाजी विभाग में फिन एलन और टिम सीफर्ट जैसे खिलाड़ियों का निराशाजनक प्रदर्शन चिंता का विषय रहा है, जबकि वरुण चक्रवर्ती का फॉर्म भी टीम के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। तेज गेंदबाजी विभाग में अनुभव की कमी ने भी टीम के लिए मुश्किलें खड़ी की हैं। कोलकाता को अब हर विभाग में बेहतर प्रदर्शन करने की सख्त जरूरत है ताकि वे टूर्नामेंट में अपनी स्थिति में सुधार कर सकें और प्लेऑफ की दौड़ में बने रहें।

दोनों टीमों के बीच पिछले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने 65 रनों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी, जो इस आगामी मैच में उनके आत्मविश्वास को और बढ़ाएगा। सनराइजर्स अपनी जीत की हैट्रिक को छह मैचों तक ले जाना चाहेगी, जबकि केकेआर उस हार का बदला लेने और अपने सीज़न को पटरी पर लाने की पुरजोर कोशिश करेगी। यह मुकाबला निश्चित रूप से रोमांचक होने की उम्मीद है, जिसमें सनराइजर्स की विस्फोटक बल्लेबाजी और केकेआर की वापसी की भूख के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी।

केएल राहुल बने आईपीएल के नए सिक्सर किंग, विराट और रोहित को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज़ केएल राहुल ने आईपीएल में उस समय इतिहास रचा जब उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेली गई अपनी 75 रनों की मैच जिताऊ पारी के दौरान 5 गगनचुंबी छक्के लगाए। इन 5 छक्कों के साथ केएल राहुल आईपीएल इतिहास में बतौर भारतीय ओपनर 200 छक्के जड़ने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं, जिससे उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व कप्तान विराट कोहली और मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा जैसे दिग्गज बल्लेबाज़ों को भी पीछे छोड़ दिया है। केएल राहुल और विराट कोहली के बीच बतौर ओपनर छक्कों की यह रेस आईपीएल 2026 की शुरुआत से ही चल रही थी, मगर राहुल ने इस महत्वपूर्ण मुकाबले में शानदार प्रदर्शन कर अब इस रेस में निर्णायक बढ़त बना ली है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 226 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, केएल राहुल ने 40 गेंदों पर 75 रनों की धुआँधार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान राहुल ने 6 चौके और 5 गगनचुंबी छक्के लगाए, जिसका मतलब है कि उन्होंने अपनी पारी के 50 प्रतिशत से अधिक रन सिर्फ़ चौके और छक्कों से बनाए। इन 5 छक्कों के साथ, केएल राहुल के नाम आईपीएल इतिहास में बतौर ओपनर कुल 201 छक्के हो गए हैं। वहीं, विराट कोहली 192 छक्कों के साथ दूसरे पायदान पर हैं, जो अब राहुल से 9 छक्के पीछे हो गए हैं। इस लिस्ट में मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज़ रोहित शर्मा काफ़ी पीछे रह गए हैं।

225 रन बनाकर भी राजस्थान हारा, गेंदबाज़ों के सिर फोड़ा रियान पराग ने ठीकरा

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स ने जब 225 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया होगा, तब शायद उसने यह नहीं सोचा होगा कि उसकी टीम इतना बड़ा स्कोर बनाने के बावजूद हार जाएगी। लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज़ों, खासकर केएल राहुल और पथुम निसांका की शानदार पारियों ने राजस्थान के इस स्कोर को बौना साबित करते हुए उन्हें एक करारी शिकस्त दी। दिल्ली के खिलाफ हार के बाद राजस्थान के कप्तान रियान पराग बेहद निराश नज़र आए और उन्होंने अपनी टीम की गलतियों को स्वीकार करते हुए हार का ठीकरा गेंदबाज़ों पर फोड़ा। पराग ने मैच के बाद बताया कि उनकी टीम से कहाँ गलती हुई जिसकी वजह से उन्हें 10 में से चौथी मैच में हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि बीच के ओवरों में उनके गेंदबाज़ों ने खूब रन लुटाए और लगभग हर ओवर में बाउंड्री भी दिए, जिससे टीम को हार का सामना करना पड़ा। उनका मानना था कि 200 के आसपास का स्कोर ठीक था, लेकिन बीच के ओवरों में और बेहतर गेंदबाज़ी की जा सकती थी ताकि विपक्षी टीम पर दबाव बनाया जा सके। केएल राहुल (40 गेंद में 75 रन) और पाथुम निसांका (33 गेंद, 62 रन) के अर्धशतकों की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को 19.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर सात विकेट से शिकस्त दी। दिल्ली कैपिटल्स लगातार तीन हार के बाद मिली इस जीत से आठ अंक लेकर तालिका में छठे स्थान पर पहुँच गई, जबकि राजस्थान रॉयल्स 12 अंक से चौथे स्थान पर कायम है। दिल्ली कैपिटल्स के लिए 'प्लेयर ऑफ़ द मैच' रहे राहुल (छह चौके, पांच छक्के) और निसांका (छह चौके, तीन छक्के) के बीच पहले विकेट के लिए 57 गेंद में 110 रन की महत्वपूर्ण भागीदारी हुई। इसके बाद नीतिश राणा ने 17 गेंद में 33 रन की पारी खेली, और फिर ट्रिस्टन स्टब्स (11 गेंद में नाबाद 18 रन) और आशुतोष शर्मा (15 गेंद में नाबाद 25 रन) ने टीम को पांच गेंद रहते तीन विकेट पर 226 रन तक पहुँचाकर ऐतिहासिक जीत दिलाई।

महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय ब्रिगेड का ऐलान

इन 15 खिलाड़ियों को मिला मौका, हरमनप्रीत को कमान

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। इस बार 15 सदस्यीय टीम की कमान अनुभवी बल्लेबाज हरमनप्रीत कौर को दी गई है, जबकि स्टार ओपनर स्मृति मंधाना को उप-कप्तान बनाया गया है। चयन समिति ने मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में हुई बैठक के बाद टीम को अंतिम रूप दिया, जिसमें मुख्य चयनकर्ता अमिता शर्मा, सचिव देवजीत सैकिया, कप्तान कौर और मुख्य कोच अमोल मजूमदार भी मौजूद रहे।

इस दौरान टीम के चयन में कुछ बड़े और चौंकाने वाले फैसले दिखाई दिए हैं। प्रतिका रावल को टीम में जगह नहीं मिल सकी है, जबकि विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया और लेफ्ट आर्म स्पिनर राधा यादव की वापसी हुई है। इसके अलावा तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा को भी टीम में शामिल किया है, जो अभी तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक भी मैच नहीं खेली हैं। वह घरेलू क्रिकेट और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में अपने प्रदर्शन के दम पर चर्चा में आई थीं। राधा यादव की वापसी को चयनकर्ताओं ने उनके हालिया ऑलराउंड प्रदर्शन का इनाम बताया है। उन्होंने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं यास्तिका चोट से उबरकर टीम में लौटी हैं। उन्होंने घुटने की सर्जरी के बाद लंबे समय तक क्रिकेट से दूरी बनाई थी और अब फिट होकर वापसी कर रही हैं। तेज गेंदबाजी विभाग इस समय चोटों से जूझ रहा है। ऑलराउंडर अमनजोत कौर पीठ की चोट के कारण बाहर हैं, जबकि कशवी गौतम को घुटने की गंभीर चोट के चलते ऑपरेशन कराना पड़ा है। इसके बाद नंदनी शर्मा को टीम में शामिल कर गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देने की कोशिश की गई है।

भारतीय टीम को आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप 1 में रखा गया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड्स जैसी टीमें शामिल हैं। भारत अपना पहला मुकाबला 14 जून को बर्मिंघम में पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद नीदरलैंड्स, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमों से मुकाबला होगा। भारत अब तक महिला टी20 विश्व कप का खिताब नहीं जीत सका है। 2020 में ऑस्ट्रेलिया में हुए टूर्नामेंट में टीम उपविजेता रही थी। अब 2026 में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम पहली बार खिताब जीतकर इतिहास रचने की कोशिश करेगी।

महिला टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), श्री चरानी, यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर), नंदिनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, क्रांति गौड़, श्रेयंका पाटिल और राधा यादव का नाम शामिल है।

जैमीसन को बेहद आक्रामक अंदाज़ में जश्न मनाना पड़ा मंहगा

नई दिल्ली इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में गेंदबाज़ों की ताबड़तोड़ कुटाई कर रहे राजस्थान रॉयल्स के ओपनर वैभव सूर्यवंशी का बल्ला शुक्रवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खामोश रहा, जब वे सिर्फ़ 4 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन इस विकेट के बाद दिल्ली के न्यूजीलैंड तेज़ गेंदबाज़ काइल जैमीसन के आक्रामक जश्न ने सोशल मीडिया पर एक नई बहस छेड़ दी, और उन्हें प्रशंसकों की तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा। वैभव सूर्यवंशी, जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाज़ी और 250 से अधिक की स्ट्राइक रेट के लिए जाने जाते हैं, उनका विकेट किसी भी टीम के लिए बेहद अहम माना जाता है। काइल जैमीसन ने शानदार यॉर्कर फेंकी, जिससे 15 वर्षीय सूर्यवंशी के पास कोई जवाब नहीं था और वे क्लीन बोल्ड हो गए। विकेट लेने के बाद, जैमीसन ने बेहद आक्रामक अंदाज़ में जश्न मनाया। उन्होंने सूर्यवंशी के सामने ज़ोर-ज़ोर से ताली बजाई और उन्हें सैंड ऑफ दिया, मानो उन्होंने किसी महान बल्लेबाज़ का विकेट हासिल किया हो। हालांकि जैमीसन के इस आक्रामक व्यवहार ने शायद उनकी टीम को पसंद आया हो, लेकिन सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने इसकी कड़ी निंदा की। कई यूज़र्स ने जैमीसन के व्यवहार को अनुचित बताया, खासकर इसलिए क्योंकि वैभव सूर्यवंशी सिर्फ़ 15 साल के युवा खिलाड़ी हैं। यह बात सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगी कि एक अनुभवी अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज़ का एक किशोर खिलाड़ी के प्रति ऐसा व्यवहार कितना उचित है। एक यूज़र ने अपनी नाराज़गी व्यक्त करते हुए लिखा, अरे भाई ठंड रखो, वो सिर्फ़ 15 साल का ही है। एक अन्य यूज़र ने टिप्पणी की, अरे भाई, एक 15 साल के बच्चे का विकेट लेकर इतना खुश हो रहे हैं। ऐसे जश्न मना रहे हो यह बता रहा है कि उनका लगाया चौका आपके इगो को हर्ट कर गया। कई प्रशंसकों ने जैमीसन के इस कृत्य पर हँसते हुए इमोजी का उपयोग करके उनकी खिल्ली उड़ाई और सवाल उठाया कि क्या खेल भावना का सम्मान नहीं करना चाहिए। प्रशंसकों की नाराज़गी इस बात पर केंद्रित थी कि खेल में खेल भावना का सम्मान होना चाहिए, और एक युवा खिलाड़ी के प्रति इस तरह का आक्रामक सैंड ऑफ उचित नहीं था, भले ही वह विकेट कितना भी महत्वपूर्ण क्यों न रहा हो। इस घटना ने एक बार फिर आईपीएल में खिलाड़ियों के व्यवहार और खेल भावना के महत्व पर एक नई चर्चा का विषय छेड़ दिया है, जहाँ फैंस उम्मीद करते हैं कि खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सम्मान और परिपक्वता भी दिखाएं।

धोनी, रोहित और सूर्यकुमार: आईपीएल 2026 की सबसे वायरल तस्वीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के सबसे यादगार पलों में से एक तब सामने आया जब भारत के तीन आईसीसी वर्ल्ड चैंपियन खिलाड़ी एक साथ एक ही फ्रेम में नज़र आए। महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के साथ सूर्यकुमार यादव की एक तस्वीर ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया और क्रिकेट प्रेमियों के बीच ख़ुशी की लहर दौड़ गई। यह तस्वीर चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच शनिवार शाम होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले चेपॉक में दोस्ती और सम्मान की एक अनोखी झलक दिखाती है।

इस ख़ास पल को मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज़ सूर्यकुमार यादव ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा किया। उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के साथ अपनी तस्वीर पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, ÷ग्रुप डीपी मिल गया। बस ग्रुप का नाम सजेस्ट करो।÷ इस पोस्ट ने तुरंत प्रशंसकों का ध्यान खींचा और कमेंट्स की बाढ़ आ गई, जहाँ हर कोई इन तीनों क्रिकेट दिग्गजों को एक साथ देखकर उत्साहित था। यह तस्वीर ऐसे समय में सामने आई है जब चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस दोनों ही टीमें आईपीएल 2026 में अपनी उम्मीदें बरकरार रखने के लिए करो या मरो के मुकाबले में आमने-सामने होंगी। लीग की ये दो सबसे सफल टीमें इस सीज़न लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही हैं, और प्लेऑफ़ की दौड़ में बने रहने के लिए दोनों ही टीमें जीत के लिए बेताब हैं।

रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली सीएसके अपने घरेलू मैदान चेपॉक पर भी इस सीज़न अस्थिर नज़र आई है। उनकी मिडिल ऑर्डर कमजोर रही है, वहीं गेंदबाज़ दबाव में मैच खत्म करने में नाकाम रहे हैं। पिछली बार जब दोनों टीमें वानखेड़े में भिड़ी थीं, तब संजू सैमसन के शतक की बदौलत सीएसके ने 103 रन से शानदार जीत दर्ज की थी, लेकिन इस बार मुंबई इंडियंस बदला लेने के इरादे से उतरेगी। सीएसके फिलहाल आठ मैचों में तीन जीत के साथ छठे स्थान पर है और टीम को अपने अनुभवी खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी की पिंडली की चोट के कारण गैरमौजूदगी का भी सामना करना पड़ रहा है।

वहीं मुंबई इंडियंस का सफ़र भी कुछ ऐसा ही रहा है। टॉप ऑर्डर की अच्छी शुरुआत के बावजूद, उनकी कमजोर मिडिल ऑर्डर और अनियमित गेंदबाजी ने उन्हें कई अहम मैचों में हार दिलाई है, जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 243 रन का बचाव करने में नाकामी भी शामिल है। नौवें स्थान पर काबिज़ मुंबई इंडियंस के लिए राह और भी मुश्किल है। प्लेऑफ़ की उम्मीदें ज़िंदा रखने के लिए उन्हें बाकी सभी मैच जीतने होंगे, जिससे यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। इस रोमांचक मुकाबले से पहले तीनों दिग्गजों की यह तस्वीर क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक सुखद अनुभव लेकर आई है, जो खेल की प्रतिस्पर्धा के बीच भी सम्मान और दोस्ती की मिसाल पेश करती है।

संजू सैमसन ऑरेंज कैप की दौड़ में पिछड़े, शीर्ष-5 में वापसी की चुनौती

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के स्टार बल्लेबाज़ संजू सैमसन ने दो शानदार शतक लगाए हैं, लेकिन इसके बावजूद वह ऑरेंज कैप की रेस में काफ़ी पिछड़ गए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने पिछले मैच में फ्लॉप रहने के बाद, सैमसन ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष-10 बल्लेबाज़ों की सूची से भी बाहर होकर 13वें पायदान पर आ गए हैं। सैमसन कई मैचों में बड़ी और प्रभावशाली पारियाँ तो खेल रहे हैं, लेकिन उनकी निरंतरता की कमी उन्हें शीर्ष पर पहुँचने से रोक रही है। जब उनका बल्ला नहीं चलता तो वह काफ़ी सस्ते में आउट हो जाते हैं, यही कारण है कि वह कुछ ही समय में ऑरेंज कैप की रेस में पिछड़ गए हैं। राजस्थान रॉयल्स से चेन्नई सुपर किंग्स की टीम में शिफ्ट हुए सैमसन इस सीज़न पहली बार पीली जर्सी में नज़र आए। अभी तक सीएसके के लिए खेले 9 मैचों में उनके बल्ले से 50.67 की औसत और 169.83 के स्ट्राइक रेट के साथ 304 रन निकले हैं, जिसमें मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उनके दो शानदार शतक भी शामिल हैं।

भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हैं अनन्या पांडे

अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म चांद मेरा दिल को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। युवा पीढ़ी की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक अनन्या, अपने करियर और भविष्य की योजनाओं को लेकर काफी स्पष्ट और मुखर हैं। हाल ही में उन्होंने अपने पेशेवर दृष्टिकोण और आकांक्षाओं को लेकर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की, जिसमें उन्होंने बताया कि वह अपने करियर को किस दिशा में ले जाना चाहती हैं और किन उद्देश्यों के साथ काम कर रही हैं। अनन्या ने अपनी बातों को साझा करते हुए कहा, मुझे लगता है कि मैंने अभी तो बस शुरुआत की है, लेकिन ऐसी बहुत सी फिल्में और बेहतरीन कलाकार हैं, जिनके साथ काम करना मेरा सपना है। यह उनके असीमित उत्साह और सीखने की ललक को दर्शाता है। अनन्या ने बताया कि उनके पास भविष्य की योजनाओं की एक लंबी लिस्ट है और वह इंडस्ट्री में बहुत कुछ हासिल करना चाहती हैं। उन्होंने अपनी बातें शेयर करते हुए कहा कि वह अब अपने करियर में एक कदम और आगे बढ़ाना चाहती हैं।
अभिनेत्री का उद्देश्य अब ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना है, जो केवल तात्कालिक सफलता ही नहीं, बल्कि लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बसी रहें और एक स्थायी प्रभाव छोड़ें।
उन्होंने दृढ़ता से कहा, मैं कुछ ऐसा प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती हूं, जिसे हमेशा याद रखा जाए और जो मेरे बाद भी दुनिया में बना रहे। यह कथन उनकी परिपक्व सोच और कला के प्रति गहरे सम्मान को दर्शाता है, जहां वह क्षणिक प्रसिद्धि से परे जाकर रचनात्मक विरासत बनाने पर जोर दे रही हैं।
अनन्या ने माना कि उम्र और अनुभव के साथ फिल्मों और अभिनय के प्रति उनका लगाव और गहरा होता जा रहा है।
उन्होंने बताया, फिल्मों को अब मैं लंबे समय तक चलने के नजरिए से देख रही हूं, क्योंकि मुझे अब समझ आ रहा है कि फिल्में कितनी प्रभावशाली होती हैं और वे हमेशा के लिए अमर हो जाती हैं। मैं आज के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं। यह उनकी कलात्मक यात्रा में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है, जहां वह अपनी पसंद को अधिक सोच-समझकर चुन रही हैं। अभिनेत्री लक्ष्य लालवानी के साथ जल्द ही फिल्म चांद मेरा दिल में नजर आएंगी। यह एक कॉलेज रोमांस से शुरू होकर एक इंटेंस और ट्रैजिक लव स्टोरी में बदलती है, जो युवाओं के जुनून भरे प्यार को दर्शाती है। फिल्म की कहानी में प्यार, बलिदान और भावनाओं का एक गहरा मिश्रण देखने को मिलेगा। विवेक सोनी द्वारा निर्देशित फिल्म चांद मेरा दिल का निर्माण करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है, जो इसकी भव्यता और गुणवत्ता का संकेत है। फिल्म में अनन्या पांडे चांदनी और लक्ष्य आरव के रूप में नजर आएंगे। चांद मेरा दिल 22 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी, और अनन्या के प्रशंसक उन्हें इस नए और गहरे किरदार में देखने के लिए उत्साहित हैं।

शादी की 10वीं सालगिरह पर एक दूसरे पर बिपाशा और करण ने बरसाया प्यार

बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर बॉलीवुड के उन चुनिंदा कपल्स में से हैं जिनकी गिनती बोल्ड और क्यूट जोड़ी के तौर पर होती है। साल 2016 में शादी के बंधन में बंधने के बाद से यह जोड़ा अपने रिश्ते को न केवल बखूबी निभा रहा है, बल्कि लगातार अपने प्रशंसकों को कपल गोल्स भी दे रहा है।
उनका सोशल मीडिया अकाउंट इस बात का सबूत है, जो प्यारी और पारिवारिक तस्वीरों से भरा रहता है। हाल ही में इस प्यारे कपल ने अपनी शादी के 10 साल पूरे किए, और इस खास मौके पर करण सिंह ग्रोवर ने अपनी अभिनेत्री पत्नी पर जमकर प्यार लुटाया है। करण ने इंस्टाग्राम पर शादी की 10वीं सालगिरह को सेलिब्रेट करते हुए एक बेहद ही खूबसूरत वीडियो शेयर किया है, जिसमें दोनों के क्वालिटी टाइम मोमेंट्स की झलकियाँ हैं। वीडियो में कभी दोनों साथ में फिल्म देखते हुए नजर आ रहे हैं, तो कभी एक-दूसरे को प्यार से किस करते हुए दिख रहे हैं। यह वीडियो उनके गहरे प्यार और आपसी समझ को दर्शाता है, जो दर्शकों का दिल जीत रहा है।
अभिनेता ने इस वीडियो के साथ एक भावुक कैप्शन भी लिखा है, जिसके जरिए उन्होंने बिपाशा पर बेशुमार प्यार बरसाया है। करण ने अपनी पत्नी को अपनी ताकत और जीवन को सार्थक बनाने वाला शख्स बताया है। उन्होंने लिखा, तुम मेरे लिए सब कुछ थे, हो और हमेशा रहोगे। तुम मेरी हर धड़कन, हर सांस, मेरी ताकत, मेरी परी हो। तुम मेरी वजह हो, तुम मेरे जीवन को अर्थ देते हो। तुम्हारा प्यार मेरा कवच है, मेरी महाशक्ति है। मैं जो हूं, वह तुम्हारे कारण हूं। मैं तुम्हें अनंत काल तक, अनंत काल तक, बीते और अनबीते जन्मों से भी अधिक समय तक, अनंत काल तक और एक दिन तक प्यार करूंगा! मैं तुमसे प्यार करता हूं, 10वीं सालगिरह मुबारक! करण के इन शब्दों ने उनके रिश्ते की गहराई और एक-दूसरे के प्रति उनके समर्पण को उजागर किया है।
बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दोनों की मुलाकात 2015 में फिल्म अलोन के सेट पर हुई थी। धीरे-धीरे उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई, लेकिन बिपाशा का मानना था कि वे तब तक शादी नहीं करेंगी, जब तक खुद करण उन्हें शादी के लिए प्रपोज नहीं करते। नए साल के दिन, करण ने थाईलैंड की खाड़ी में स्थित खूबसूरत द्वीप पर बिपाशा को डायमंड रिंग के साथ प्रपोज करके सभी को चौंका दिया। 30 अप्रैल 2016 को इस जोड़े ने बंगाली रीति-रिवाजों के साथ सात फेरे लिए।
शादी के समय करण ग्रोवर को काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था क्योंकि यह उनकी तीसरी शादी थी, लेकिन इस जोड़े ने सभी आलोचनाओं का सामना करते हुए अपने रिश्ते को मजबूत बनाया। आज वे देवी नाम की एक प्यारी सी बेटी के माता-पिता भी हैं, और उनका परिवार खुशहाल जीवन जी रहा है, जो बॉलीवुड में एक मिसाल बन गया है।

नाना पाटेकर 76 की उम्र में भी युवा एक्टर्स को भी दे रहे फिटनेस में मात

नाना पाटेकर, भारतीय सिनेमा के एक ऐसे दिग्गज अभिनेता हैं, जो सिर्फ अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए ही नहीं, बल्कि अब अपनी अद्भुत फिटनेस के लिए भी जाने जाते हैं। 76 साल की उम्र में भी वे अपने किसी भी युवा समकालीन को कड़ी टक्कर दे सकते हैं, और इसका हालिया सबूत सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में देखने को मिला। प्रसिद्ध फोटोग्राफ़र और प्रोड्यूसर अतुल कासबेकर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो अपलोड किया, जिसमें नाना पाटेकर लगातार 15 ट्राइसेप डिप्स करते हुए नजर आ रहे हैं और वह भी बिना किसी थकान या पसीना बहाए। अतुल द्वारा फोटो-शेयरिंग ऐप पर शेयर की गई इस क्लिप में नाना पाटेकर को टैन शॉर्ट्स और सफेद बनियान पहने देखा जा सकता है, जिसके साथ उन्होंने अपने गले में एक गमछा भी लपेटा हुआ है, जो उनके देसी अंदाज को दर्शाता है।
उन्हें बिना किसी रुकावट के, पूरी सहजता के साथ ट्राइसेप डिप्स करते देखा गया, और तो और, इस कसरत के आखिर में उनके चेहरे पर एक संतुष्टि भरी मुस्कान भी थी। इस उम्र में भी फिटनेस के बड़े लक्ष्य तय करने के लिए नाना की तारीफ करते हुए, अतुल ने कैप्शन में लिखा, आ-हो नाना साहेबज!!! आपने तो मेरे फिटनेस लक्ष्य ही बदल दिए!!! ये हैं नाना पाटेकर जी। उनकी उम्र 76 साल है। और ये उन्हें बार्स पर ट्राइसेप डिप्स करते हुए दिखाया गया है।
फिल्म इंडस्ट्री के कई सदस्यों ने नाना के इस जज्बे की तारीफ की। शिल्पा शेट्टी, विनीत कुमार सिंह और राहुल देव जैसे कलाकारों ने कमेंट सेक्शन में आग और लाल दिल वाले इमोजी शेयर करके अपनी प्रशंसा जाहिर की, जिससे पता चलता है कि नाना की फिटनेस सिर्फ प्रशंसकों के बीच ही नहीं, बल्कि उद्योग में भी चर्चा का विषय बन गई है। कुछ इंस्टाग्राम यूजर्स ने नाना के मशहूर किरदार, वेलकम फ्रैंचाइजी के उदय शेट्टी का भी जिक्र किया। उन्होंने कंट्रोल उदय कंट्रोल और उदय भाई अभी भी फिट दिख रहे हैं जैसे मजेदार कमेंट्स किए, जो नाना के लोकप्रिय ऑन-स्क्रीन किरदारों और उनके वास्तविक जीवन की फिटनेस के बीच एक दिलचस्प संबंध स्थापित करते हैं। अब अगर नाना की आगामी फिल्मों की बात करें, तो वह 2025 में आने वाली हाउसफुल 5 का हिस्सा थे, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख और अन्य कलाकार भी थे। इसके अलावा, उन्हें विशाल भारद्वाज की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म ओरोमियो में एक पुलिसवाले के किरदार में भी देखा गया था, जिसमें शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिकाओं में थे। उन्होंने अनिल कपूर और राधिका मदान स्टारर फिल्म सूबेदार में भी एक कैमियो रोल किया था। नाना पाटेकर की यह ऊर्जा और काम के प्रति समर्पण वाकई प्रेरणादायक है।

फिल्म के लिए बनाई जा रही सिनेमाई दुनिया पूरी तरह फ्रेश: रुक्मिणी वसंत

हाल ही में अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत ने ब्लॉकबस्टर फिल्म कांतारा- ए लेजेंड चैप्टर 1 के भव्य पैमाने और इसकी अनोखी दुनिया के बारे में खुलकर बात की। रुक्मिणी वसंत ने बताया कि फिल्म का स्केल इतना बड़ा और प्रभावशाली है कि उन्होंने अपने करियर में पहले कभी ऐसा कुछ अनुभव नहीं किया। उन्होंने कहा, 卐इसका स्केल निश्चित रूप से ऐसा है जैसा मैंने अब तक कभी नहीं देखा। फिल्म के लिए बनाई जा रही सिनेमाई दुनिया पूरी तरह फ्रेश और बेहद भव्य है। रुक्मिणी ने आगे कहा कि वह निर्देशक गीतू मोहनदास और अभिनेता यश द्वारा तैयार की जा रही इस नई दुनिया को देखकर बहुत खुश और रोमांचित हैं। अभिनेत्री ने बताया, 'मुझे लगता है कि हमारी डायरेक्टर गीतू मोहनदास और यश जो फिल्म तैयार कर रहे हैं, वह इतनी विशाल और नई है कि यह मुझे सचमुच कुछ अनोखा और अलग लगता है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। मुझे यह देखने के लिए भी उत्सुकता है कि दर्शक इस नई दुनिया पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।'
यह टिप्पणी फिल्म की मौलिकता और उसके बड़े पैमाने पर निर्माण की ओर इशारा करती है, जिससे यह एक असाधारण सिनेमाई अनुभव होने की उम्मीद बढ़ जाती है। रुक्मिणी ने फिल्म पर बात करते हुए कहा कि वह खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इस प्रोजेक्ट में काम करने का मौका मिला है, जो उनके करियर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनने जा रहा है। उन्होंने बताया कि 4 जून को रिलीज होने वाली यह फिल्म उन्हें सबसे ज्यादा रोमांचित कर रही है। यह फिल्म यश और वेंकट के. नारायण की प्रोडक्शन कंपनियों केवीएन प्रोडक्शंस और मॉनस्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बन रही है, जो गुणवत्तापूर्ण सिनेमा बनाने के लिए जानी जाती हैं।
फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर जैसे कई स्थापित और प्रतिभाशाली कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं, जिससे फिल्म की कास्टिंग भी काफी दमदार लग रही है। टॉक्सिक न केवल हिंदी और तेलुगु में रिलीज होगी, बल्कि तमिल, मलयालम समेत कई अन्य भारतीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में भी इसे डब किया जाएगा। यह व्यापक रिलीज रणनीति यह सुनिश्चित करेगी कि फिल्म पूरे देश के साथ-साथ विदेशों में भी दर्शकों तक पहुंच सके, जिससे इसकी पहुंच और प्रभाव और भी बढ़ जाएगा। रुक्मिणी वसंत इस फिल्म के अलावा जूनियर एनटीआर की अगली फिल्म में भी काम कर रही हैं, जो उनके करियर के लिए एक और बड़ा प्रोजेक्ट है। उनके पास कुछ अनऑनाउंस्ड प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिनकी घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।

बुची बाबू सना की राम चरण स्टारर 'पेड्डी' 4 जून 2026 को होगी रिलीज, आईपीएल खत्म होते ही मचेगा धमाल

बुची बाबू सना की 'पेड्डी' करेगी बॉक्स ऑफिस पर कब्जा, राम चरण स्टारर फिल्म 4 जून 2026 को होगी रिलीज

'पेड्डी' को साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक माना जा रहा है। फिल्म में राम चरण के साथ जान्हवी कपूर नजर आएंगी, जबकि इसका शानदार संगीत ए.आर. रहमान ने तैयार किया है। यह फिल्म वृद्धि सिनेमास के बैनर तले बनाई जा रही है!
'पेड्डी' साल 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बनकर उभरी है, जिसमें ग्लोबल स्टार राम चरण लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म में जान्हवी कपूर और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में हैं। ऐलान के बाद से ही यह प्रोजेक्ट फैंस के साथ-साथ इंडस्ट्री में भी जबरदस्त चर्चा में बना हुआ है। हाल ही में 'पेड्डी पहलवान' रिलीज किया गया, जिसमें राम चरण बिल्कुल अलग अवतार में नजर आए, और इसे पूरे देशभर से जबरदस्त प्यार मिला। अब फिल्म ने आधिकारिक तौर पर अपनी रिलीज डेट 4 जून 2026 तय कर ली है, जो आईपीएल सीजन के तुरंत बाद है।
'पेड्डी' को लेकर उत्साह अपने चरम पर है और फिल्म अब 4 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। साल की सबसे बड़ी फिल्मों में शुमार यह फिल्म आईपीएल सीजन खत्म होते ही आएगी, जो एक बड़े पर्दे के शानदार तमाशे के लिए बिल्कुल सही समय माना जा रहा है और इससे बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचने की उम्मीद है।
'पेड्डी' हर नए कंटेंट के साथ साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल होती जा रही है। फिल्म से जुड़ा हर कंटेंट शानदार तरीके से काम कर रहा है, चाहे टीज़र हो, 'चिकिरी चिकिरी' गाना, 'राय राय रा रा' गाना या पोस्टर्स, हर चीज़ ने हमें 'पेड्डी' की दुनिया में एक बेहद अलग अंदाज़ में ले जाकर छोड़ा है। यह पूरी तरह कंटेंट की सफलता है, बिना किसी दिखावे के।
'पेड्डी' का पहला गाना 'चिकिरी चिकिरी' रिलीज होते ही जबरदस्त चर्चा में आ गया था। दर्शकों ने इसके फ्रेश वाइब और ए.आर. रहमान के सिग्नेचर टच को खूब पसंद किया। यह गाना तेजी से लोगों से जुड़ा और अब तक अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर 200 मिलियन से ज्यादा व्यूज़ पार कर चुका है, जो फिल्म के म्यूजिक को लेकर बढ़ते उत्साह को दिखाता है।
इस मोमेंटम को आगे बढ़ाते हुए मेकर्स ने दूसरा गाना 'राय राय रा रा' रिलीज किया, जो एक हाई-एनर्जी ट्रैक है और आते ही ऑनलाइन छा गया। इस गाने ने यूट्यूब पर 47 मिलियन से ज्यादा व्यूज़ पार कर लिए हैं, जिससे फिल्म की रिलीज को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है।
बुची बाबू सना द्वारा लिखित और निर्देशित 'पेड्डी' में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही शिवा राजकुमार, जान्हवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी नजर आएंगे। वेंकट सतीश किलारू द्वारा अपने बैनर वृद्धि सिनेमाज और प्रसिद्ध प्रोडक्शन हाउस माइश्री मूवी मेकर्स के सहयोग से निर्मित यह फिल्म 4 जून 2026 को रिलीज होगी।

ईरानी फुटबॉल प्रमुख को टोरंटो में प्रवेश की नहीं मिली इजाजत, मचा सियासी बवाल

-इमिग्रेशन मंत्री बोलीं- मैं पूरी तरह जवाबदेह हैं, इस फैसले में वह सीधी भागीदार नहीं

टोरंटो (एजेंसी)। कनाडा में उस समय सियासी हलचल तेज हो गई जब ईरान के फुटबॉल संघ के अध्यक्ष मेहदी ताज को देश में प्रवेश के लिए जरूरी दस्तावेज जारी किए जाने का मामला सामने आया। ताज का नाम इस्लामिक क्रांतिकारी गार्ड कोर (आईआरजीसी) से जुड़े होने के कारण पहले ही विवादों में रहा है, और यही वजह है कि इस फैसले ने सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया है। मामला तब और गंभीर हो गया जब यह खुलासा हुआ कि ताज और उनका प्रतिनिधिमंडल वैंकूवर में होने वाली फीफा कांग्रेस में हिस्सा लेने कनाडा आ रहे थे। हालांकि, उड़ान के दौरान ही उनके दस्तावेज रद्द कर दिए गए और टोरंटो पहुंचने पर उन्हें देश में प्रवेश की इजाजत नहीं दी गई। बाद में उन्हें वापस भेज दिया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इमिग्रेशन मंत्री लीना डायब ने संसद की समिति के सामने पेश होते हुए कहा कि वह इस घटना के लिए पूरी तरह जवाबदेह हैं, लेकिन इस फैसले की प्रक्रिया में उनकी सीधी भागीदारी नहीं थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि संबंधित व्यक्ति के पास कनाडा आने का कोई वैध दर्जा नहीं था और जैसे ही स्थिति स्पष्ट हुई, उसकी अनुमति रद्द कर दी गई। डायब ने यह भी भरोसा दिलाया कि इस मामले की पूरी जांच की जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी चूक दोबारा न हो, खासकर तब जब देश 2026 के बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन की तैयारी कर रहा है। सरकार की ओर से सफाई दी गई, लेकिन विपक्ष ने इसे बड़ा मुद्दा बना लिया है। कंजर्वेटिव नेता मिशेल रेम्पेल गार्नर ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक प्रशासनिक गलती नहीं, बल्कि सुरक्षा से जुड़ा गंभीर सवाल है उनके मुताबिक किसी भी हालत में एक ऐसे व्यक्ति को परमिट नहीं दिया जाना चाहिए था, जिसका नाम एक प्रतिबंधित संगठन से जुड़ा रहा हो। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की घटनाएं कनाडा की इमिग्रेशन प्रणाली पर लोगों का भरोसा कमजोर कर रही हैं। यह पूरा विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब 2026 का फीफा वर्ल्ड कप नजदीक है और कनाडा इसकी सह-मेजबानी करने जा रहा है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों की एंट्री और सुरक्षा जांच को लेकर सरकार पर दबाव और बढ़ गया है।

ईरान ने दो जासूसों को दी फांसी

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने एक बार फिर सख्त कदम उठाते हुए इजराइल के लिए जासूसी के आरोप में दो लोगों को फांसी दे दी है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब इलाके में तनाव पहले से ही बना हुआ है। इन दोनों पर देश की अहम और संवेदनशील जानकारी बाहर पहुंचाने का आरोप था, जिसे कोर्ट ने गंभीर माना और सजा सुनाई गई। इनमें से एक शख्स पर इस्फहान प्रांत में मौजूद नतांज परमाणु साइट के आसपास से खुफिया जानकारी जुटाने का आरोप था। ईरान की न्यायपालिका ने कहा कि दोनों को इजराइल और उसकी खुफिया एजेंसी मोसाद के साथ सहयोग का दोषी पाया गया, जिसके बाद उन्हें फांसी दी गई। यही वजह है कि इस पूरे मामले को ईरान में बड़ी सुरक्षा कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है।

अमेरिका में एच-1बी वीज़ा के भविष्य पर बड़ा संकट भारतीय पेशेवरों की बढ़ी चिंता

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी संसद में पेश किया गया एक नया विधेयक, एंड एच-1बी वीज़ा एब्यूज एक्ट ऑफ 2026, भारत सहित दुनिया भर के उन लाखों पेशेवरों और छात्रों के अमेरिकन ड्रीम पर गहरा संकट पैदा कर रहा है जो अमेरिका में अपने करियर की तलाश में हैं। रिपब्लिकन सांसदों के एक प्रभावशाली समूह द्वारा पेश किए गए बिल को एच-1बी वीज़ा कार्यक्रम के भविष्य के लिए बड़ा खतरा माना जा रहा है। रिपब्लिकन सांसद एली क्रेन द्वारा प्रस्तुत विधेयक को ब्रैंडन गिल, पॉल गोसर और एंडी ओगल्स सहित 35 से अधिक कट्टरपंथी सांसदों का समर्थन मिला है। इसके पीछे फ्रीडम कॉकस नामक करीब 40-45 रिपब्लिकन सांसदों का शक्तिशाली गुट है, जो अमेरिकी श्रमिकों के हितों की रक्षा और आर्थिक राष्ट्रवाद को प्राथमिकता देने की अपनी नीतियों के लिए जाना जाता है। उनका मानना है कि वर्तमान वीज़ा व्यवस्था अमेरिकी नागरिकों के बजाय कॉर्पोरेट जगत को लाभ पहुँचाती है। यह बिल मौजूदा एच-1बी वीज़ा प्रणाली में केवल सुधार नहीं, बल्कि पूरी तरह से बदलने का प्रस्ताव करता है। इसके प्रमुख प्रावधानों में नए एच-1बी वीज़ा जारी करने पर तीन साल का पूर्ण प्रतिबंध, वार्षिक कोटा को मौजूदा 65,000 से घटाकर मात्र 25,000 करना, लॉटरी सिस्टम खत्म कर न्यूनतम 200,000 डॉलर (करीब1.89 करोड़ रुपए) सालाना वेतन की शर्त पर वीज़ा जारी करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, छात्रों के लिए ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) कार्यक्रम को पूरी तरह से समाप्त करने, एच-1बी धारकों के परिजनों (एच-4 वीज़ा) के काम करने पर रोक और इस वीज़ा से ग्रीन कार्ड की राह को बंद करने का भी प्रस्ताव है। वीज़ा एजेंसियों के माध्यम से भर्ती पर भी पूर्ण प्रतिबंध का प्रावधान है।

कनाडा में पेश हुई खुफिया रिपोर्ट, खालिस्तानी चरमपंथी गतिविधियां देश के लिए खतरा

आटोवा (एजेंसी)। कनाडा की सुरक्षा खुफिया सेवा सीएसआईएस ने नई रिपोर्ट जारी कर देश में सक्रिय खालिस्तानी चरमपंथी गतिविधियों को लेकर गंभीर चिंता जता दी है। रिपोर्ट को कनाडाई संसद में भी पेश किया गया, जिसमें कहा गया है कि कुछ खालिस्तानी समूह देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कनाडा में मौजूद कुछ खालिस्तानी तत्व एक हिंसक चरमपंथी एजेंडा को बढ़ावा दे रहे हैं। इन समूहों पर आरोप है कि वे न केवल अपने विचारों का प्रचार कर रहे हैं, बल्कि कुछ मामलों में हिंसक गतिविधियों से भी जुड़े हो सकते हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप की ईरान को दो टूक, कहा- पागलों को नहीं देंगे परमाणु बम

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम और वहां के मौजूदा नेतृत्व के खिलाफ एक बार फिर आक्रामक रुख अपना लिया है। ट्रंप ने चेतावनी भरे लहजे में स्पष्ट किया कि वे ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे, क्योंकि यह वैश्विक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा है। उन्होंने दोटूक कहा कि अगर ईरान के पास परमाणु शक्ति आती है, तो उसका पहला निशाना इजरायल, फिर मध्य पूर्व और यूरोप होगा, जिसके बाद अमेरिका की बारी आएगी। उन्होंने ईरानी नेतृत्व को पागल और दुष्ट करार देते हुए कहा कि ऐसे हाथों में परमाणु तकनीक विनाशकारी साबित होगी।

पाकिस्तान की मध्यस्थता के जरिए आए शांति प्रस्ताव पर असंतोष जाहिर करते हुए ट्रंप ने कहा कि ईरान की शर्तें अमेरिका को मंजूर नहीं हैं। फ्लोरिडा रवाना होने से पहले उन्होंने संकेत दिया कि हालांकि ईरान समझौता चाहता है, लेकिन वे मौजूदा प्रस्ताव से संतुष्ट नहीं हैं। ट्रंप ने दावा किया कि हालिया अमेरिकी सैन्य कार्रवाई, विशेष रूप से बी-2 बॉम्बर्स के प्रहार ने ईरान की रक्षा क्षमताओं को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। उनके अनुसार, अब ईरान के पास न प्रभावी नौसेना बची है और न ही रडार सिस्टम। जब उनसे भीषण हमले की संभावना पर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि वे मानवीय आधार पर किसी देश को खत्म नहीं करना चाहते, लेकिन समस्या के जड़ से समाधान के लिए कड़े कदम उठाने से पीछे भी नहीं हटेंगे।

इस तनाव का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ा है। 28 फरवरी को शुरू हुई जंग और होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) के प्रभावित होने से अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में हाहाकार मचा हुआ है। दुनिया की 20 प्रतिशत तेल आपूर्ति का मार्ग होने के कारण इस संकट ने कच्चे तेल की कीमतों को 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचा दिया है, जो बीते चार साल का उच्चतम स्तर है। हालांकि, सीजफायर की खबरों के बीच कीमतों में मामूली गिरावट देखी गई है, लेकिन तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा। दूसरी ओर, अमेरिका ने आर्थिक घेराबंदी तेज कर दी है। वाशिंगटन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि होर्मुज मार्ग से गुजरने वाले जो भी शिपिंग कंटेनर ईरान को टोल शुल्क का भुगतान करेंगे, उन पर कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे। इस दबाव के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि यदि अमेरिका धमकी भरी बयानबाजी बंद करे, तो वे कूटनीति के लिए तैयार हैं। हालांकि, ईरान ने भी अपने एयर डिफेंस सिस्टम को सक्रिय कर दिया है और किसी भी संभावित हमले का जवाब देने के लिए अपनी सेना को मुस्तैद रखा है। फिलहाल, पूरी दुनिया की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या कूटनीति से यह संकट सुलझेगा या सैन्य कार्रवाई का नया दौर शुरू होगा।

अमेरिकी सेना समुद्री डाकू, ईरानी बंदरगाहों से अब तक कई जहाजों को पकड़ा

ट्रंप ने कहा- संघर्ष जारी रखने सांसदों से विशेष अनुमति लेने की जरूरत नहीं

वाशिंगटन,(ईएमएस)। ईरान के बंदरगाहों पर अमेरिका की नाकाबंदी जारी है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी नौसेना की तारीफ करते हुए उन्हें समुद्री डाकू बताया है। ट्रंप ने ये भी दावा किया है कि नाकाबंदी से अमेरिका को काफी फायदा हुआ है। ट्रंप ने कुछ दिन पहले अमेरिकी सेना के एक जहाज को जब्त करने का जिक्र किया।

उन्होंने बताया कि ईरान के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिकी सेना ने ईरानी बंदरगाहों से निकलने वाले कई जहाजों को पकड़ा। इसके अलावा, एशियाई समुद्री क्षेत्रों में भी ईरान के टैंकरों और प्रतिबंधित कंटेनर जहाजों पर कार्रवाई की गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान के बंदरगाहों पर नाकाबंदी कर रही अमेरिकी नौसेना की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वो समुद्री डाकू की तरह काम कर रही है। हाल ही में ट्रंप ने अमेरिकी कांग्रेस नेताओं को पत्र लिखकर दावा किया था कि ईरान के साथ जारी युद्ध और सैन्य संघर्ष अब खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि युद्ध शक्तियों की समयसीमा खत्म हो गई है, इसलिए अब ईरान के साथ कोई गोलीबारी नहीं हो रही है। बता दें 1 मई को जंग को 60 दिन पूरे हो गए और इसके साथ ट्रंप को जंग जारी रखने के लिए सांसदों की अनुमति की जरूरत है, लेकिन अब ट्रंप का कहना है कि लड़ाई खत्म हो चुकी है, इसलिए उन्हें इस संघर्ष को जारी रखने के लिए सांसदों से विशेष अनुमति लेने की जरूरत नहीं है। दूसरी तरफ अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने शिपमेंट कंपनियों को चेतावनी दी है कि होर्मुज से गुजरने के लिए ईरान को किसी भी तरह का टोल या शुल्क न दिया जाए। अगर कोई कंपनी ईरान को पैसे देती है, चाहे वो ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी जैसे संगठनों को दान के रूप में ही क्यों न हो, तो उस पर सख्त प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

ईरान में महंगाई ने तोड़ी लोगों की कमर, एक लाख रियाल में सिर्फ दो रोटी

-आर्थिक संकट के बीच 1 करोड़ का नया नोट कर चुका है जारी

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में बढ़ती महंगाई ने आम लोगों की जिंदगी को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। हालात ऐसे हैं कि अब देश का एक लाख रियाल का नोट भी बेहद कम मूल्य का माना जाने लगा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस रकम में केवल दो फ्लैटब्रेड यानी रोटी ही खरीदी जा सकती हैं, जो आम नागरिकों के लिए चिंता का विषय है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के कारण लोगों को रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए भारी मात्रा में नकदी साथ रखनी पड़ रही है। आर्थिक दबाव के चलते छोटे मूल्य के नोटों का महत्व तकरीबन समाप्त होता जा रहा है और बड़ी रकम भी जल्दी खर्च हो जाती है।

रिपोर्ट के मुताबिक इसी बीच सरकार ने हाल ही में 1 करोड़ रियाल का नया बैंकनोट जारी किया है, जो अब तक का सबसे बड़ा नोट है। हालांकि इसकी वास्तविक कीमत भारतीय मुद्रा में करीब 650 से 700 रुपए के आसपास ही है। गुलाबी रंग के इस नोट के एक तरफ 9वीं सदी की जामा मस्जिद की तस्वीर है, जबकि दूसरी ओर ऐतिहासिक बाम किले का चित्र अंकित है। इससे पहले फरवरी में 50 लाख रियाल का नोट जारी किया था, लेकिन नया नोट उससे भी अधिक मूल्य का है।

सरकार का कहना है कि इस बड़े नोट को जारी करने का उद्देश्य लोगों तक नकदी की आसान उपलब्धता सुनिश्चित करना है, हालांकि डिजिटल भुगतान प्रणाली को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके बावजूद एटीएम के बाहर लंबी कतारें देखी जा रही हैं और कई मशीनों में नकदी की कमी की शिकायतें सामने आई हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक अमेरिका और इजराइल के साथ बढ़ते तनाव के चलते लोगों में अनिश्चितता का माहौल है। उन्हें आशंका है कि किसी भी समय इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणाली प्रभावित हो सकती है, जिसके चलते वे ज्यादा नकदी अपने पास रखना चाहते हैं।

अमेरिका ने समुद्र में उतारे मिसाइल डेस्ट्रॉयर, ईरान पर सटीक हमले की तैयारी

वाशिंगटन (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने अपनी नौसेना को हाई अलर्ट पर रखते हुए युद्धपोतों की तैनाती शुरू कर दी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, गाइडेड-मिसाइल डेस्ट्रॉयर यूएसएस डेलबर्ट डी ब्लैक सहित कई जहाजों पर भारी मात्रा में ईंधन, रसद, आधुनिक हथियार और अन्य जरूरी सैन्य सामान लोड किया जा रहा है। यह तैयारी इस ओर इशारा करती है कि अमेरिकी नौसेना क्षेत्र में लंबे समय तक चलने वाले किसी भी सैन्य ऑपरेशन के लिए पूरी तरह कमर कस चुकी है।

इस बीच सैन्य हलकों से आ रही खबरें और भी चौंकाने वाली हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के कमांडर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई के विभिन्न विकल्पों से अवगत कराया है। व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान एडमिरल ब्रैड कूपर ने राष्ट्रपति के समक्ष एक छोटे लेकिन बेहद शक्तिशाली हमले का खाका पेश किया है। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य ईरान की बची हुई सैन्य क्षमता, उसके शीर्ष नेतृत्व और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना है। चर्चा यह भी है कि इस संभावित हमले में अमेरिका अपने सबसे घातक और उन्नत हथियार डार्क ईगल हाइपरसोनिक मिसाइल का इस्तेमाल कर सकता है।

अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि ईरान सीजफायर की आड़ में अपनी सैन्य शक्ति को फिर से संगठित करने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी सरकार उन मिसाइलों और ड्रोन प्रणालियों को मलबे या भूमिगत ठिकानों से बाहर निकाल रही है, जो पिछले अमेरिकी-इजरायली हवाई हमलों के दौरान सुरक्षित बच गए थे। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि यदि सैन्य ऑपरेशन दोबारा शुरू होता है, तो ईरान अपनी बढ़ी हुई ड्रोन और मिसाइल क्षमता का उपयोग कर मध्य पूर्व के अन्य देशों पर जवाबी हमला कर सकता है। तनाव की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि गुरुवार रात ईरान की राजधानी तेहरान में एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय होने की खबरें आईं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, ये सिस्टम किसी संदिग्ध ड्रोन या टोही विमान को मार गिराने के लिए सक्रिय हुए थे। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह कोई वास्तविक खतरा था या केवल एक युद्धाभ्यास। फिलहाल, वाशिंगटन से लेकर तेहरान तक सैन्य हलचलें तेज हैं और पूरी दुनिया की नजरें राष्ट्रपति ट्रंप के अगले कदम पर टिकी हैं।

इजरायल ने यूएई की सुरक्षा के लिए तैनात की अपनी सबसे उन्नत लेजर रक्षा प्रणाली

तेल अवीव (एजेंसी)। मध्य पूर्व के बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कूटनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। इजरायल ने ईरान के संभावित मिसाइल और ड्रोन हमलों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए अपनी सबसे आधुनिक लेजर-आधारित वायु रक्षा प्रणाली आयरन बीम को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में तैनात कर दिया है। साल 2020 में हुए अब्राहम एकॉर्ड्स के बाद दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग का यह अब तक का सबसे बड़ा और अभूतपूर्व उदाहरण है। इस कदम की खास बात यह है कि इजरायल ने न केवल अपने अत्याधुनिक हथियार बल्कि उन्हें संचालित करने के लिए अपने सैन्य कर्मियों को भी पहली बार किसी अरब देश की धरती पर उतारा है।

इजरायल द्वारा यूएई को दिए गए इस सुरक्षा कवच में तीन प्रमुख तकनीकें शामिल हैं। सबसे महत्वपूर्ण आयरन बीम है, जो एक हाई-एनर्जी लेजर हथियार है। यह प्रणाली कम दूरी के रॉकेट, आर्टिलरी और ड्रोन्स को महज 4 से 5 सेकंड में लेजर बीम से जलाकर नष्ट कर देती है। इसके साथ ही, दुनिया की सबसे भरोसेमंद रक्षा प्रणाली आयरन डोम और स्पेक्ट्रो सिस्टम भी तैनात किए गए हैं। स्पेक्ट्रो सिस्टम एक उन्नत निगरानी प्रणाली है जो शाहेद जैसे छोटे ईरानी ड्रोन्स को 20 किलोमीटर दूर से ही रडार पर पकड़ने में सक्षम है। इस रक्षा समझौते का सबसे चौंकाने वाला पहलू इजरायली सैनिकों की मौजूदगी है। रिपोर्टों के अनुसार, केवल हथियारों का निर्यात नहीं किया गया है, बल्कि इन प्रणालियों के संचालन के लिए दर्जनों इजरायली सैन्य कर्मी यूएई में मौजूद हैं। यह बड़े पैमाने पर बूट्स ऑन द ग्राउंड की स्थिति है। इसके अतिरिक्त, इजरायल अब पश्चिमी ईरान से होने वाले मिसाइल लॉन्च की रियल-टाइम खुफिया जानकारी भी यूएई के साथ साझा कर रहा है।

बताया जा रहा है कि ईरान द्वारा हाल के समय में किए गए भारी मिसाइल और ड्रोन हमलों को देखते हुए इजरायल ने आनन-फानन में अपने वे हथियार भी भेज दिए जो अभी प्रोटोटाइप चरण में थे। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दशकों की कड़वाहट के बाद इजरायल का अपनी सबसे संवेदनशील तकनीक एक अरब देश को देना गहरे भरोसे को दर्शाता है। यह ईरान के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि अब खाड़ी के देश और इजरायल एक साझा रक्षा मोर्चे पर एकजुट हैं। लेजर तकनीक का उपयोग ड्रोन हमलों का एक किफायती तोड़ भी साबित हो रहा है, क्योंकि इसमें इंटरसेप्टर मिसाइलों की तरह करोड़ों का खर्च नहीं आता।

ट्रंप ने फिर उड़ाया मुस्लिम महिला सांसद का मजाक, बोले- इन्होंने सगे भाई से शादी की

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने विवादास्पद बयानों और तीखे तेवरों के चलते एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। फ्लोरिडा में आयोजित एक चुनावी रैली के दौरान ट्रंप ने न केवल अमेरिका की मुस्लिम सांसद इल्हान उमर के बोलने के लहजे (एक्सेंट) की नकल उतारी, बल्कि उन पर बेहद निजी और गंभीर आरोप लगाकर नया विवाद खड़ा कर दिया। ट्रंप ने मंच से एक पुरानी और विवादित अफवाह को दोहराते हुए दावा किया कि इल्हान उमर ने अपने सगे भाई से शादी की है। इस दौरान उन्होंने उपहास उड़ाते हुए कहा कि यह पूरी तरह गैरकानूनी है, लेकिन फिर भी वे एक प्यारी जोड़ी की तरह दिखते हैं।

ट्रंप ने रैली में इस कथित रिश्ते का मजाक उड़ाने के लिए एक काल्पनिक बातचीत का स्वांग रचा और ब्रदर शब्द का इस्तेमाल करते हुए इल्हान उमर की मिमिक्री की। उन्होंने समर्थकों के बीच उमर को घिनौना करार देते हुए कहा कि वह उन्हें देखना तक बर्दाश्त नहीं कर सकते। गौरतलब है कि रूढ़िवादी गुट लंबे समय से यह दावा करते रहे हैं कि उमर ने आव्रजन नियमों का फायदा उठाने के लिए अपने भाई से शादी की थी, जिसे ट्रंप ने चुनावी हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया।

सांसद उमर के मूल देश सोमालिया को लेकर भी ट्रंप ने बेहद तल्ख टिप्पणी की। उन्होंने व्यंग्य करते हुए सोमालिया को एक ऐसा देश बताया जहां न सरकार है और न सेना, बल्कि वहां सिर्फ गरीबी और अपराध का बोलबाला है। ट्रंप ने नाराजगी जताते हुए कहा कि ओमार एक ऐसे देश से आती हैं जिसकी हालत दुनिया में सबसे खराब है, लेकिन वे अमेरिका आकर यहां के लोगों को शासन चलाने की नसीहत देती हैं। उन्होंने उमर को पाखंडी बताते हुए उनके संवैधानिक अधिकारों पर भी सवाल उठाए।

इतना ही नहीं, ट्रंप ने इल्हान उमर पर वित्तीय धोखाधड़ी के आरोप भी लगाए। उन्होंने एक कथित घटना का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले महीने उमर ने अपनी संपत्ति 38 मिलियन डॉलर घोषित की थी, लेकिन जांच शुरू होते ही उन्होंने इसे महज एक अकाउंटिंग की गलती बताकर 80,000 डॉलर से भी कम कर दिया। अपने भाषण के अंत में ट्रंप ने बेहद सख्त लहजे में कहा कि ऐसे लोगों का जीवन घोटालों पर आधारित होता है और उन्हें देश से बाहर निकाल देना चाहिए। उनके इस भाषण के बाद राजनीतिक गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।

अमेरिका ने ईरान की नाकेबंदी तोड़ने के लिए बनाया अंतरराष्ट्रीय गठबंधन का प्लान

-होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव के बीच...

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच जारी सैन्य टकराव अब एक नए और जटिल रणनीतिक मोड़ पर पहुंच गया है। पिछले दो महीनों से जारी इस संघर्ष की गति भले ही कुछ धीमी पड़ती दिख रही हो, लेकिन तनाव का स्तर कम होने का नाम नहीं ले रहा है। वर्तमान में इस टकराव का केंद्र दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बन गया है। ईरान द्वारा इस मार्ग पर की गई नाकेबंदी ने अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की चिंताएं बढ़ा दी हैं, क्योंकि वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। इस नाकेबंदी के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ते नकारात्मक प्रभाव को देखते हुए अब अमेरिका ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है।

अमेरिकी प्रशासन अब सीधे सैन्य टकराव के बजाय कूटनीतिक और सामूहिक सुरक्षा की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। इस नई रणनीति के तहत 'मैरीटाइम फ्रीडम कंस्ट्रक्ट' यानी समुद्री स्वतंत्रता संरचना नाम का एक अंतराष्ट्रीय गठबंधन बनाने की तैयारी की जा रही है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य से वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही को फिर से सामान्य करना और समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस योजना को प्रभावी बनाने के लिए अमेरिकी विदेश विभाग और अमेरिकी सेंट्रल कमान (सेंटकॉम) मिलकर काम करेंगे। जहाँ विदेश विभाग विभिन्न देशों और शिपिंग कंपनियों के साथ कूटनीतिक समन्वय करेगा, वहीं सेंटकॉम समुद्री गतिविधियों की निगरानी और जहाजों को सुरक्षा प्रदान करने का जिम्मा संभालेगा। दरअसल, फरवरी के अंत में हुए हमलों के बाद ईरान ने इस मार्ग पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी, जिससे शिपिंग ट्रैफिक लगभग ठप हो गया है। दूसरी ओर, ईरान ने भी अमेरिका की इस घेराबंदी का जवाब देने के लिए फोन डिप्लोमेसी का सहारा लिया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तुर्की, कतर, सऊदी अरब, मिस्र और इराक जैसे क्षेत्रीय देशों के विदेश मंत्रियों से संपर्क कर अपनी स्थिति स्पष्ट की है। ईरान ने इन देशों को संदेश दिया है कि क्षेत्र में अस्थिरता का मुख्य कारण अमेरिका और इजरायल की नीतियां हैं। ईरान का कहना है कि वह शांति का पक्षधर है और उसने इस युद्ध की शुरुआत नहीं की थी, लेकिन अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए उसकी सेना पूरी तरह तैयार है। ईरान ने यह संकेत भी दिया है कि यदि अमेरिका अपना रुख बदलता है, तो बातचीत के रास्ते खुले हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट है कि होर्मुज का यह संघर्ष अब केवल सैन्य नहीं, बल्कि एक बड़े वैश्विक राजनीतिक और कूटनीतिक युद्ध में तब्दील हो चुका है, जिसके परिणाम पूरी दुनिया के लिए दूरगामी होंगे।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.